वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

• वर्ष 8 • अंक 211 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली शनिवार 17 अक्टूबर 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

लड़कियों की शादी की उम्र पर चर्चा जारी, रिपोर्ट आते ही होगी कार्रवाई

ग्लोबल खाद्य सुरक्षा के प्रति भारत प्रदिबद्धः प्रधानमंत्री मोदी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि लड़कियों की शादी की उपयुक्त उम्र को लेकर गठित की गई समिति की रिपोर्ट आते ही सरकार इस पर कार्रवाई करेगी। प्रधानमंत्री ने यह बात शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा, ''बेटियों की शादी की उचित उम्र क्या हो, ये तय करने के लिए भी चर्चा चल रही है। मुझे देशभर की जागरूक बेटियों की चिट्ठियां आती हैं कि जल्दी से निर्णय कीजिए। मैं उन सभी बेटियों को आश्वासन देता हूं कि बहुत ही जल्द रिपोर्ट आते ही उस पर सरकार अपनी कार्रवाई करेगी।'' मालूम हो कि 15 अगस्त को इस साल लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में मोदी ने लड़कियों की शादी की उपयुक्त उम्र तय करने के लिए एक समिति के गठन की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था, ''बेटियों में कुपोषण खत्म हो, उनकी शादी की सही आयु क् या हो, इसके लिए हमने कमेटी बनाई है। उसकी रिपोर्ट आते ही बेटियों की शादी की उम्र के बारे में भी उचित फैसले लिए जाएंगे।'' देश में अभी लड़कियों की शादी की कम से कम उम्र 18 वर्ष निर्धारित है जबकि लड़कों की उम्र सीमा 21 वर्ष है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने आज कहा कि छोटी आयु में गर्भ धारण

करना, शिक्षा की कमी, जानकारी का अभाव, शुद्ध पानी न होना, स्वच्छता की कमी, ऐसी अनेक वजहों से कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में जो अपेक्षित परिणाम मिलने चाहिए थे, वह नहीं मिल पाए। उन्होंने कहा कि देश में अलगअलग स्तर पर कुछ विभागों द्वारा प्रयास हुए थे, लेकिन उनका दायरा या तो सीमित था या टुकड़ों में बिखरा पड़ा था। उन्होंने कहा, ''जब 2014 में मुझे देश की सेवा करने का मौका मिला तब मैंने देश में नए सिरे से प्रयास शुरू किए गए। हम एकीकृत सोच लेकर आगे बढ़े, होलिस्टिक अप्रोच लेकर आगे बढ़े। तमाम बाधाओं को समाप्त करके हमने एक बहुआयामी रणनीति पर काम शुरू किया।'' उन्होंने कहा, ''कुपोषण से निपटने के लिए एक और महत्वपूर्ण दिशा में काम हो रहा है। अब देश में ऐसी फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है जिसमें पौष्टिक पदार्थ जैसे प्रोटीन, आयरन, जिंक इत्यादि ज्यादा होते हैं।'' अब जब आवश्यक वस्तुएं अधिनियनम में संशोधन किया गया है तो इससे स्थितियां बदलेंगी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के हमारे किसान साथी हमारे अ न्नदाता, हमारे कृषि वैज्ञानिक, हमारे आंगनबाड़ीआशा कार्यकर्ता, कुपोषण के खिलाफ आंदोलन का आधार हैं। इन्होंने अपने परिश्रम से जहां भारत का अन्न भंडार भर रखा है, वहीं दूरसुदूर, गरीब से गरीब तक पहुंचने में ये सरकार की मदद भी कर रहे हैं। बीते कुछ महीनों में पूरे विश्व में कोरोना संकट के दौरान भुखमरीकुपोषण को लेकर अनेक तरह की चर्चाएं हो रही हैं। बड़े बड़े एक्सपर्ट्स अपनी चिंताएं जता रहे हैं कि क्या होगा, कैसे होगा? इन चिंताओं के बीच, भारत पिछले 78 महीनों से लगभग 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध करा रहा है।

किसानों ने उत्पादन और सरकार ने खरीद के पुराने रिकॉर्ड तोड़ेः मोदी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोरोना के कारण जहां पूरी दुनिया संघर्ष कर रही है, वहीं भारत के किसानों ने इस बार पिछले साल के प्रोडक्शन के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। क्या आप जानते हैं कि सरकार ने गेहूं, धान और दालें सभी प्रकार के खाद्यान्न की खरीद के अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं? प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की 75 वीं वर्षगांठ पर स्मारक सिक्का जारी करते हुए भारत में खेतीकिसानी की बेहतरी की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को साझा किया। उन्होंने कहा कि किसानों को लागत का डेढ़ गुणा दाम एमएसपी के रूप में मिले, इसके लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। एमएसपी और सरकारी खरीद, देश की फूड सिक्योरिटी का अहम हिस्सा हैं। इसलिए इनका जारी रहना स्वभाविक है। भारत में अनाज की बबार्दी हमेशा से बहुत बड़ी समस्या रही है। अब जब एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट में संशोधन किया गया है, इससे स्थितियां बदलेंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने पौष्टिक तत्वों से भरपूर फसलों को बढ़ावा देने से जुड़ी सरकार की कोशिशों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कुपोषण से निपटने के लिए एक और महत्वपूर्ण दिशा में काम हो रहा है। अब देश में ऐसी फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है जिसमें पौष्टिक पदार्थ जैसे प्रोटीन, आयरन, जिंक इत्यादि ज्यादा होते हैं।

एयर कंडीशनर के आयात पर सरकार ने लगाई रोक, चीन को बड़ा झटका

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर । केंद्र सरकार ने गुरुवार को तत्काल प्रभाव से रेफ्रिजरेंट्स के साथ एयर कंडीशनर (एसी) के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। सरकार ने ऐसा गैर आवश्यक सामान के आयात में कमी लाने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के मकसद से किया है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है, 'रेफ्रिजरेंट्स के साथ एयर कंडीशनर के आयात को लेकर नीति संशोधित की गई है। इसके तहत इसे मुक्त श्रेणी से हटाकर प्रतिबंधात्मक सूची में डाला गया है।' इसके साथ ही ये टायर, टीवी सेट और अगरबत्ती जैसे उत्पादों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिनके आयात पर प्रतिबंध लगा हुआ है। एसी की पहचान घरेलू विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए संभावित वस्तुओं के रूप में की गई है क्योंकि इसका बड़ी मात्रा में आयात किया जाता है। इसका घरेलू बाजार 56 बिलियन डॉलर का है। अलगअलग, सेगमेंट के आधार पर, 85100 प्रतिशत पुर्जों का आयात किया जाता है। इसका बाजार लगभग 2 बिलियन डॉलर का है। अधिकारियों के समूह द्वारा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के लिए तैयार की गई योजना के हिस्से के रूप में, थाईलैंड के साथ व्यापार समझौते पर दोबारा काम करने और शुल्क वृद्धि का प्रस्ताव दिया गया था। आयात प्रतिबंध को लागू करना उस योजना का हिस्सा है जिसके तहत भारत को विनिर्माण केंद्र के हब में बदलने पर जोर दिया जाएगा। जुलाई महीने में भारत सरकार ने रंगीन टेलीविजन सेट के आयात पर बैन लगा दिया था। चीन से बड़े पैमाने पर कलर टीवी भारत मंगाए जाते थे। लेकिन सरकार ने उसपर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दिया है। जून में सरकार ने कार, बसों और मोटरसाइकिल में उपयोग होने वाले नये न्यूमैटिक टायर के आयात पर पाबंदी लगाई थी।

NEET 2020: ओडिशा के शोएब आफताब ने रचा इतिहास, हासिल किए 99.99% स्कोर

नई दिल्ली । ओडिशा के रहने वाले शोएब आफताब ने देश की प्रतिष्ठित परीक्षा राष्टीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में सर्वाधिक 99.99 फीसदी अंक हासिल कर इतिहास रच दिया है। शोएब ने 99.99 स्कोर के साथ ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल की है। रिपोर्ट के अनुसार, एनटीए ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट **ntaneet.nic.in** पर रिजल्ट जारी किए। इस रिजल्ट में शोएब आफताब ने 99.99 फीसदी अंक हासिल करके इतिहास रच दिया। नीट की परीक्षा में 99.99 फीसदी अंक हासिल करने वाले राज्य के पहले छात्र बन गए हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, शोएब कोटा के एक संस्थान से कोचिंग ले रहे थे। शोएब की शानदार कामयाबी के लिए उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं। सूचना है कि उन्होंने लोकसभी अध्यक्ष ओम बिरला से भी गुरुवार को मुलाकात की है। मेडिकल काउंसलिंग ऑफ इंडिया के स्थान पर बने नेशनल मेडिकल कमिशन द्वारार काउंसलिंग की जाएगी। नीट की परीक्षा 13 सितंबर को आयोजित हुई थी लेकिन कुछ छात्रों की परीक्षा छूटने के कारण

एक विशेष परीक्षा भी कराई गई थी। इस साल 14.37 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया था। नीट 2020 के रिजल्ट एनटीए की वेबसाइट **nta.ac.in** यानी नीट की वेबसाइट **ntaneet.nic.in** पर चेक किए जा सकते हैं। छात्र अपने प्रवेश पत्र पर दी गई नामांकन संख्या से लॉगइन कर अपना रिजल्ट देख सकते हैं।

मैं पीएम मोदी का हनुमान हूं कहिए तो सीना चीर के दिखा दूं

(विशेष संवाददाता)

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव में बयानबाजी तेज हो गई है। जेडीयू और एलजेपी के बीच जारी विवाद में शुक्रवार को फिर लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष ने मोदी प्रेम प्रदर्शित किया है। चिराग पासवान ने कहा कि मैं पीएम नरेंद्र मोदी का हनुमान हूं। मीडिया से बात करते हुए एलजेपी अध्यक्ष ने कहा कि मुझे मोदी की तस्वीर कहीं नहीं लगानी, वो मेरे दिल में बसते हैं। मैं उनका हनुमान हूं, मेरा सीना चीर कर देख लें। मोदी के साथ था, हूं और रहूंगा। चिराग ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार परेशान थे कि कहीं मैं प्रधानमंत्री की तस्वीर का इस्तेमाल न कर लूं। उन्होंने पूछा कि बताएं हमारे किस प्रत्याशी ने पीएम की तस्वीर का प्रयोग किया। एलजेपी अध्यक्ष ने कहा कि तस्वीर लगाने की जरूरत मुझे नहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को है, क्योंकि वे हमेशा नरेंद्र मोदी का

अपमान और विरोध करते रहे हैं। चिराग ने कहा कि एलजेपी 20 साल पुरानी पार्टी है, ऐसे में क्यों मेरी पार्टी की अपनी सोच और राय नहीं हो सकती? उन्होंने कहा कि सीएम इस बात को लेकर परेशान हैं कि एलजेपी के अकेले चुनाव लड़ने से उनको इसबार विधानसभा चुनाव में नुकसान होने वाला है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने लोक जनशक्ति पार्टी के उस दावे को झूठा बताया है जिसमें कहा गया है कि लोजपा नेता और अमित शाह के बीच चुनाव को लेकर बात हुई है।

उन्होंने कहा कि लोजपा का सीटों को लेकर विवाद था। भाजपा जितनी सीटें दे रही थी लोजपा उससे कहीं अधिक सीटें मांग रही थी। जिस वजह से वार्ता टूटी और लोक जनशक्ति पार्टी खुद निर्णय लेकर गठबंधन से अलग हो गई। उन्होंने कहा जो पार्टी बिहार में एक सीट भी नहीं जीत सकती वह आज सरकार बनाने का दावा कर भ्रम फैला रही है।

ऑक्सफोर्ड को लेकर रूस का दावा वैक्सीन लोगों को बना रही है बंदर

(विशेष संवाददाता)

मॉस्को। रूस में एक घटिया कैंपेन चलाया जा रहा है ताकि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की तरफ से तैयार की जा रही वैक्सीन को गलत करार दिया जा सके। इसका मकसद वैक्सीन को लेकर लोगों में डर पैदा करना है। साथ ही, यह हास्यास्पद दावा किया जा रहा है कि इससे लोग बंदर बन जाएंगे क्योंकि इसमें चिपैंजी के वायरस का इस्तेमाल किया जा रहा है। तस्वीर और वीडियो क्लिप्स में ऐसा बताया जा रहा है कि कोई भी वैक्सीन जिसे ब्रिटेन में तैयार गई है वह खतरनाक हो सकती है, इसे रूस में सोशल मीडिया पर जमकर सर्कुलट किया जा रहा है। कुछ तस्वीरें

और वीडियो रूस के टीवी प्रोग्राम वेस्ती न्यूज पर दिखाया गया है, एक तस्वीर में ब्रिटेन के पीएम बोरिस जॉनसन डाउनिंग स्ट्रीट में टहल रहे हैं, लेकिन, इसमें उन्हें येति की तरह बनाने के लिए उसमें छेड़छाड़ किया गया है। इस तस्वीर का कैप्शन है मुझे अपना बड़ा पांव वैक्सीन पसंद है। एक अन्य तस्वीर में यह दिख रहा है कि एक चिंपैन्जी एस्ट्राजेनेका दवा कंपनी के लैब कोट में है, जो यह वैक्सीन तैयार कर ही है, और सीरिंज हाथ में लिए हुए है। अमेरिका के सैम की एक अन्य तस्वीर में इस संदेश के साथ हैं मैं चाहता हूं कि आप यह बंदर वाली वैक्सीन लगाएं। इस कैंपेन का मकसद पूरी तरह से ऑक्सफोर्ड के वैक्सीन प्रोग्राम को चोट पहुंचाने का लग रहा है।

कांग्रेस नेता गुलामनबी आजाद कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलामनबी आजाद भी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। उन्होंने खुद ट्वीट कर यह जानकारी दी है। गुलामनबी आजाद ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि 'मेरा कोविड19 का परीक्षण पॉजिटिव आया है। मैं घर पर ही संगरोध में हूं। मैं उन सभी से अनुरोध करता हूं, जो लोग पिछले कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आए हैं वो कृपया प्रोटोकॉल का पालन करे।' आजाद के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद सोशल साइट्स ट्विटर पर तमाम लोग उनके जल्द स्वस्थ होने को लेकर संदेश प्रेषित कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में देश में कोरोना के 8,04,528 एक्टिव मरीज हैं।

24 घंटे में मिले 63371 नए मरीज, 895 मौतें

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर । भारत में कोरोना वायरस के संक्रमितों की संख्या 73 लाख 70 हजार 469 हो चुकी है। पिछले 24 घंटे के दौरान यहां 63 हजार 371 लोग कोविड19 संक्रमित पाए गए। 68 हजार 202 लोग रिकवर हुए और 895 मरीजों की मौत हो गई।

कोरोना से अब तक 1 लाख 12 हजार 161 मरीजों की मौत हो चुकी है। राहत की बात ये है कि अब तक 64 लाख 53 हजार 780 लोग इस वायरस के संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। फिलहाल 8 लाख 4 हजार 528 मरीजों का अभी इलाज चल रहा है। पिछले 15 दिन के आंकड़े पर नजर डालें तो इस बीच करीब 1।67 करोड़ से ज्यादा लोगों की कोरोना जांच हुई है। इनमें 6।32त्न यानी 10।58 लाख लोग संक्रमित पाए

गए। अच्छी बात यह है कि इन 15 दिनों में नए केस से 1।26 लाख ज्यादा मतलब करीब 11।85 लाख लोग रिकवर हुए। बीते तीन हफ्ते में नए केस में भी करीब 3त्न की कमी आई है। 17 से 23 सितंबर के बीच यह दर 8।82त्न थी, जो 8 से 14 अक्टूबर के बीच घटकर 6।05त्न हो गई। देश के लिए यह एक अच्छा संकेत है। महाराष्ट्र में गुरुवार को 10 हजार 226 नए मरीज मिले, 13 हजार 714 लोग रिकवर हुए और 337 मरीजों की मौत हो गई। अब तक 15 लाख 64 हजार 615 लोग संक्रमित पाए जा चुके हैं। इनमें 1 लाख 92 हजार 459 मरीजों का अभी इलाज चल रहा है, जबकि 13 लाख 30 हजार 483 लोग ठीक हो चुके हैं। संक्रमण ने 41 हजार 196 लोगों की जान ले ली। देश की राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 3483 मामले सामने आए आए हैं। इसके साथ ही राजधानी में कोरोना के कुल मामलों की संख्या 3 लाख 21 हजार 31 पहुंच गई है। वहीं दिल्ली में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना से 26 मरीजों की मौत हुई है इसके साथ ही दिल्ली में अब तक संक्रमण से कुल 5924 की मौत हुई है। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे के अंदर 1।5 लाख लोगों की जांच हुई। इनमें 2672 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

कमांड अस्पतालों को मिलीं 'रक्षा मंत्री ट्रॉफी'

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा के लिए बेंगलुरु के वायु सेना कमांड अस्पताल को सर्वश्रेष्ठ और सेना की पूर्वी कमान, कोलकाता के कमांड अस्पताल को दूसरे नम्बर पर सर्वश्रेष्ठ आंका गया है। वर्ष 2019 के लिए दोनों कमांड अस्पतालों को 'रक्षा मंत्री ट्रॉफी' से नवाजा गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को दोनों कमांड अस्पतालों को ट्राफियां देकर सम्मानित किया। पुरस्कार समारोह में रक्षा सचिव समेत वरिष्ठ सेवा और नागरिक गण्यमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर दोनों अस्पतालों ने सशस्त्र बलों को सराहनीय चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराईं। सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा के दोनों अस्पतालों ने युद्धक चिकित्सा सहायता से लेकर सैन्य भूमिकाओं में तैनात सैन्य

टुकड़ियों तक, मध्यजोनल, जोनल और तृतीयक देखभाल केंद्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतरीन प्रदर्शन किया। सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाएं के महानिदेशक और आर्मी मेडिकल कोर के सीनियर कर्नल कमान्डेंट लेफ्टिनेंट जनरल अनूप बनर्जी ने इस अवसर पर सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा की व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए हर समय प्रयास करने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने ऑपरेशन और शांतिकाल में मानवीय सहायता और आपदा राहत के समय चिकित्सा सहायता प्रदान करने में सभी चुनौतियों को पूरा करने के लिए सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा की तैयारियों पर जोर दिया। सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा के कमांड हॉस्पिटल्स की स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्टता पहचानने और उनके बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने के लिए 1989 में 'रक्षा मंत्री ट्रॉफी' की शुरुआत की गई थी। इसके लिए लेफ्टिनेंट जनरल समकक्ष एक सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा अधिकारी की अध्यक्षता में एक चयन समिति का गठन किया गया है। यही समिति अस्पतालों में जाकर किये गए मूल्यांकन के आधार पर व्यापक चयन प्रक्रिया के माध्यम से प्रत्येक वर्ष पुरस्कार के लिए अस्पतालों के नामों की सिफारिश करती है।

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसानों को प्रणाम किया नायडू ने

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने समाज के दुर्बल वर्गों और प्रवासी मजदूरों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसानों को प्रणाम करते हुए कहा है कि मौसम के अनुकूल स्थानीय अनाज से निर्मित पारंपरिक भारतीय भोजन शैली अपनायें और रोगों से दूर रहे। नायडू ने शुक्रवार को विश्व खाद्य दिवस पर जारी एक संदेश में कहा कि खाद्य सुरक्षा के साथ पौष्टिकता का ध्यान भी रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा, 'विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर देश के किसानों और उनके श्रम को कृतज्ञ प्रणाम। महामारी के इस दौर में सरकार के साथ समाज के विभिन्न वर्गों और संस्थाओं ने भी मिल कर दुर्बल वर्गों तथा प्रवासी मजदूरों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की है। सभ्य समाज से यही अपेक्षित भी है।' खाद्य सुरक्षा के साथ पौष्टिकता का ध्यान रखना भी आवश्यक है। ऋतुओं के अनुकूल स्थानीय अनाज से निर्मित, पारंपरिक भारतीय भोजन शैली को अपनाना चाहिए ।

ससुर ने बहू-बेटे पर बनाया दबाव, कहा- संतान हुई तो संपत्ति से कर देंगे बेदखल

(विशेष संवाददाता)

भोपाल । दादा दादी का सपना होता है कि पोतेपोतियां खिलाएं। उन पर अपनी सुखसंपत्ति लुटाएं, लेकिन भोपाल में एक दादा ऐसे भी हैं, जिन्होंने पोतेपोतियों के जन्म पर ही पाबंदी लगा दी है। उन्होंने इकलौते बेटे और बहू पर बच्चे पैदा नहीं करने को लेकर दबाव बनाया है।

उन्होंने कहा है कि यदि उन्हें संतान हुई तो वे दोनों को अपनी संपत्ति से बेदखल कर देंगे। शादी के सात साल बाद भी बच्चे का सुख नहीं मिल पाने से दुखी बहू थक हारकर कुटुंब न्यायालय पहुंची है। उसने गुहार लगाई है कि उनके ससुर को समझाया जाए। हालांकि, छह काउंसिलिंग के बाद भी ससुर नहीं माने। अब उन्हें अगली काउंसिलिंग में बुलाने की तैयारी है। यह अजीबोगरीब मामला है, भोपाल के एक सेवानिवृत्त अधिकारी के परिवार का। शादी के शुरआती सालों में तो बहू ने ससुर और पति को

समझाने की कोशिश की, लेकिन मामला नहीं सुलझा। समाज और परिवार के तानों से परेशान होकर आखिर बहू ने सितंबर 2020 में कुटुंब न्यायालय में आवेदन दिया। उन्होंने काउंसलर सरिता राजानी के सामने अपनी बात रखी। डेढ़ महीने से चल रही सुनवाई के बाद भी कोई हल नहीं निकला है। काउंसलर राजानी ने बेटा व बहू को अलग घर लेकर रहने की सलाह दी, लेकिन पति अपने पिता को छोड़ना नहीं चाहता है। ससुर भी मानने को तैयार नहीं हैं। सास की कई साल पहले मौत हो चुकी है। जब काउंसलर ने सेवानिवृत्त अधिकारी को बुलाया तो उन्होंने तर्क दिया कि यदि बेटेबहू को बच्चा हुआ तो वे मेरी देखभाल नहीं करेंगे। मुझे वृद्धाश्रम भेज देंगे। बेटे की शादी संतान उत्पत्ति के लिए नहीं की है। बेटेबहू का पहला फर्ज मेरी सेवा करना है। मेरे मरने के बाद ये लोग संतान पैदा कर सकते हैं।

यदि बहू को संतान चाहिए तो वह मेरे बेटे को तलाक देकर दूसरी शादी कर सकती है।

एक नजर

दिल्ली में बैट्री से चलनेवाले वाहनों को पंजीकरण शुल्क से छूट

नई दिल्ली । दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत बैट्री से चलने वाले सभी वाहनों को पंजीकरण शुल्क से मुक्त कर दिया है।

इस सप्ताह की शुरुआत में सरकार ने सभी इलेक्ट्रिक वाहनों को रोड टैक्स (पथ कर) से छूट दी थी। गहलोत ने एक ट्वीट में कहा, ''बधाई हो दिल्ली फिर से! मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से प्रोत्साहनों की अगली सूची में सरकार ने बैट्री से चलनेवाले वाहनों को पंजीकरण शुल्क से मुक्त कर दिया है।

दिल्ली फिर से आगे।'' केजरीवाल ने अगस्त में इलेक्ट्रिक वाहन नीति की घोषणा की थी। इसके तहत उन्होंने चार पहिया वाहन की खरीद पर 1.5 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि, दुपहिया वाहन, ऑटोरिक्शा, ईरिक्शा, माल ढुलाई करने वाले वाहन पर 30,000 रुपये तक की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की थी। इसके अलावा उन्होंने पथकर और पंजीकरण शुल्क से भी छूट देने का वादा किया था।

दिल्ली के 31 स्थानों पर लोग कर सकेंगे झंडेवालान माता के दर्शन

नई दिल्ली । कोरोना महामारी को देखते हुए झंडेवालान मंदिर प्रबंधन ने इस बार दिल्ली के 31 स्थानों पर माता के दर्शन करवाने की व्यवस्था की है। इस संबंध में प्रबंधन ने कोंडली से माता की प्रतिमूर्ति के साथ आठ रथ तैयार करवाए हैं, जो शहर के 11 जिलों के 31 स्थानों पर जाएंगे। हर स्थान पर तीन तीन घंटे तक लोग माता के दर्शन व प्रसाद ग्रहण कर सकेंगे। झंडेवालान मंदिर के सचिव कुलभूषण आहूजा ने बताया कि इस बार विशेष परिस्थितियों के बीच नवरात्र की तैयारियां की गई हैं। माता के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए इस बार खास तैयारियां की गई हैं। लोगों के लिए मास्क अनिवार्य होगा व इंतजार का वक्त थोड़ा लंबा होगा। मंदिर के परिसर में एक बार में 175 लोगों के प्रवेश करने की ही व्यवस्था है, इसलिए मंदिर में प्रसाद चढ़ाने की सख्त मनाही होगी। लोग छह सेंकड तक दर्शन कर सकेंगे। मंदिर से बाहर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए पौष्टिक आहार की व्यवस्था की गई है। प्रसाद पूरी तरह पैक्ड होगा। शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में मंदिर के ट्रस्टी रविन्द्र गोयल ने बताया कि मंदिर परिसर को सैनिटाइज करने की पूरी व्यवस्था है।

बदमाशों ने पीड़ित को लोन का झांसा देकर लाखों रुपये ठगे

नई दिल्ली । बाहरी उत्तरी जिले के स्वरूप नगर इलाके में जालसाजों ने एक अनपढ़ को लोन और पॉलिसी का झांसा देकर लाखों रुपये ठग लिये। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस पीड़ित से आरोपियों के मोबाइल फोन और उनके बैंक खातों के नंबर लेकर उन तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। अमृत विहार, बुराड़ी में परिवार के साथ रहने वाले मोतीलाल ने बताया कि वह दिल्ली जल बोर्ड में नौकरी करता है।

20 मार्च 2017 को उसके फोन पर एक अंजान नंबर से फोन आया। कॉलर ने बताया कि खुद को बैंक अधिकारी बताया था। उसने हेल्थ पॉलिसी के लिए फोन किया था। उसने पॉलिसी लेने के लिये हां कर दी थी। कुछ दिन बाद उसके पास कॉलर आया। जिसने अपना नाम राजीव शर्मा बताया। उसे उसने चेक से साढ़े 15 हजार रुपये दे दिये। बाद में राजीव शर्मा और परमजीत का फोन आया। जिन्होंने पॉलिसी होने के बाद एक प्लैट निकलने की बात बोली। जिसका भूगतान एक साल तक करना होगा। कंपनी अधिकारी समय समय पर बैंक खाता नंबर देती रहेगी।

दिल्ली में नए कॉलेज और यूनिवर्सिटी खोलना चाहती है सरकार

अंग्रेजों के बनाए गए दिल्ली यूनिवर्सिटी एक्ट को संशोधित करना चाहती है सरकार

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में यूनिवर्सिटी और कॉलेजों की संख्या काफी कम होने की वजह से कई कॉलेजों में कटऑफ 100 प्रतिशत तक पहुंच गया है और एडमिशन के लिए मारामारी हो रही है। हम दिल्ली में कई नए कॉलेज और यूनिवर्सिटी खोलना चाहते हैं, लेकिन दिल्ली यूनिवर्सिटी एक्ट इसमें अड़चन पैदा कर रहा हैं।

इसलिए मैने अंग्रेजों द्वारा बनाए गए दिल्ली यूनिवर्सिटी एक्ट 1922 के सेक्शन 5(2) को हटाने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पत्र लिखा है, ताकि दिल्ली में नए कॉलेज और यूनिवर्सिटी खोलने का रास्ता साफ हो सके। सीएम केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में हर साल करीब 2.5 लाख बच्चे 12वीं पास करते हैं, इसमें से केवल 1.25 लाख बच्चों को ही दिल्ली के कॉलेजों या यूनिवर्सिटी में एडमिशन मिल पाता है।

वर्तमान में दिल्ली यूनिवर्सिटी से 91 और आईपी यूनिवर्सिटी से 127 कॉलेज संबद्ध हैं और अब उनकी क्षमता भर हो चुकी है, इसीलिए डीयू ने पिछले 30 वर्षों में एक भी नया कॉलेज नहीं खोला है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि मैंने कुछ दिन पहले अखबारों में पढ़ा कि दिल्ली के कुछ कॉलेजो में 100 प्रतिशत कट ऑफ है, जो बच्चे 12वीं कक्षा पास करने के बाद कॉलेजों में एडमिशन लेने की कोशिश कर रहे हैं, उनको बहुत तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। अगर 100 प्रतिशत कट ऑफ है, तो बाकी बच्चे कहां

जाएंगे? जिन बच्चों को 90 प्रतिशत, 95 प्रतिशत, 80, 70 या 60 प्रतिशत अंक मिले हैं, उनका भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। ये बच्चे कहां जाएंगे? ऐसा क्यों हो रहा है कि कटऑफ इतना ज्यादा जा रहा है? इसमें बच्चों की कोई गलती नहीं है। इसमें हम सब की गलती है, सभी सरकारों की गलती है, अभी तक दिल्ली में जितनी भी सरकारें आईं, उन सबकी गलती है, हमारी गलती है, केंद्र सरकार की गलती है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के कॉलेजों मे कटऑफ 100 प्रतिशत तक इसलिए पहुंच गया है, क्योंकि दिल्ली के अंदर कॉलेजों की और विश्वविद्यालयों की बहुत ज्यादा कमी हो गई है।

कॉलेज और विश्वविद्यालयों में सीटों की कमी है और बच्चों की संख्या बढ़ती जा रही है। जिस तेजी के साथ बच्चों की संख्या बढ़ रही है, उसी तेजी के साथ कालेजों और विश्वविद्यालयों की संख्या भी बढ़ने चाहिए थे।

दिल्ली देश की राजधानी हैं। आज अगर सिर्फ दिल्ली की बात करें, तो दिल्ली में हर साल करीब 2.5 लाख बच्चे 12वीं पास करते हैं, उनमें से केवल 1.25 लाख के करीब बच्चों को ही दिल्ली के कॉलेजों में एडमिशन मिल पाता है। बाकी 1.25 लाख बच्चे कहां जाएंगे? यानि कि दिल्ली के अंदर जितने भी कॉलेज हैं, उनमें केवल 50 प्रतिशत दिल्ली के बच्चों के लिए क्षमता है बाकी बच्चे कहां जाएंगे। एडमिशन के लिए एक सीट पर दोदो बच्चे कोशिश कर रहे हैं, इसीलिए एडमिशन को लेकर इतनी ज्यादा मारामारी है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के अंदर इस समय बहुत सारे कॉलेज और यूनिवर्सिटी खोलने की जरूरत है। इसके लिए दिल्ली सरकार तैयार हैं, हम तैयार हैं। हम नए कालेजों और विश्वविद्यालय में निवेश करने के लिए तैयार हैं, हम नए कॉलेज और विश्वविद्यालय खोलने के लिए तैयार हैं। लेकिन नए कॉलेज या यूनिवर्सिटी खोलने में हमारे सामने एक बहुत बड़ी कानूनी अड़चन आ रही है। मैं बता दूं कि आज की तारीख में दिल्ली में दिल्ली यूनिवर्सिटी है। दिल्ली यूनिवर्सिटी से 91 कॉलेज और संस्थान संबद्ध हैं। दिल्ली में आईपी यूनिवर्सिटी है। आईपी यूनिवर्सिटी से 127 कॉलेज और इंस्टीट्यूशन संबद्ध हैं। इसके अलावा आईआईटी दिल्ली है और एम्स के अलावा दिल्ली सरकार के 9 विश्वविद्यालय हैं, दिल्ली में यह मोटे तौर पर उच्च शिक्षा के संस्थान हैं।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अंग्रेजों ने 1922 में दिल्ली यूनिवर्सिटी एक्ट बनाया था और उस समय इसी एक्ट के तहत दिल्ली यूनिवर्सिटी बनाई गई थी। इस दिल्ली यूनिवर्सिटी एक्ट में यह लिखा हुआ है कि अगर दिल्ली में कोई भी नया कॉलेज खुलेगा, वह सिर्फ दिल्ली यूनिवर्सिटी के साथ संबद्ध हो सकता है ।

चीन ने फिर दिखाई भारतीय मीडिया को हेकड़ी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर । चीन ने एक बार फिर भारतीय मीडिया को अपनी हेकड़ी दिखाने की कोशिश करते हुए कहा है कि वह एक चीन सिद्धांत का सम्मान करें और ताइवान की स्वतंत्रता की बात करने वाली ताकतों को अपना मंच प्रदान नहीं करें।

भारत पहले ही चीन को यह साफ कर चुका है कि भारत में पत्रकारिता पूरी तरह से स्वतंत्र हैं। चीन ने शुक्रवार को भारतीय मीडिया को ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू द्वारा दिए गए एक साक्षात्कार में ताइवान की स्वतंत्रता का मुद्दा उठाए जाने पर नाराजगी जताई है।

भारत में चीन के दूतावास ने कहा है कि यह भारत सरकार की लंबे समय से चली आ रही एक चीन नीति के समर्थन के खिलाफ है। भारत में चीनी दूतावास के प्रवक्ता जी रॉन्ग ने एक वक्तव्य जारी कर कहा है कि कुछ भारतीय टीवी चैनलों ने ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू का साक्षात्कार दिखाया है। यह एक चीन नीति के खिलाफ है और भारत की लम्बे समय से चली आ रही एक चीन नीति के उलट है।

उन्होंने कहा कि दुनिया में केवल एक ही चीन है और 'पीपल रिपब्लिक ऑफ चाइना' पूरे चीन का प्रतिनिधित्व करती है। ताइवान चीन का अटूट हिस्सा है। यह संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का इस पर एकमत है। उन्होंने कहा कि ताइवान की 'डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी' और पृथकतावदी ताकतें इसे बदलने का प्रयास कर रही हैं और ताइवान की स्वतंत्रता की बात कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक और कानूनी तथ्य को नहीं नकारा जा सकता कि ताइवान चीन का अटूट अंग है। चीन के साथ राजनीतिक संबंध रखने वाले सभी देशों को इस प्रतिबद्धता का सम्मान करना चाहिए और भारत सरकार की भी यही नीति रही है। एक तरफ चीन अपनी एक चीन नीति का समर्थन करता है तो अन्य देशों की क्षेत्रीय अखंडता को लगातार कमजोर करने की कोशिश में लगा रहता है। चीन की ओर से हाल ही में लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश को विवादित क्षेत्र बताया गया था।

कुपोषण और भूखमरी की समस्याओं को मिटाने के लिए एकजुट होकर लड़ना होगा: गुप्ता

नई दिल्ली। विश्व खाद्य दिवस पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने प्रदेशवासियों सहित देशवासियों से अपील की है कि कुपोषण और भूखमरी की समस्याओं को मिटाने के लिए हम सबको एकजुट होकर लड़ना होगा और अपने घरों में भोजन को बर्बाद न करें, ताकि किसी भूखे को उसको भोजन मिल सके। गुप्ता ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि कुपोषण और भूख की समस्याओं को मिटाने के लिए हम सबको एकजुट होकर लड़ना होगा। विश्व खाद्य दिवस पर मैं सभी से आग्रह करता हूं कि हम सब घरों में भोजन की बर्बादी को कम करें और स्वस्थ आहार की आदतों को अपनाने और जंक फूड को कम खाने का संकल्प लें। 'विश्व खाद्य दिवस' प्रत्येक वर्ष '16 अक्टूबर' को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1980 में की गई थी। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य विश्व में लोगों को खाद्यान्न की महत्ता समझाने और उसकी बर्बादी रोकने के लिए प्रेरित करना है।

2019 में मौत के जोखिम वाले पांच कारकों में वायु प्रदूषण, उच्च रक्तचाप शामिल: अध्ययन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर । भारत में एक अध्ययन के अनुसार 2019 में मौत के सर्वाधिक जोखिम वाले पांच कारकों में वायु प्रदूषण, उच्च रक्तचाप, तंबाकू का सेवन, खराब आहार और रक्त शर्करा का उच्च स्तर रहे। लांसेट पत्रिका में शुक्रवार को प्रकाशित 'द ग्लोबल बर्डन ऑफ डिसीज (जीबीडी)' में दुनियाभर में 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में मौत के 286 से अधिक कारणों और 369 बीमारियों आदि का अध्ययन किया गया। अध्ययन में पता चला है कि भारत में 1990 से ले कर पिछले तीन दशक में जीवन प्रत्याशा 10 वर्ष से अधिक बढ़ी है, लेकिन इन मामलों में राज्यों के बीच काफी असमानता है। अध्ययन के अनुसार, वर्ष 1990 में भारत में जीवन प्रत्याशा 59.6 वर्ष थी जो 2019 में बढ़कर 70.8 वर्ष हो गई। केरल में यह 77.3 वर्ष है वहीं उत्तर प्रदेश में 66.9 वर्ष है। अध्ययन में शामिल गांधीनगर के 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ' के श्रीनिवास गोली कहते हैं कि भारत में 'स्वस्थ जीवन प्रत्याशा' बढ़ना उतना आकस्मिक नहीं है जितना जीवन प्रत्याशा बढ़ना क्योंकि ''लोग बीमारी और अक्षमताओं के साथ ज्यादा वर्ष गुजार रहे हैं।'' अध्ययन में पता चला कि भारत में पिछले 30 सालों में सेहत संबंधी नुकसान में सबसे बड़े कारक हृदय रोग, मधुमेह, सीओपीडी और दौरे पड़ने जैसे गैरसंक्रामक रोग हैं। अध्ययन के अनुसार 2019 में भारत में मौत के जोखिम वाले पांच शीर्ष कारकों में वायु प्रदूषण (लगभग 16.7 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार), उच्च रक्तचाप (14.7 लाख), तंबाकू का उपयोग (12.3

लाख), खराब आहार (11.8 लाख) और उच्च रक्त शर्करा (11.2 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार) हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, वायु प्रदूषण के बाद उच्च रक्तचाप तीसरा प्रमुख खतरनाक कारक है जो भारत के आठ राज्यों में 1020 प्रतिशत तक स्वास्थ्य हानि के लिए जिम्मेदार है।

लॉकडाउन में नौकरी गंवाने वालों के लिए सरकार लेकर आ रही स्कीम

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (वेबवार्ता)। लॉकडाउन के दौरान नौकरी गंवाने वाली कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। सरकार कोरोना लॉकडाउन के दौरान नौकरी गंवाने वाले कर्मचारियों के लिए एक स्कीम लेकर आ रही है। अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना के तहत ईएसआईसी (एम्प्लाइज स्टेट इंश्यूरेंस कॉरपोरेशन) के साथ रजिस्टर्ड कामगारों को फायदा मिलेगा। अगर लॉकडाउन के दौरान उनकी नौकरी चली गई थी तो वो बेरोजगारी राहत के रूप में अपने वेतन के 50 फीसदी का क्लेम कर सकते हैं। वो सिर्फ तीन महीने के लिए यह दावा कर सकते हैं। उन कामगारों को भी इसका फायदा मिलेगी जिन्हें फिर से नौकरी मिल गई है। ईएसआईसी इसके लिए 44 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान करने जा रही है। जल्दी ही इस बारे में अधिसूचना जारी हो सकती है। लेबर मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा कि अब तक इस योजना को कोई ख़ास तवज्जो नहीं मिली है लेकिन आने वाले दिनों में इसमें तेजी आने की उम्मीद है। मंत्रालय इस योजना के व्यापक प्रचारप्रसार की योजना बना रहा है। श्रम मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक इस योजना के तहत रोजाना 400 क्लेम आ रहे हैं। ईएसआईसी और श्रम मंत्रालय ने पिछले महीने इसका दायरा बढ़ाने का फैसला करते हुए बेरोजगारी राहत को 25 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया था।

महिला आयोग ने तीन नाबालिग लड़कियों को मानव तस्करी के रैकेट से मुक्त कराया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । दिल्ली महिला आयोग ने स्वरूप नगर इलाके से तीन नाबालिग लड़कियों को मानव तस्करी के रैकेट से मुक्त कराया है। आयोग की 181 हेल्पलाइन पर अज्ञात व्यक्ति ने अपने इलाके में चल रही संदिग्ध गतिविधियों से आयोग को अवगत कराया था। व्यक्ति ने बताया कि उसके घर के पास एक घर में नाबालिग लड़कियों को लाया जाता है और वहां से उन्हें बेचा दिया जाता है। आयोग की टीम पुलिस के साथ शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए पते पर पहुंची और वहां टीम ने पाया कि कुछ लोग वहां बैठकर शराब पी रहे थे और घर में तीन लड़कियां भी मौजूद थीं। टीम को देखकर लड़कियां डर गईं

और भागने का प्रयास करने लगीं। टीम ने लड़कियों की काउंसलिंग की और उनसे बात करने पर पता लगा की तीनों लड़कियां झारखण्ड की मूल निवासी हैं और अलग अलग कारणों से दिल्ली लाई गयीं थी। सभी बच्चियों और घर में उस वक्त मौजूद लोगों को स्वरूप नगर पुलिस स्टेशन ले जाया गया। सभी लड़कियों ने बताया कि उन्हें झारखंड से दिल्ली काम के बहाने लाया गया था। लड़कियों का मेडिकल करवाया गया और उसके बाद उन्हें शेल्टर होम में रखवाया गया। लड़कियों को उसके बाद बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिस पर समिति ने पुलिस को मामले में केस दर्ज करने और संबंधित एसएचओ से एटीआर भी मांगी है। मामले में पुलिस का रवैया काफी असंतोषजनक रहा।

दिल्ली सरकार ने हाईकोर्ट में दिया जवाबी हलफनामा

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (वेबवार्ता)। दिल्ली हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने प्राइवेट अस्पतालों को अपने आईसीयू में 80 फीसदी बेड कोरोना के मरीजों के लिए आरक्षित रखने के दिल्ली सरकार के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई टाल दिया है।

आज दिल्ली सरकार ने अपना जवाबी हलफनामा दायर किया। जस्टिस नवीन चावला की बेंच ने 18 नवम्बर को अगली सुनवाई करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की ओर से एएसजी संजय जैन ने कहा कि उन्होंने नीति आयोग के साथ हलफनामा दाखिल कर दिया है। उसके बाद याचिकाकर्ता एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ने जवाबी हलफनामे के लिए एक हफ्ते का समय देने की मांग की। संजय जैन ने इस मामले की अगली सुनवाई जल्द करने की मांग की क्योंकि त्यौहार का समय नजदीक है और कोरोना के मामले बढ़ सकते हैं।

सिंगल बेंच ने 22 सितम्बर को दिल्ली सरकार के आदेश पर रोक लगा दी थी। जस्टिस नवीन चावला की बेंच ने दिल्ली सरकार के आदेश को संविधान की धारा 21 के खिलाफ बताया। सिंगल बेंच ने कहा था कि बीमारी खुद कभी आरक्षण का आधार नहीं बन सकती है। सिंगल बेंच के इस फैसले के खिलाफ दिल्ली सरकार ने हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में याचिका दायर किया है।

बाबा बंदा सिंह बहादुर का 350 वां प्रकाश पर्व मनाया, समागम आयोजित

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर । दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से बाबा बंदा सिंह बहादुर का 350वां प्रकाश पर्व श्रद्धा व उत्साह से मनाया गया। इस मौके सुबह पहले गुरुद्वारा बाबा बंदा सिंह बहादुर महरौली में और फिर शाम को गुरुद्वारा बंगला साहिब में गुरमति समागम किए गए। इस मौके पर रागी सिंहों ने गुरु की इलाही बाणी का कीर्तन गायन किया।

समागम में दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के महासचिव हरमीत सिंह कालका ने कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर ने खालसा राज स्थापित किया था और सिखी का मान बढ़ाया। बाबा बंदा सिंह बहादुर का पहला नाम उनके घर पर मातापिता ने लक्ष्मण देव रखा था। फिर उनका नाम माधव दास पड़ गया और फिर गुरु गोबिंद सिंह जी की रहमत से उनका नाम गुरबख्श सिंह पड़ा और फिर गुरु गोबिंद सिंह साहिब जी ने गले लगा कर उन्हें अपना बंदा बनाया। बाबा बंदा सिंह बहादुर ने वजीर खान से साहिबज़ादों का बदला लिया और सरहिंद की ईंट से ईंट बजा दी और खालासा राज स्थापित किया। कालका ने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने सिखों के महान इतिहास को घरघर तक पहुंचाने का प्रयास किया व बाबा बंदा सिंह बहादुर व अन्य सिंहों के बारे में बुकलेट छपवा कर घरघर भेजे, ताकि सिख बच्चे भी अपनी अमीर इतिहास से परिचित हो सकें।

इस मौके पर अन्यों के अलावा दिल्ली कमेटी धर्म प्रचार के मुखी जतिंदरपाल सिंह, मीत चेयरमैन सतनाम सिंह मरवाह, कमेटी सदस्य ओंकार सिंह राजा, भुपिंदर सिंह भुल्लर, विक्रम सिंह रोहिणी के अलावा अन्य गणमान्य शख्सीयतें मौजूद रहीं।

दिल्ली दंगा: मंदिर में तोड़फोड़ करने के आरोपित को जमानत मिली

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर । दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने उत्तरपूर्वी दिल्ली के दंगों के दौरान एक मंदिर में तोड़फोड़ करने के आरोपित गुलफाम को जमानत दे दी है।

एडिशनल सेशंस जज विनोद यादव ने कहा कि आरोपित के बयान के खिलाफ ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे ये पता चले कि उसका अपराध से कोई संबंध है। कोर्ट ने आरोपित गुलफाम को बीस हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दीया। कोर्ट ने आरोपित को अपना मोबाइल नंबर दयालपुर पुलिस के एसएचओ को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। कोर्ट ने आरोपित को अपने मोबाइल फोन पर आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि ये एक हकीकत है कि इस मामले में दूसरे मामले में आरोपित के बयान के बाद पुलिस ने उसे मंडोली जेल से गिरफ्तार किया। दूसरे मामले में कोर्ट ने उसे पिछले 29 सितंबर को जमानत दी थी। कोर्ट ने कहा कि आरोपित का एफआईआर में नाम नहीं है और न ही उसके खिलाफ कोई विशेष आरोप है। पुलिस ने ऐसा कोई सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नहीं किया जिसमें आरोपित को अपराध से जोड़ा जा सके। इसके अलावा आरोपित के खिलाफ कोई चश्मदीद गवाह भी नहीं है। कोर्ट ने कहा कि आरोपित का घर घटनास्थल वाले इलाके में है इसलिए उसकी कॉल डिटेल रिकॉर्ड भी उसी इलाके की है। इस मामले में जांच पूरी हो चुकी है और चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। आरोपित की ओर से वकील अनीश मोहम्मद ने कहा कि आरोपित इस मामले में पिछले 8 मई से न्यायिक हिरासत में है। उसे झूठे तरीके से फंसाया गया है। आरोपित के खिलाफ कोई पुख्ता साक्ष्य नहीं है। वह दंगाईयों की भीड़ का हिस्सा नहीं था और उसके पास से कुछ भी बरामद नहीं हुआ है। इस मामले में कोई पहचान परेड भी नहीं हुई है। घटना के बारे में जो सीसीटीवी फुटेज दिखाया गया है उसमें आरोपित कहीं नहीं दिख रहा है।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी—155370
सीआईएसएफ—22185555
दिल्ली पुलिस—1091
दिल्ली सरकार—181
कहीं भी—कभी भी—1090

समाचार एजेंसी वेबवार्ता®
पल-पल की ख़बर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

डीजल की मांग भी कोविड-19 महामारी से पहले के स्तर पर लौटी

नई दिल्ली । इस साल अक्टूबर महीने के पूर्वार्द्ध में डीजल की मांग में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। इस तरह से पेट्रोल के बाद अब डीजल की मांग भी कोरोना वायरस महामारी से पहले के स्तर पर लौट आयी है। उद्योग जगत के आंकड़ों से इसका पता चला है। डीजल भारत में सबसे अधिक खपत वाला ईंधन है। यह कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये देशभर में मार्च में लगाये गये लॉकडाउन के बाद डीजल की बिक्री में इस साल की पहली सालाना वृद्धि है। महामारी के बाद लोग निजी वाहनों को अधिक तरजीह देने लगे हैं। इस कारण पेट्रोल की मांग में डीजल की तुलना में बेहतर सुधार हुई है। एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर के दौरान के आंकड़ों में अनुमान से बेहतर सुधार देखने को मिला है। पेट्रोल की मांग पिछले महीने कोरोना वायरस महामारी से पहले के स्तर पर आ गयी थी। अक्टूबर के पूर्वार्द्ध में पेट्रोल की बिक्री सालाना आधार पर 1.5 प्रतिशत बढ़कर 9,82,000 टन पर पहुंच गयी। यह बिक्री साल भर पहले की समान अवधि में 9,67,000 टन और सितंबर के पहले पखवाड़े में 9,68,000 टन थी। भारत में 25 मार्च को लॉकडाउन लगाये जाने के बाद से मांग में अप्रत्याशित गिरावट देखने को मिली।

सितंबर तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 17 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । खरीदारों की धारणा में सुधार तथा त्योहारी मौसम की बढ़ी मांग को पूरा करने की कंपनियों की तैयारी के कारण चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 17 प्रतिशत बढ़ गयी। वाहन विनिर्माता कंपनियों के संगठन सिआम ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स (सिआम) के ताजे आंकड़ों के अनुसार, जुलाईसितंबर 2020 की तिमाही में यात्री वाहनों की बिक्री पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि से 17.02 प्रतिशत बढ़कर 7,26,232 इकाई रही। साल भर पहले यह 6,20,620 इकाई रही थी। सितंबर तिमाही के दौरान दोपहिया वाहनों की बिक्री इस वित्त वर्ष में 46,90,565 इकाई रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 46,82,571 इकाई थी। हालांकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में इस दौरान 20.13 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। साल भर पहले सितंबर तिमाही में 1,67,173 वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री हुई थी, जो कम होकर 1,33,524 इकाइयों पर आ गयी। वाणिज्यिक वाहनों की श्रेणी में यी लगातार छठी तिमाही है, जब बिक्री में गिरावट आयी है। इस दौरान तिपहिया वाहनों की बिक्री में 74.63 प्रतिशत की गिरावट आयी। यह बिक्री साल भर पहले सितंबर तिमाही में 1,80,899 इकाई थी, जो कम होकर 45,902 इकाइयों पर आ गयी। सभी श्रेणियों के वाहनों की कुल बिक्री दूसरी तिमाही में मामूली गिरकर 55,96,223 इकाइयों पर आ गयी।

इसरो साइबर स्पेस निबंध प्रतियोगिता में सरकारी स्कूलों के दो स्टूडेंट

देश के दो लाख प्रतियोगियों में चयनित दस हीरों में से दो हीरे दिल्ली के: सिसोदिया

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा है कि इसरो साइबर स्पेस निबंध प्रतियोगिता में हमारे बच्चों का टॉप 10 में आना दिल्ली के लिए गर्व की बात है। इस अखिल भारतीय प्रतियोगिता में दिल्ली के सरकारी स्कूलों के दो बच्चों ने टॉप10 में जगह बनाई है। श्री सिसोदिया ने आज दिल्ली सचिवालय में दोनों बच्चों, अभिभावकों और प्रधानाचार्य से व्यक्तिगत तौर पर मिलकर बधाई दी। इस दौरान शिक्षकों ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देश भर के दो लाख से भी ज्यादा स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। इसमें तीसरे और सातवें स्थान पर दिल्ली के बच्चों को सफलता मिली है। इस पर श्री सिसोदिया ने

कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि दो लाख प्रतियोगियों में से जिन दस हीरों की तलाश की गई, उनमें हमारी दिल्ली के दो हीरे हैं। सिसोदिया ने कहा कि हमें विज्ञान के क्षेत्र में ऐसी प्रतियोगिता आयोजित करने की जरूरत है जिनमें हमारे देश के साथ ही विदेश के बच्चे भी आकर अपना ज्ञान साझा कर सकें। सिसोदिया ने कहा कि विज्ञान की खूबसूरती यह है कि इससे हम पुराने विचारों और स्थापित चीजों पर सवाल करना सीखते हैं। इसलिए हमें बच्चों में वैज्ञानिक सोच के साथ ही विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करने की जरुरत है। इसरो साइबर स्पेस निबंध प्रतियोगिता में राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, पश्चिम विहार के छात्र वरुण कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह, सर्वोदय कन्या विद्यालय, ब्लॉक 20, त्रिलोकपुरी की छात्रा मनीषा रैकवार ने सातवां स्थान प्राप्त किया है। आज बच्चों तथा उनके अभिभावकों और टीचर्स के साथ मुलाकात के दौरान सिसोदिया ने दोनों बच्चों को अपनी पुस्तक 'शिक्षा' भेंट की। सिसोदिया ने दोनों बच्चों से जानना चाहा कि उन्हें इस प्रतियोगिता की जानकारी कैसे मिली। सिसोदिया ने दसवीं कक्षा के इन दोनों बच्चों के कैरियर प्लान पर भी चर्चा की। छात्रा मनीषा ने कहा कि वह आइएएस बनना चाहती है जबकि वरूण ने वैज्ञानिक बनने की इच्छा जताई। सिसोदिया ने दोनों बच्चों के अभिभावकों से भी बात की। वरुण के पिता इस कोरोना महामारी के दौरान बेरोजगार हैं और मां स्कूल बच्चों को पढ़ाकर घर चलाती हैं। मनीषा के पिता एमेजन में डिलीवरी मैन हैं और मां गृहिणी हैं। तीन भाई बहनों में सबसे बड़ी मनीषा पिछले साल साइंस कांग्रेस में दूसरा स्थान हासिल कर चुकी हैं।

रामलीला व नवरात्र पुलिस के लिए बड़ी चुनौती!

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (वेबवार्ता)। दिल्ली सरकार ने रामलीला व नवरात्र को सोशल डिस्टेंसिंग के साथ मनाने की अनुमति दे दी है लेकिन पुलिस के लिए यह एक बड़ी चुनौती है। मंदिर व रामलीला स्थल पर अगर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है, तो इससे कोरोना संक्रमण के फैलने का खतरा ज्यादा होगा।

इसे ध्यान में रखते हुए पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वह रामलीला स्थल व मंदिर जाते समय सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। जानकारी के अनुसार, इसी सप्ताह दिल्ली सरकार ने रामलीला के आयोजन की अनुमति दी है। शनिवार से जहां नवरात्र शुरु हो रहे हैं तो वहीं रविवार से रामलीला शुरु होने वाली है। इस बार आयोजित होने वाली रामलीला पहले से अलग होगी। वहीं नवरात्र के दौरान कुछ मंदिरों में दर्शन की सुविधा भी नहीं रहेगी, लेकिन इसके बावजूद जिन जगहों पर आयोजन होने जा रहा है, वहां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करवाना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती होगी। इसके लिए पुलिस तैयारी कर रही है। उनका प्रयास है कि इन जगहों पर अधिक संख्या में लोग न पहुंचे। दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता ईश सिंघल के अनुसार, भले ही रामलीला के लिए दिल्ली सरकार की तरफ से अनुमति दे दी गई हो, लेकिन पुलिस के पास इसे रद्द करने का अधिकार है। दिल्ली पुलिस की लाइसेंसिंग विभाग कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए इसके लिए अनुमति देती है।

पराली मुद्दे को कमतर दिखाने के लिए केंद्र ने लोकुर समिति के गठन का विरोध किया: आप

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर । पराली जलाए जाने के मामले की निगरानी के लिये उच्चतम न्यायालय द्वारा लोकुर समिति के गठन के फैसले का स्वागत करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को दावा किया कि केंद्र समिति के गठन के पक्ष में नहीं था, क्योंकि वह पराली जलाए जाने के मुद्दे का महत्व कम दिखाना चाहता था।

उच्चतम न्यायालय ने शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति मदन बी लोकुर की एक सदस्यीय समिति का गठन किया है जो पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली जलाए जाने से रोकने के लिये कदम उठाएगी। पराली का जलना दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रदूषण का एक स्रोत है। सालिसीटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि पराली जलाए जाने पर नजर रखने के लिये न्यायमूर्ति लोकुर समिति की नियुक्ति को लेकर सरकार को आपत्ति थी। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आप के प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा केंद्र समिति के गठन के पक्ष में नहीं था क्योंकि वह चाहता था कि उत्तर भारत में प्रदूषण की मुख्य वजह के तौर पर पराली जलाए जाने के मुद्दे को 'महत्व न दिया जाए' क्योंकि यह भाजपा के नजरिये के हिसाब से उपयुक्त नहीं है। भारद्वाज ने कहा, 'हम इस मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हैं। समिति के गठन से चार बातें साबित होती हैं। इससे साबित होता है कि पराली जलाया जाना दिल्ली में प्रदूषण की मुख्य वजह है।' उन्होंने कहा, 'दूसरा यह कि केंद्र और पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश की सरकारों की प्रदूषण की समस्या के समाधान में कोई रुचि नहीं है, यही वजह है शीर्ष न्यायालय को दखल देकर प्रदूषण के मामले में समिति का गठन करना पड़ा।' भारद्वाज ने कहा, 'तीसरा, बीते पांच सालों में न्यायालय द्वारा नियुक्त ईपीसीए भी पराली जलाने की समस्या के निराकरण में नाकाम रहा। चैथा, सालिसीटर जनरल (मेहता) द्वारा विरोध यह दिखाता है कि अपनी राजनीति के लिये केंद्र सरकार चाहती है कि प्रदूषण बरकरार रहे जिससे वे दिल्ली सरकार पर दोषारोपण कर सकें।' प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ ने एनसीसी, एनएसएस और भारत स्काउट्स को समिति की मदद के लिये तैनात किया है।

महिला की बहादुरी से झपटमार हुए पस्त बैग छीनने के लिए महिला को घसीटा

नई दिल्ली। सन लाइट इलाके में गुरुवार को ऑटो सवार एक महिला का बदमाशों ने बैग छीनने की कोशिश की। महिला ने बैग कसकर पकड़ा हुआ था, जिस कारण वह इस खींचातानी में सड़क पर आ गिरी। कुछ दूर तक बदमाश महिला को घसीटते हुए आगे तक ले गए, लेकिन महिला की बहादूरी के आगे बदमाश पस्त हो गए। आखिरकार, उन्हें खाली हाथ ही वापस लौटना पड़ा। लेकिन इस वारदात में महिला जरुर घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर जाना पड़ा।

पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल कर पुलिस बदमाशों तक पहुंचने की कोशिश में लगी है। पुलिस ने बताया, सुंदर नगरी इलाके में पीड़िता वर्षा परिवार के साथ रहती है। वह अक्सर ऑटो से इस्कान टैंपल जाती थी। शाम को भी वह गई थी जहां से ऑटो से वापस घर लौट रही थी। इसी दरम्यान बाइक सवार बदमाशों ने मौका देख उसका बैग खींचने की कोशिश की। वर्षा ने बैग को कसकर पकड़ा हुआ था।

लव जिहाद अब और बर्दास्त नहीं कानून बनाए सरकार: विहिप

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 16 अक्तूबर। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने लव जिहाद से पीड़ित कन्याओं के द्वारा आत्महत्या, उनकी जिहादियों द्वारा निर्मम हत्या एवं दुर्दशा की बढ़ती हुई घटनाओं पर चिंता व आक्रोश व्यक्त करते हुए इस हेतु अविलंब कानून बनाने की मांग की है।

विहिप के केन्द्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेन्द्र जैन ने आज कहा कि पिछले दिनों में तो इन घटनाओं की झड़ी सी लग गई है। लखनऊ में एक पीड़ित महिला द्वारा आत्मदाह कर अपने प्राणों की बलि देना हो या सोनभद्र में पीड़िता का सिर कटा शव मिलना हो, पिछले 810 दिन से बड़ी संख्या में ये घटनायें सामने आ रही हैं जो किसी पत्थर दिल व्यक्ति का दिल दहलाने के लिए भी पर्याप्त हैं। केरल से लेकर जम्मू कश्मीर और लद्दाख तक इन षड्यंत्रकारियों का एक जाल बिछा हुआ है। गैर मुस्लिम लड़कियों को योजनाबद्ध तरीके से जबरन या धोखे से अपने जाल में फंसा लेना किसी सभ्य समाज का चिंतन नहीं हो सकता। यह केवल जनसंख्या बढ़ाने का भोंडा तरीका ही नहीं, अपितु आतंकवाद का एक प्रकार भी है। केरल उच्च न्यायालय ने इसे धर्मांतरण का सबसे घिनौना तरीका बता कर ही इसे लव जिहाद नाम दिया था। विश्व हिंदू परिषद ने संज्ञान में आए इस प्रकार की 170 मामलों की सूची बनाई है जो पिछले 810 सालों से संबंधित है। इस सूची को इस विज्ञप्ति के साथ जारी किया जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष 20,000 से अधिक गैर मुस्लिम लड़कियां इस षड्यंत्र का शिकार बन जाती हैं। जिहादियों के जाल में फंसने के बाद इन लड़कियों का न केवल जबरन धर्मांतरण होता है अपितु नारकीय जिंदगी जीने पर मजबूर किया जाता है।

वेश्यावृत्ति करवाने और उन्हें बेच देने की घटनाओं के अलावा पूरे परिवार के पुरुषों व मित्रों द्वारा जबरन यौन शोषण की घटनाएं भी समाचार पत्रों में आती ही रहती हैं। जब इन अमानवीय यातनाओं की अति हो जाती है तो ये लड़कियां आत्महत्या के लिए विवश हो जाती हैं परंतु पुलिस में शिकायत करने का अवसर बहुत कम लड़कियों को मिल पाता है। एक न्यायालय ने तो अपनी टिप्पणी में पूछा भी था कि लव जेहाद की शिकार लड़कियां गायब क्यों हो जाती है। लव जिहाद से संपूर्ण मानवता त्रस्त है। कहीं इसे रोमियो जेहाद तो कहीं इसे पाकिस्तानी सेक्स गैंग के नाम से संबोधित किया जाता है।

पराली समस्या पर सुप्रीम कोर्ट ने बनाई एक सदस्यीय कमिटी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (वेबवार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के पड़ोसी राज्यों पंजाब, हरियाणा और यूपी में पराली जलाए जाने की समस्या पर नियंत्रण के लिये पूर्व जज जस्टिस मदन बी लोकुर की एक सदस्यीय कमिटी का गठन किया। चीफ जस्टिस एसए बोब्डे ने कहा कि हम चाहते है कि दिल्लीएनसीआर के लोगों को सांस लेने की स्वच्छ हवा उपलब्ध हो। कोर्ट ने हरियाणा और पंजाब सरकार के वकीलों से पूछा कि क्या उनके पास एनसीसी कैडेट्स की पर्याप्त संख्या है जो पराली की समस्या को लेकर जागरुकता फैलाने के लिए किसानों के यहां जाकर पराली न जलाए जाने की अपील कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जस्टिस लोकुर समिति हरेक 15 दिन में सुप्रीम कोर्ट को पराली जलाने की गतिविधि रोकने के मसले पर रिपोर्ट देगी। संबंधित राज्य सरकारें इस कमेटी को उचित सुविधा मुहैया कराएंगी। सेक्रेटेरिएट, सुरक्षा और फाइनेंशियल सुविधाएं मुहैया कराएंगी। मामले पर अगली सुनवाई 26 अक्टूबर को होगी सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील विकास सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार ने एक मोबाइल ऐप से पराली जलाने से रोकने कि व्यवस्था की है। इसके जरिए तत्काल शिकायत होती है। यूपी, हरियाणा ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। याचिकाकर्ता ने मांग की कि पूर्व जज जस्टिस मदन बी लोकुर को पराली जलाने में नियंत्रण के लिए सुप्रीम कोर्ट नियुक्त करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमे जस्टिस लोकुर को नियुक्त करने में परेशानी नहीं है पर एक बार आप उनसे बात कर लें। क्या वह तैयार हैं। कोर्ट ने पिछले 6 अक्टूबर को केंद्र सरकार, पंजाब, हरियाणा और यूपी सरकार को नोटिस जारी किया था।

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत PFRDA ला सकता है गारंटीशुदा उत्पाद

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह चालू वित्त वर्ष के अंत तक राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत सुनिश्चित प्रतिफल वाले उत्पाद को अंतिम रूप दे सकता है। पीएफआरडीए के चेयरमैन सुप्रतिम बंदोपाध्याय ने कहा कि न्यूनतम गारंटीशुदा रिटर्न वाले उत्पाद को लेकर पिछले साल बातचीत हुई थी।

एनपीएस बाजार से जुड़ा उत्पाद है और इसने पिछले 10 साल में लगभग 10 प्रतिशत प्रतिफल दिया है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बीमा क्षेत्र में जो भी गारंटी वाले उत्पाद थे, उन्हें धीरेधीरे वापस ले लिया गया। क्योंकि यह महसूस किया गया कि लंबी अवधि तक इसे बनाये रखना संगठनों के लिये व्यवहारिक नहीं है। बंदोपाध्याय ने कहा, ''गारंटीशुदा उत्पाद की पेशकश हमारे कानून का हिस्सा है। हमें यह करना है। जैसे ही आप गारंटी वाला उत्पाद देते हैं, कोष प्रबंधकों के लिये पूंजी पर्याप्तता जरूरत बढ़ जाती है। फिलहाल हम जो कर रहे हैं, उसमें उत्पाद 'मार्क टू मार्केट' (बाजार मूल्य पर संपत्ति की कीमत तय करने की प्रक्रिया) आधार पर है। हम निवेश को लेकर कोई जोखिम नहीं ले रहे।'' उन्होंने कहा कि नियामक जल्दी ही एक समिति गठित करेगा। ''हम इस वित्त वर्ष में उत्पाद तैयार करेंगे और उसे निदेशक मंडल के समक्ष रखेंगे। अगले छह महीने में आपको ऐसे उत्पाद देखने को मिल सकता है लेकिन उसे पेश करने में देरी हो सकती है।'' इसके अलावा नियामक एक सार्वभौमिक पेंशन योजना पर भी विचार कर रहा है। बंदोपाध्याय ने कहा, ''हमने सार्वभौमिक पेंशन के बारे में ब्योरा रखा (वित्त मंत्रालय के समक्ष) है... वास्तव में हम यह कोशिश कर रहे हैं कि बड़ी संख्या में लोग पेंशन के दायरे में आयें जो अभी नहीं हो रहा। खासकर छोटे कारोबारियों और असंगठित क्षेत्र के लिये यह जरूरी है, जहां 20 से कम लोग काम करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम देख रहे हैं कि क्या हम उन्हें एनपीएस या अटल पेंशन योजना के दायरे में ला सकते हैं।''

जीएसटी मुआवजे के लिए केंद्र सरकार के उधार लेने के फैसले का चिदंबरम ने किया स्वागत

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (वेबवार्ता)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी की भरपाई को लेकर केंद्र सरकार ने 1.10 लाख करोड़ रुपये उधार लेना की योजना बनाई है। इसके लिए वह राज्यों को उनका भुगतान करेगी। हालांकि वित्तमंत्रालय की तरफ से यह भी कहा गया है कि यह राशि राज्यों को लोन के तौर पर मिलेगी। राज्यों की आर्थिक मदद को लेकर केंद्र के इस फैसले का पूर्व वित्तमंत्री पी. चिदंबरम ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि अब सरकार को गतिरोध खत्म करने वाला कदम उठाकर आगे बढ़ना चाहिए ताकि केंद्र और राज्यों के बीच फिर से विश्वास बहाली हो सके। पी. चिदंबरम ने कहा कि शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यों को लिखा है कि केंद्र सरकार 1,10,208 करोड़ रुपये उधार लेगी और राज्य सरकारों को बैकटूबैक ऋण देगी। सरकार के हृदय परिवर्तन के बाद का यह फैसला स्वागत योग्य है। हालांकि जीएसटी मुआवजे में अंतर के संतुलन पर कोई स्पष्टता नहीं है। वित्तमंत्री के पत्र में इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि कौन पैसा उधार लेगा और कर्ज कैसे चुकाया जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि कई राज्य अपने स्वयं के खाते पर उधार लेने के विरोध में हैं, जो बिल्कुल सही है। उन्होंने कहा कि पहली राशि और दूसरी राशि में कोई अंतर नहीं है। केंद्र को 1,06,830 करोड़ रुपये की समान शर्तों की पेशकश करके तुरंत गतिरोध का समाधान करना चाहिए क्योंकि उसने 1,10,208 करोड़ रुपये की पेशकश की है। चिदंबरम ने कहा है कि जीएसटी मुआवजे के भुगतान को लेकर केंद्र और राज्यों के बीच की तनातनी को समाप्त करने की दिशा में सरकार की ओर से पहला सही कदम उठाया गया है।

बीजेडी सांसद की तलाक अर्जी सुप्रीम कोर्ट ने मध्यस्थता केंद्र भेजी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (वेबवार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने बीजू जनता दल के सांसद अनुभव मोहंती की पत्नी वर्षा प्रियदर्शनी के खिलाफ तलाक के केस का दिल्ली से ओडिशा ट्रांसफर करने के लिए दायर याचिका को मध्यस्थता केंद्र रेफर कर दिया है। जस्टिस ऋषिकेष राय की सिंगल बेंच ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये ये आदेश दिया। वर्षा प्रियदर्शिनी ने याचिका में कहा है कि कोरोना के संकट के दौरान ओडिशा से दिल्ली आकर केस की तारीखों पर सुनवाई में शामिल होना मुश्किल है।

उसके बाद कोर्ट ने इस मामले में किसी समझौते तक पहुंचने के लिए मध्यस्थता केंद्र भेज दिया। सुनवाई के दौरान अनुभव मोहंती की ओर से वकील अश्विनी दुबे ने कहा कि वर्षा को बिजनेस क्लास टिकट मिल सकता है और वो दिल्ली में रह रही है। वो अभिनेत्री है और उनकी वित्तीय स्थिति काफी मजबूत है।

उन्होंने कहा कि अनुभव मोहंती के मातापिता काफी बीमार हैं और इस केस के ओडिशा ट्रांसफर करने से उनके स्वास्थ्य पर असर पड़ेगा। अनुभव मोहंती ने अपनी पत्नी वर्षा प्रियदर्शनी से तलाक लेने के दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका दायर की है। अनुभव मोहंती ने याचिका में कहा है कि उनकी अभिनेत्री पत्नी उनके साथ महज 18 महीने रहीं। इस दौरान उनकी पत्नी का व्यवहार उनके साथ क्रूर और प्रताड़ित करने वाला रहा। अनुभव मोहंती की इसी याचिका को ओडिसा ट्रांसफर कराने के लिए वर्षा प्रियदर्शिनी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वर्षा प्रियदर्शनी ने भी अनुभव मोहंती के खिलाफ कटक की कोर्ट में घरेलू हिंसा का केस दर्ज कराया है।

वर्षा प्रियदर्शिनी ने अपने पति को आज का शराबी बताया है। वर्षा ने अनुभव मोहंती से अपने रहने के लिए बीस हजार का मासिक किराया और पचास हजार रुपये के मासिक गुजारा भत्ता मांगने के अलावा 13 करोड़ रुपए के मुआवजे की रकम की मांग की है। मोहंती 2014 में सबसे कम उम्र के राज्यसभा सांसद बने थे। उस समय उनकी उम्र 32 साल थी। अभी फिलहाल ओडिशा केंद्रपाड़ा लोक सभा से सांसद हैं। मोहंती की वर्षा से 8 फरवरी 2014 को शादी हुई थी। मोहंती और वर्षा एक ही साथ पढ़ते थे। शादी के बाद से ही वर्षा छोटी छोटी बातों को लेकर शिकायत करती रहती थी।

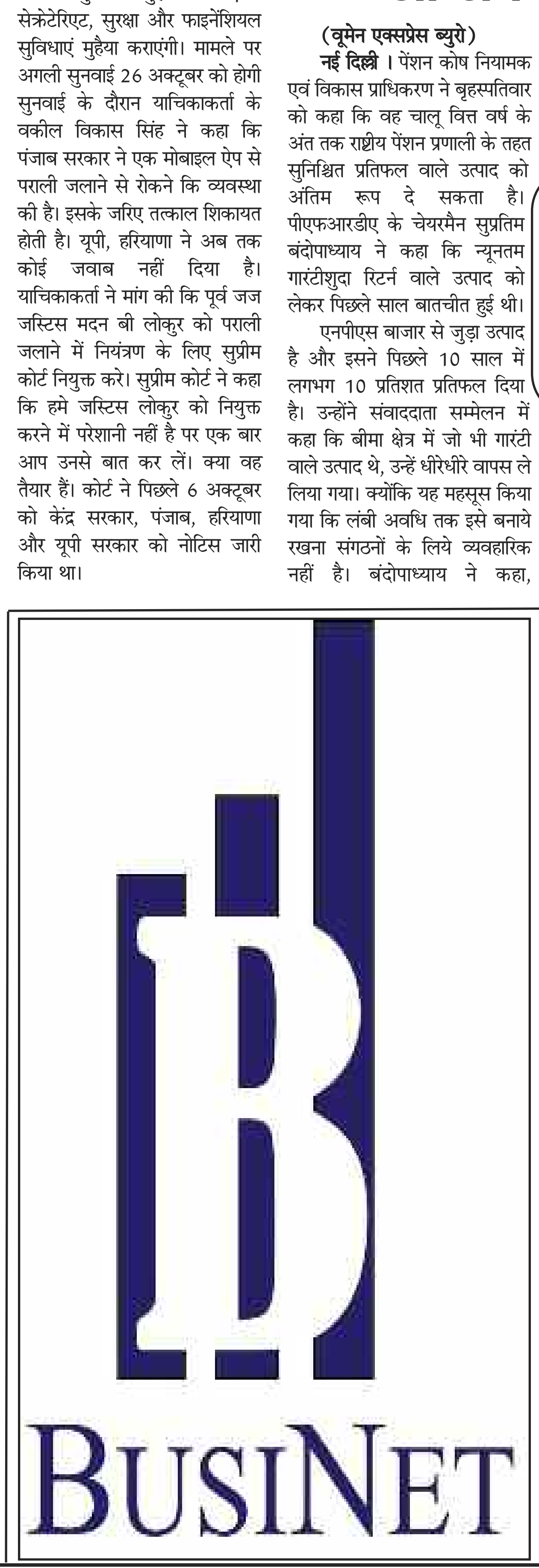

संपादकीय

केबल डिश टीवी और सैटेलाइट नेटवर्क के कारोबार में गिरावट

संचार माध्यम और डिजिटल तकनीकी में पिछले 20 वर्षों में बड़े बदलाव हुए हैं। डिजिटल तकनीकी आने के बाद यह बदलाव और भी तेज हो गए हैं। दुनिया के अधिकांश देशों में 4 जी और 5 जी नेटवर्क बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। जिसके कारण अमेरिका सहित दुनिया के अधिकांश देशों में केबल नेटवर्क, डिश टीवी और सैटेलाइट नेटवर्क के कारोबार में भारी गिरावट देखने को मिल रही हैं। मीडिया के क्षेत्र में अब इंटरनेट पर आधारित नेटवर्क पर प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया, डिजिटल तकनीकी पर बड़ी तेजी के साथ आमलोगों तक पहुंच हो गई है। जिसके कारण अब परंपरागत संचार माध्यम धीरेधीरे प्रचलन से बाहर हो रहे हैं।

अमेरिका में पिछले कुछ वर्षों में रियल टाइम टीवी का भविष्य भी अब अंधकारमय हो चला है। कोरोना वायरस के संक्रमण के बाद इसकी गिरावट और भी तेज हो गई है। जनवरी 2020 से सितंबर 2020 तक के कुछ महीनों में केबल कारोबार को बड़ा धक्का लगा है। बीबी अमेरिका, आईएफसी नेटवर्क की आय में भारी गिरावट देखने को मिली है। इसके स्थान पर डिस्कवरी कम्युनिकेशन बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। आने वाले समय में केबल और सैटेलाइट आधारित संचार सेवाओं को जबरदस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। अमेरिका की बात करें, तो पिछले कुछ माह में डिश नेटवर्क और कामकास्ट कम्पनी के 8 लाख से ज्यादा ग्राहक कम हो गए हैं। एटीएंडटी के दस लाख से ज्यादा ग्राहक कम हो गए हैं। जो इस बात का प्रमाण है, कि आने वाले समय में परंपरागत टेलीविजन के दर्शकों की संख्या को और भी कम करेंगे। इन सभी को इंटरनेट आधारित संचार माध्यम के बीच से अपना रास्ता तलाशना होगा।

पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका सहित दुनिया भर के अधिकांश देशों में स्क्रीमिंग सेवाओं का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। मीडिया के सभी माध्यम अब स्ट्रीमिंग सेवाओं के तहत उपभोक्ताओं तक अपनी पहुंच बना रहे हैं। इस बात का अंदाजा बड़ी आसानी से लगाया जा सकता है। भारत जैसे देश से गूगल और फेसबुक में विज्ञापन के रूप में तथा अन्य सेवाएं देकर हजारों करोड़ों रुपए की कमाई की है। गूगल और फेसबुक की आनलाईन सेवाओं से वर्ष 2019 में गूगल की हिस्सेदारी भारत में 9203 करोड़ रुपए की थी। वहीं फेसबुक की हिस्सेदारी 2233 करोड़ रुपए थी। भारत का सबसे विवादित ऐप टिकटाक ने अक्टूबर 2019 से दिसंबर 2020 के बीच 25 करोड़ रुपये कमा लिए थे। टिकटॉक ने 100 करोड़ रुपए का लक्ष्य सितंबर 2020 तक के लिए तैयार किया था। यह माना जा रहा है, कि भारत में वर्ष 2022 तक डिजिटल एडवरटाइजिंग के माध्यम से लगभग 58000 करोड़ रुपए का व्यवसाय गूगल, फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम इत्यादि सोशल मीडिया की विदेशी कंपनियों द्वारा होगा। यह केबल भारत की स्थिति है। सारी दुनिया में जिस तरह से मीडिया पर गूगल, फेसबुक, यूट्यूब और सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म का एकाधिकार हो गया है। उसके बाद मीडिया के लगभग 80 फीसदी वैश्विक व्यापार में इन्हीं कंपनियों का वर्चस्व होगा। उक्त कम्पनियां हर साल लाखों करोड़ों रुपए की कमाई करेंगी।

अमेरिका और भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में इनकी पहुंच ग्रामीण इलाकों तक पहुंच हो गई है। जिसके कारण परंपरागत इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया का अस्तित्व अब समाप्त होने की स्थिति में पहुंच गया है। गूगल, फेसबुक, यूट्यूब इत्यादि सोशल मीडिया के प्लेटफार्म में इन कंपनियों के पास अपना खुद का कोई उत्पाद नहीं होता है। भारत में जो भी कुछ लिखा पढ़ा और बौद्धिक सम्पदा जानकारी तैयार की जाती है। वह इन्हीं प्लेटफार्म को उपलब्ध करा दी जाती है। उक्त कम्पनियों उपभोक्ताओं को उसे देखने और पढ़ने की सुविधा देते हैं। उनसे कोई पैसा चार्ज नहीं करते हैं। जो लोग अपनी जानकारियां उपरोक्त प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराते हैं।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लखमी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

इस नवरात्रि में करें संकल्प, नारी शक्ति का नहीं है विकल्प

नवरात्रि पर्व मां दुर्गा की आराधना का पर्व है। इन नौ दिनों में माता के नौ रूपों की पूजा की जाती है। वे हैं मां शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री। इन नौ शक्तियों के मिलन को ही नवरात्रि कहते हैं। इन दिनों में लोग अपनी आध्यात्मिक और मानसिक शक्तियों में वृद्धि के लिए संयम की साधना करते हैं, उपवास रखते हैं, भजन, पूजन और योग साधना भी करते हैं। कहा जाता है कि इन नौ दिनों में दुर्गा सप्तशती का पाठ, हवन और कन्या पूजन अवश्य करना चाहिए। वैसे तो हमारे देश में कन्या पूजन सदियों से चला आ रहा है लेकिन क्या एक दिन कन्या पूजन करने के बाद नारी जाति के प्रति पुरुष वर्ग के कर्त्तव्य और भावनाएं समाप्त हो जाती हैं और दूसरे दिन ही वे उसके लिए राक्षस बन उसे नोंचकर खाने और फिर जिन्दा जलाने में तनिक भी संकोच नहीं करते। क्या यही है कन्या पूजन की सार्थकता? आज देश में जो भयावह स्थितियां बनी हुई है, उन्हें देखकर क्या हम कह सकते हैं कि हमारी कन्याएं समाज में सुरक्षित हैं? आज किस तरह के कन्या पूजन की जरूरत है? हम ऐसा क्या करें कि हमारी बेटियां सुरक्षित रहें और निर्भयतापूर्वक अपना जीवन जी सकें। हम कन्या पूजन किस रुप में करें, परम्परागत रूप में या आधुनिक रूप में। आज़ इसी पर विचार करते हैं

कन्या पूजन मतलब नो कन्या भ्रूण हत्या

नवरात्रि में कन्या पूजन का विधान है। अनेक लोग इन दिनों में माता के नौ रूपों के प्रतीक के रूप में नौ कन्याओं की पूजा करके उन्हें यथाशक्ति उपहार और दक्षिणा प्रदान करते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं।

लेकिन अगर हम ये सब दिखावे के लिए करते हैं तो ऐसा करना व्यर्थ है। क्योंकि एक दिन कन्या पूजन करके दूसरे दिन अगर आप अपनी ही

कोख में पल रही कन्या के भ्रूण की हत्या करते हैं तो आपका कन्या पूजन करना व्यर्थ है। क्योंकि एक आदमी के जैसे ही अगर सभी सोचने लगे और करने भी लगे तो कन्याएं भी नहीं रहेंगी और जब कन्याएं ही नहीं रहेंगी तो पूजन किसका करोगे? यह पूजन सही मायने में तभी सफल होगा जब आप अपने घर में अपनी बहन और बेटी का सम्मान करेंगे, उसके सुख दुख का ध्यान रखेंगे। उसे आगे बढ़ने और विकास करने का मौका देंगे।

कन्या शिक्षा को बढ़ावा दें

इस नवरात्रि में हमें यह संकल्प लेना है कि हम अपनी कन्याओं की सही परवरिश तो करेंगे ही, उन्हें शिक्षित करके आत्मनिर्भर भी बनाएंगे, ताकि वे भविष्य में आने वाले हर तूफान का डटकर सामना कर सकें।

उन्हें सिर्फ इस तर्क के आधार पर आगे बढ़ने से नहीं रोकेंगे कि वे लड़कियां हैं। जब हम उनके शारीरिक, मानसिक और शैक्षिक विकास का पूरा ध्यान रखेंगे तो कामयाबी स्वत~ उनके कदम चूमेगी और तब आप फख्र से कह सकेंगे कि यह मेरी बेटी है।

इतिहास गवाह है कि जिनजिन परिवारों ने अपनी बेटियों को सपोर्ट किया, उन्होंने हर क्षेत्र में अपने परिवार का नाम रोशन किया। फिर चाहे वो हमारे देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी हों या पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल, प्रथम महिला अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला हो या मंगलयान मिशन की डिप्टी डायरेक्टर नंदिनी हरिनारायण, 6 बार की वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियन मैरीकॉम हो या 6 गोल्ड मेडल जीतने वाली हिमा दास, सभी ने यह सिद्ध कर दिया कि नारी केवल कोमलांगी ही नहीं, फौलाद जैसे इरादे रखने वाली कठोर चट्टान भी है। अपने इसी बुलन्द हौसले के साथ बछेन्द्री पाल ने एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की, वहीं अरुणिमा सिन्हा ने अपने चट्टानी इरादे के साथ कठिन से कठिन स्थिति का सामना करते हुए अपने नकली पैर के साथ एवरेस्ट पर फतह हासिल की। दोनों ही ऐसा कारनामा करने वाली अपने क्षेत्र की प्रथम महिलाएं थीं। शिक्षा के बल पर ही किरण बेदी फर्स्ट आइपीएस ऑफिसर बनीं और इंदिरा नूई पेप्सिको की सीईओ। इस लिस्ट में ऐसे अनेक नाम जोड़े जा सकते हैं, जिनमें प्रमुख हैं सानिया मिर्जा, पी वी सिंधु, सायना नेहवाल आदि। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर कन्या पूजन को सही मायने में सार्थक करना है तो हमें बेटियों को शिक्षित करना होगा, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना होगा।

दहेज को कहें बायबाय

अगर हम चाहते हैं कि भविष्य में भी नवरात्रि में हम कुंवारी कन्याओं का पूजन करें तो इसके लिए हमें दहेज को बायबाय कहना होगा। क्योंकि यही कुप्रथा हमारी बहनबेटियों को कहीं जिन्दा जला रही है तो कहीं घर से बेघर कर रही है। आज़ भी हम उसी पुरातनपंथी सोच के शिकार हैं कि बेटे से ही वंशवृद्धि होती है और अगर बेटी हुई तो उसके लिए ढेर सारा दहेज जुटाना पड़ेगा। हमें इस मानसिकता को बदलना होगा।

सरिता सुराणा
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखिका ।
www.womenexpress.in

कोरोना में नवरात्रि व्रत के साथ सेहत का भी रखें ख्याल

नवरात्रि पर्व भारत में होलीदीपावली और दशहरे जैसी धूमधाम, हर्षोल्लास और श्रद्धा से मनाया जाता है। इस वर्ष शारदीय नवरात्र 17 अक्टूबर से लेकर 25 अक्टूबर तक रहेंगे। इस साल शारदीय नवरात्रि के दौरान तीन सर्वार्थसिद्धि योग पड़ रहे हैं। धार्मिक मान्यता है कि माता हर बार अलग वाहन पर सवारी कर धरती पर आती हैं। इस बार माता का आगमन घोड़े पर हो रहा है। घोड़ा युद्ध का प्रतीक माना जाता है। घोड़े पर माता का आगमन शासन और सत्ता के लिए अशुभ माना गया है। इससे सरकार को विरोध का सामना करना पड़ता है और सत्ता परिवर्तन का योग बनता है। माता की विदाई हाथी पर होने से आने वाले वर्ष में खूब वर्षा होगी। इससे अन्न का उत्पादन अच्छा होता है।

इस बार अष्टमी और नवमी तिथि एक ही दिन पड़ेगी, जिसके कारण नवरात्र में देवी आराधना के लिए पूरे 9 दिन मिलेंगे। इन नौ दिनों तक व्रत रखे जाते हैं। पहले दिन जहां कलश स्थापना का विधान है तो आखिरी दिन कन्या पूजन किया जाता है। नवरात्रि देश का एक बहुत महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि भारत के विभिन्न प्रदेशों में अलग ढंग से मनायी जाती है। गुजरात में नवरात्रि समारोह डांडिया और गरबा के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। यह पूरी रात भर चलता है। देवी के सम्मान में भक्ति प्रदर्शन के रूप में गरबा, आरती से पहले किया जाता है और डांडिया समारोह उसके बाद। पश्चिम बंगाल में यह पर्व पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ आयोजित किया जाता है। 17 अक्टूबर से शारदीय नवरात्र का आगाज हो रहा है। इसी

दिन प्रतिपदा यानी पहली तिथि में घट स्थापना होगी। इसके बाद 18 को अक्टूबर को नवरात्र का दूसरा दिन, 19 को तीसरा, 20 को चैथा, 21 को पांचवां, 22 छठा, 23 को सातवां दिन होगा। 24 तारीख को सूर्योदय के वक्त अष्टमी और दोपहर में नवमी तिथि रहेगी। इसलिए अगले दिन शाम के समय यानी विजय मुहूर्त में दशमी तिथि होने से 25 अक्टूबर को दशहरा पर्व होगा। नवरात्र में देवी और नवग्रहों की पूजा का एक कारण यह भी है की जीवन में खुशहाली बनी रहे।

कोरोना संक्रमण से लोगों में धार्मिक आस्था कम नहीं हो रही है। देशवासी नवरात्र मनाने की तैयारियां कर रहे है। इस अवधि में मां दुर्गा के नवरूपों की उपासना की जाती है। इसमें शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा अलगअलग दिन होती है।

मातृ शक्ति के रूप में देवी जी की पूजा उपासना की भिन्नभिन्न पद्धतियां विभिन्न रूपों में भारत में प्रचलित हैं। उनकी उपासना का सर्वश्रेष्ठ रूप सभी जगह नवरात्रियों के अवसर पर देखने को मिलता है। शारदीय नवरात्र से शीत ऋतु शुरू हो जाती है। ये ठंड और गर्मी का संधिकाल है। कोरोना के इस दौर में मौसमी बीमारियां होने की संभावनाएं भी रहती हैं। श्रद्धालु विशेषकर महिलाएं नवरात्र में व्रत रखती है। कोरोना काल में भूखा रहकर व्रत रखना स्वास्थ्य के लिए कतई अनुकूल नहीं है। कोरोना प्रभावित इन दिनों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाये रखना निहायत जरूरी है। दूध, फल, आलू , ड्राई फ्रूट सिंघाड़े और साबूदाने का आटा सेवन करने से सेहत बनी रहेगी। इससे व्रत के दौरान आपके पोषण की पूर्ति होंगी। फलों के रस का सेवन किया जा सकता है। ये हमारे शरीर के लाभदायक होते हैं। इन दिनों में देवी पूजा के साथ ही दानपुण्य भी करना चाहिए। जरूरतमंद लोगों को भोजन और धन का दान करें।

बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार
मालवीय नगर, जयपुर ।
www.womenexpress.in

मातृशक्ति मां तभी प्रसन्न होगी होगी जब हम नारी शक्ति का सम्मान करें

अभी मातृशक्ति की पूजाअर्चना, आराधनाउपासना का नौ दिन का पर्व नवरात्रि चल रहा है। भारत की भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति का बहुत बड़ा महत्व व योगदान रहा है। नारी जाति आज भारत जैसे मातृभूमि गौरवशाली पुरूष प्रधान देश में अपने आपको सुरक्षित महसूस कर रही है यह अत्याचार उत्पीड़न शिकार है। मैं सूबेदार रावत गर्ग उण्डू, सहायक उपानिरीक्षकरक्षा सेवाएं और स्वतंत्र लेखक, रचनाकार, साहित्य प्रेमी आज नवरात्रि के मौके पर नारी शक्ति सम्मान दें तभी मां प्रसन्न होगी इसी विषय पर केंद्रित विशेष आलेख पेश कर रहा हूं। आशा है आप इन्हे पंसद करेंगे। इसके कुछ महीने बाद वैभव की देवी लक्ष्मी मैय्या की दीपावली आएगी। फिर वसंत पंचमी को हम सरस्वती मैया का पूजन करेंगे। यह सनातन से करते आ रहे हैं और आगे भी इसी उत्साह और पवित्रता के साथ करते जाएंगे। दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती यही तीन नाम हैं जो हम लोग अपनी बच्चियों का सबसे ज्यादा रखते हैं। नए जमाने में इन नामों के पर्यायवाची ढूंढ़ के रखते हैं। एक शक्ति की देवी, मधुकैटभविध्वंसिनी, महिषासुरमर्दनी, रूप,यश,शक्तिदायनी। एक है ऐश्वर्य, वैभव की देवी गरीबों का छप्पर फाड़कर धनधान्य से भर देने वाली। एक ज्ञान,मेधा बुद्धि,चातुर्य की अधिष्ठात्री। वेद,पुराण, कथाओं में अद्भुत बखान है इन देवियों का। कथाओं में तो ये ब्रह्मा, विष्णु, महेश तीनों को अपनी अंगुलियों में नचाए रखती हैं। ये कहानियां युगों से चलती चली आ रही हैं। जिस देश में मातृशक्ति की इतनी महत्ता रही हो उस देश को तो कायदे से स्वर्ग होना चाहिए। महिलाओं की स्थिति हर दृष्टि से विश्व में सर्वोपरि होनी चाहिए। पर है क्या..? आज दुनिया के प्रायः समस्त समर्थ देशों ने पर्यटन पर जाने वाली महिला नागरिकों को यह एडवायजरी जारी कर निर्देशित कर रखा है कि यदि वे भारत जाएं तो जरा संभल कर अपनी यात्रा करें। आज बढ़ता महिला उत्पीड़न, अत्याचार महिला हिसां के साथ बढ़ती ज्यादती की घटनाओं से विश्व में हमारी ख्याति महिलाओं पर बुरी नजर रखने वालों की है। मतलब वे हमें अव्वल दर्जे के दुष्कर्मी मानते हैं। कब क्या घटित हो जाए भगवान ही जाने। हालात तो ऐसे

हो गए हैं कि जो भगवान के करीब दिखते हैं, वे भी ऐसी घटिया हरकतों को अंजाम देने में लगे हैं। जेल में गुरमीत राम रहीम की चर्बी अभी तक अच्छे से पिघल भी नहीं पाई थी कि फलाहारी बाबा, आसाराम जैसे ढोंगी धर्म के नाम गलत करने वाले आ गए वे भी नारी उद्धार करते पकड़े गए. कई बाबा जेल में हैं। अगर ऐसी जांच मुहिम चले तो नब्बे फीसदी जेल पहुंच ही जाएं। नारी, जिसे शक्ति की प्रतीक माना गया है, वह इतनी निर्बल और बेबस व लाचार क्यों? इतने तो जानवर भी बेबस नहीं हैं। अभी भी स्त्रीधन, भोग की वस्तु समझी जाती है। मधुकैटभ, महिषासुर, गलीगली, सड़कसड़क, दफ्तरदफ्तर, बस, ट्रेन, हवाई जहाज हर जगह अपने शिकार के लिए मौजूद है। इन राक्षसों की माटी की प्रतिमा को शेरों से नुचवाइए या त्रिशूल से छेदिए। परंतु असली तो आप देख सकते है कि सड़क पर घूम रहे हैं साथ ही मठ मंदिरों, आश्रमों में घात लगाए बैठे हैं कि कब शिकार पकड़ में आए। यह नर राक्षस बड़े दांत, नाखून और सींग वाले नहीं बल्कि रेशमी अंग वस्त्रम से सुसज्जित है... मेरी माताओं बहनों बचकर कहां जाइएगा। आप ऐसे राक्षसों से हरपल सावधान सतर्क रहने के साथ ऐसा कुछ दिखे तो बेझिझक कानून का सहारा लें।

आइए ! शुरुआत ही कुछ ऐसी है कि अंकुरण के साथ ही मशीन से पता लगाया पेट में है..गर्भ में पल रही है... वहीं मार दो। सुपारी लेने के लिए सफेद कोट पहने वाले खड़े हैं जिसे जनता भगवान मानते है। अब कौन भगवान है यहां जो नृसिंह की तरह ऑपरेशन थियेटर फाड़ के प्रकट हो जाए और प्रह्लाद की तरह बचा ले उस नन्ही अजन्मी बच्ची, कन्या को... ज़ो बच भी गई उनमें न जाने कितनी दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती नाम रखकर संबोधित की जाने वाली होंगी। उनके पीछे बचपन से न जाने कितने मधुकैटभ पड़े होंगे। कितने ढोंगी हैं हम। दुर्गा कोख में वध्य। राक्षस सड़क पर आजाद है। यही चल रहा है, यही चलेगा। ये कोई नई बात, यह नया ज्ञान आदि नहीं है। इन सबके बावजूद ..फिर आज हम जयकारा लगाते जाइए बोलिए मां जगदंबा, मां भवानी,मां दुर्गा मैय्या की जय... जय हो। हर साल नेशनल क्राइम ब्यूरो की रिपोर्ट जारी होती है। प्रदेशों में होड़ सी मची रहती है कि महिलाओं के साथ अत्याचार उत्पीड़न का बढ़ना गहरी चिंता का विषय है।

हम मातृपूजक लोग कितने ढोंगी हैं। कभी इस बात को तजबीजिए कि, मुंह से हर क्षण झरने वाली गाली सबसे ज्यादा किसके नाम से दी जाती है. क्या ये सच नहीं है कि... मां और बहन के नाम से? गालियां पुरुषवाचक क्यों नहीं? हर क्षण हमारे इर्द गिर्द मातृशक्ति के साथ शाब्दिक व्यभिचार होता है। हम इसे सुनते भर नहीं बल्कि शामिल भी होते हैं। यह व्यभिचार भी एक तरह से भीषण अत्याचार है, लेकिन इसकी रपट कहां हो? कौन लिखे? आखिरकार, गुनहगार तो हम सभी हैं। मातृशक्ति की आराधना उपासना पर्व नवरात्रि में नौ दिन देवी पूजने का अर्थ कहां रह जाता है। क्यों करते हैं हम नाहक के ये कर्मकाण्ड. उस बच्ची की वो कविता जो शुरुआत में आपने बांची उससे बड़ी मीमांशा ग्रंथ रच देने पर भी नहीं होगी। चलिए इस नवरात्रि में इन्हीं सब मसलों पर विचार करते हैं।

सूबेदार रावत गर्ग उण्डू
बाड़मेर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

नवरात्रो में नृत्य है- साधना का एक मार्ग

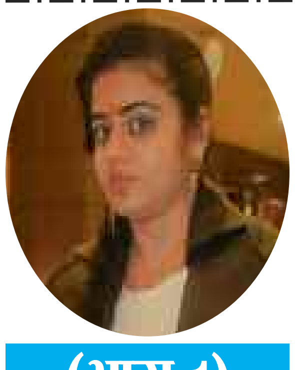

(भाग-1)

नवरात्रि भारत भर में मनाये जाने वाले पर्वों में से मुख्य पर्व है तथा शुक्लपक्ष के प्रारम्भ का भी प्रतीक है। यह एक विशेष पर्व है, जिसमें पारम्परिक पूजन, नृत्य व संगीत सब सम्मिलित रहते हैं। शास्त्रीय नृत्य व गायन होता है और विभिन्न वाद्य यंत्र बजाये जाते हैं। देवी पुराण के अनुसार देवी की आराधना एवं साधनाओं में संगीत के साथ नृत्य का भोग भी अभिन्न अंग है सामवेद के अनुसार नृत्य के माध्यम से देवी शीघ्र प्रसन्न होती है नवरात्रो मैं नृत्य की बात करे तो गुजरात के गरबे की रंग बिरंगी पोशाके आँखों के सामने आ जाती है

परन्तु भारत भर मैं अनेक नृत्य है जो इस उत्सव के साथ जुड़े हुए है।

नवरात्रि

नवरात्रि, नवदुर्ग नौ दिनों का उत्सव है, नवरात्री दो शब्दों के मेल से बना है नव तथा रात्रि नव का अर्थ है नौ रात्रि का अर्थ है रात अर्थात नौ रातो तक मनाया जाने वाला उत्सव 7 साल में दो बार चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि के रूप में मां दुर्गा के नौ रूपों की अराधना की जाती है सभी नौ दिन माँ आदि शक्ति के विभिन्न रूपों को समर्पित किए गये हैं। नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, महासरस्वती और महाकाली के नौ स्वरुपों की पूजा होती है पहले तीन दिन दुर्गा, अगले तीन दिन लक्ष्मी और आखिरी तीन दिन सरस्वती को समर्पित हैं भगत क्रमशः माता के नौ रूपों की पूजा करते है माता शैलपुत्री माता , माता ब्रह्मचारिणी माता , माता चंद्रघंटा , माता कूष्माण्डा माँ अष्टभुजा देवी , माता स्कन्दमाता , माता कात्यायनीमाँ , माता कालरात्रिकालरात्रि देवी शुभंकरी , माता महागौरी , माता सिद्धिदात्री।

शाकत समुदाय के तंत्र शास्त्र अनुसार देवी के दो रूप बताये गए है करुणा रुपी माँ के रूप मैं पार्वती ,उमा ,गौरी , तथा प्रचंड रूप मैं दुर्गा ,चामुंडा , महिषासुर मर्दिनी की पूजा होती थी

भारत में देवी पूजा का सम्बन्ध शाक्त परम्परा से है

शाकत सम्प्रदाय

भारत मैं 5 तरह के संप्रदायों माने जा सकते हैं~ वैष्णव, शैव,शाक्त,स्मार्त और वैदिक संप्रदाय। परन्तु वैष्णव ,शैव ,शाकत सम्प्रदाय सर्वमान्य रहे है वैष्णव विष्णु की पूजा करते है , शैव शिव की , शाक्त जो देवी को ही परमशक्ति मानते हैं शैव समुदाय मैं शक्ति को शिव की पत्नी माना जाता है माता शक्ति के वर भगवान शिव के नटराज सवरूप को नृत्य का देवता माना जाता है

वाजस्नेयी सहिंता मैं दुर्गा ,अम्बा ,काली नाम का उल्लेख मिलता है छतीशगढ राजय मैं पाए गए शिलालेख मैं दुसरे श्लोक से छतीसवे श्लोक तक माता के विभिन्न रूपों , उसके वाहनों एवं पूजा के बारे विस्तृत जानकारी मिलती है पुराणों मैं देवी देवताओ की शक्तियों का वर्णन भी मिलता है मार्कण्डेय पुराण में शक्ति द्वारा महिसासुर , रक्तबीज , चण्ड मुंड राक्षसों के संहार का वर्णन एवं पार्वती के नौ रूपों (नवदुर्गा) पूजा का उल्लेख पाया जाता है उनकी आराधना आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से महानवमी तक की जाती है।

नृत्य को माना गया है साधना का एक मार्ग

प्राचीन समय ही से देवी देवताओ की पूजा मैं नृत्य अभिन्न किर्या माना जाता रहा है भारत के धार्मिक उत्सव लोक नृत्यों के बिना अधूरे है नवरात्रो मैं भी नृत्य का अभूतपूर्व महत्व है भारत के हर राज्य मैं नवरात्रो पर विशेष पूजा तथा नृत्यों का आयोजन किया जाता है।

हिमाचल के चामुंडा देवी के मंदिर में अष्टमी के दिन ,रात्रि बारह बजे के भोग से पहले शास्त्रीय संगीत की धुन बजायी जाती है फिर माँ को भोग लगाया जाता है जिसमे भोग के पदार्थो के संख्या तीन सौ पैसंठ तक भी हो सकती है।

दुर्गा सप्तशती ग्रन्थ के अंतर्गत महिषासुर मर्दिनी को समर्पित देवी कवच स्तोत्र आई गिरी नंदिनी कलाकारों में अत्यंत लोकप्रिय है जिसे एक बंगाली कवि तेनाली रमन (कवि रामकृष्ण की रचना माना जाता है लेकिन तमिल ब्राह्मणों द्वारा आदि शंकराचार्य को इसका रचना कार माना जाता है।

बंगाल के लोग धुनुची नाच से माँ को प्रसन्न करते है तो गुजरात मैं गरबा से ,बिहार मैं झिझिया नृत्य ड्ड छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदाय का जवारा नृत्य , बुंदेलखंड का नोरता तथा ढिमरयाई नृत्य , कर्नाटक तथा केरल का टाइगर नृत्य नेपाल का काठी नृत्य शक्ति को समर्पित नृत्य है जो नवरात्रो पर विशेष महत्व रखते है इनकी विस्तार से जानकारी आपको अगले भाग मैं दी जाये गी।

स्मृति शर्मा
पठानकोट, पंजाब ।
www.womenexpress.in

शक्ति, स्त्रीत्व और समृद्धि की प्रतीक माँ शारदा

नारी शक्ति के आदर और सम्मान का उत्सव है नवरात्रि। शारदीय नवरात्रों में चैत्र नवरात्रों की तरह एक बार फिर हम स्त्री शक्ति के नौ रूपों की पूजा करेंगे। देवी दुर्गा के रूप शक्ति, स्त्रीत्व और समृद्धि के प्रतीक है। इन स्वरूपों की पूजा करते हुए स्त्री रूपी इन देवियों के भव्य रूप हमारी चेतना में उपस्थित रहते हैं। इन्हें शक्ति रूप इसलिए कहा जाता है, क्योंकि जब सृष्टि के सृजन काल में देव पुरुष दानवों से पराजित हुए, तो उन्हें राक्षसों पर विजय के लिए दुर्गा से अनुनय करना पड़ा। एक अकेली दुर्गा ने विभिन्न रूपों में अवतरित होकर अनेक रक्षसों का नाश कर सृष्टि के सृजन को व्यवस्थित रूप देकर गति प्रदान की।

नवरात्रि मातृशक्ति की आराधना का महापर्व है। यह नारी शक्ति के आदर और सम्मान का उत्सव है। यह उत्सव नारी को अपने स्वाभिमान व अपनी शक्ति का स्मरण दिलाता है, साथ ही समाज के अन्य पुरोधाओं को भी नारी शक्ति का सम्मान करने के लिए प्रेरित करता है। जिस तरह हम नवरात्रि में मातृशक्ति के नौ रूपों का पूजन करते हैं, उनका स्मरण करते हैं, उसी प्रकार नारी के गुणों का हम सम्मान करें। हमारे घर में रहने वाली माता, पत्नी, बेटी, बहन इन सब में हम गुण ढूंढें।

नवरात्र सिर्फ पूजा और अनुष्ठान का पर्व ही नहीं है, बल्कि नारी सशक्तीकरण को सेलिब्रेट करने का अवसर भी है। मां दुर्गा और उनके नौ रूपों की अपार शक्ति नारी सशक्तीकरण का प्रतीक है। आज की नारी में जहां मां दुर्गा का ममतामयी रूप सजा है वहीं कुछ कर गुजरने का जोश भी निहित है। सृजन और संहार के दोनों रूपों को अपनाकर सशक्त हुई है आज की यह नारी।

आदिशक्ति हैं मां दुर्गा। इनके तीन गुण हैं सृजन, पालन और संहार। कभी वह सृजन करती हैं तो कभी मां के रूप में पालन करती हैं और कभी अपने भीतर की शक्ति को जागृत कर महिषासुर जैसे दानवों का संहार करती हैं। आज की नारी देवी दुर्गा के इन्हीं रूपों को साक्षात तौर पर निभा रही है। वह सृजन करती है, मां की हर जिम्मेदारी निभाती है और जब कुछ करने की ठान लेती है तो करके ही मानती है। आज की इस नारी की शक्ति असीम है और अपनी इस काबिलियत को इसने पहचान भी लिया है।

दुर्गा के इन स्त्री रूपों में नारी की इतनी महिमा होने के बावजूद हम हैं कि न केवल स्त्री के साथ दुराचार कर रहे हैं, बल्कि कोख में भी स्त्री भ्रूण की हत्या करने का महापाप कर रहे हैं। सही मायने में नवरात्रि व्रत उपवास का संदेश स्त्री के सरंक्षण से जुड़ा है। भ्रूण हत्या, दहेज़, हिंसा, बलात्कार से मुक्त समाज ही माँ दुर्गा की असली पूजा होगी एवं भयमुक्त नारी ही माँ दुर्गा की असल आराधक होगी। इस बदलते और स्त्रियों के लिए और घातक होते दौर में स्त्री को अपने शक्ति रूप का स्मरण करना होगा। आज स्त्री ने हर रूप में स्वयं को साबित किया है। जितना सम्मान, जितनी आस्था हम माता की मूर्तियों में रखते हैं। उतना ही सम्मान यदि नारी शक्ति को, नारी को, कन्याओं को दिया जाय तो वास्तव में शक्ति स्वरूपा माँ दुर्गा की आराधना होगी। आज नारियों को खुद भी अपने भीतर मौजूद स्त्री शक्ति के सांकेतिक रूप काली, पार्वती और दुर्गा को पहचानने की कोशिश करनी होगी।

गोपाल कृष्ण पटेल
जांजगीर, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

मेरी माँ की महक

अलमरी में सहेजी साड़ी
यूँ ही आज ओढ़ी
माँ, मुझसे फिर तुम्हारी महक आयी
चेहरे पर अपने जो हाथ फेरा
तो आँख नाक अपनी तुमसी ही पायी
माँ, तुम्हारी बहुत याद आयी

रोटी सेकते वक़्त, एक रोटी
ज़रा बिगड़ गयी,
सबने नकार दी, मेरे हिस्से में आयी,
तुम होतीं, तो झिडकती पहले
फिर बड़े चाव से खातीं
वो रोटी फिर मैंने खायी
उस उलाहने की याद आयी,
माँ आज मुझसे तुम्हारी महक आयी

माना वक़्त की कमी थी तुम्हारे पास
तुम थोड़ी बिज़ी थीं
पर जब भी पास थी
तुम पूरी मेरी अपनी थीं,
आज भी हो, हमेशा रहोगी
ये ज़मीन की दूरी हमें ना बाँट पाएगी
मुझमें से हमेशा तुम्हारी महक
ही आयेगी

मैं तुमसे लड़ती हूँ, खूब
झगड़ती हूँ
पर मानती हूँ, तुम्हारे बिना मेरा
गुज़ारा नहीं हैं
मुझे कभी दूर नहीं करना खुद से
कोई विकल्प तुम्हारा नहीं है
ख़ुशी अजीब सी मिलती है
जब तुम मुझे गुड़िया बुलाती हो
मेरे नाम के साथ, हर रोज़
तुम मेरा वजूद को भी महकाती हो

तीखी ज़ुबान मेरी झेलती हो
अब भी तुम, मुझे पता है
तुम में और पापा में मेरी जान
बसती है, ये तुम्हें पता है
ना जाने क्यूँ तुम मुझे यूँ इतना
चाहती हो
बुरा करती हूँ, फिर भी गले
लगाती हो
लोग मुझे जब चाहते हैं, वो
तुम्हारी जीत है
तुम्हारी डाँट में भी प्यार है,
माँ, तुम्हारी महक भी अजीब है

ऊँच नीच इतनी आसानी से
मुझे समझाती हो
और कभी कभी मेरी बात को
भी तवज्जो दे जाती हो
बहुत याद आती है तुम्हारी,
इतनी की आँख नम हो जाती है
मेरे रोम रोम से माँ, सिर्फ़
तुम्हारी महक आती है

मेघा सोमानी
राउरकेला, उड़ीसा ।
www.womenexpress.in

काली बन जाना चाहिए

खून अगर बाकी है तुम्हारे जिस्म में,
तो खून अब खौलना ही चाहिए!
ज़ुबां में ना हो चाहे बिजलीसी कड़क
फिर भी बेहिचक बोलना चाहिए!
पुराने कानून से अगर कुछ नहीं हो रहा,
तो अवश्य ही इसे बदलना चाहिए!
जब बात आये लाज के लुट जाने की,
ना कर कृष्ण का इंतजार
काली बन जाना चाहिए!
कर दो कलम सर, हाथ और
लिंग को इनके,
कि इस बार सिर्फ मोमबत्ती
नहीं जलना चाहिए!

सोनल ओमर
कानपुर, उत्तर प्रदेश ।

व्यथा: माँ की

एक माँ की व्यथा कोई न जाने,
जाने भी गर तो क्यों न माने,
माँ देती जन्म पुरुष और स्त्री को,
जिनका बाल रूप है
बालकबालिका,
गूँजती हैं घर में किलकारियाँ,
दोनों ही होते सन्तान हैं।
क्यूँ बालिका बनती भय की काया,
बालक बनता हवस का पुजारी,
क्यों माँ की ममता को शर्मिंदा करते,
क्यों करते हैं शर्मनाक हरक़तें,
माँ का हृदय छल्ली होता है तब,
जब अँगना में दरिंदें खुले घूमते।

बालिका बढ़ते ही जब स्त्री कहलाई,
ख़ुदको इस दुनिया में असुरक्षित पाई,
बालक बढ़कर जब मर्द कहलाया,
अपना सारा हक़ नारी पर जताया,
होकर विवश फ़िर ममता ने त्यागा,
कहकर सन्तान मेरा नहीं,
तू है अभागा।

गीतिका पटेल
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)।
www.womenexpress.in

जय जय जय मां अम्बे

जय जय जय मां अम्बे
कृपा करो सब पर जगदम्बे
सारे जग की पालनहार
बिगड़ो के बनाती काम

खुशियों का देती वरदान
तेरी महिमा अपरम्पार
दर पर तेरे जो भी आता
खाली हाथ ना वो जाता

सबकी झोली मां भर देती
जीवन में खुशियां भर देती
भक्तों की रक्षा मां करती
दुष्टों का संहार करती

दुःख और संताप मिटाती
जगत का कल्याण करती
सच्चे मन से जो भी मांगे
इच्छा उसकी पूरी करती

श्रद्धा भक्ति से जो ध्याये
उसका मां उद्धार करती
डूबती नैया भक्तों की
तू ही पार लगाती मैय्या

जीवन रूपी भंवरजाल से
तू ही बाहर निकाले मैय्या
जय जय जय मां अम्बे
कृपा करो सब पर जगदम्बे।।

प्रेमलता चौधरी
फालना, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

माँ मुक्ति दिलाओ

पवित्र, पावन नवरात्रों के दिन
आ गए ,,
हर दिल में खुशियों के फूल
खिल गए ,,
माता हम भक्त तुझसे
मनुहार लगाएं,,
पूजा भक्ति से स्वागत में
पलकें बिछाए,,
जगदंबा शेर पर सवार आओ
हमारे द्वारे ,,
भारत भूमि पर कष्टों में भक्त
तुझे पुकारे ,,
है महिषासुरमर्दिनि तूने दुष्टों से
मुक्ति दिलाई,,
तुमने रोते चेहरों पर मुस्कान है खिलाई
कुंकू, हल्दी, रोली, टीका और
फूलमाला तुझे चढ़ाए ,,
आ मां तुझे मीठेमीठे पकवानों
का भोग लगाएं ,,
शक्ति मां तेरे बच्चे भूखे प्यासे
रहकर तेरा व्रत करें ,,
हाथ जोड़ आराधना कर मन में
माता तुझे धरे ,,
है मां किसी रूप में 9 दिन धरा
पर उतर आओ ,,
नारी ही सर्वेश्वरी है यह संसार
को दिखला जाओ ,,
पवित्र,,पावन नवरात्रों के दिन
आ गए ,,
हर दिल में खुशियों के फूल
खिल गए..!!

अंजू जांगिड़, राधे
सोजत रोड़, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

मां दुर्गा की महिमा

मां दुर्गा की महिमा अपार,
गुण गाता है यह संसार,
सुख समृद्धि की दाता हो,
मां चरणों में बारंबार प्रणाम।
घरघर में घटस्थापना देख ,
माता हर्षित हो जाती है,
नौ दिन में नव रूप धरती,
मां की आराधना होती है ।
पूजा पंडाल मंदिर सज गए ,
हो रहा भजन कीर्तन वंदना,
श्रद्धा सुमन अर्पित चरणों में,
कर रहे मां की पूजाअर्चना ।
सच्ची श्रद्धा से जो भक्ति करते
मां प्रसन्न हो जाती है ,
धन धान्य से पूर्ण कर देती ,
भक्तों की झोली भर जाती है।
मां की आराधना करो,
बेटियों का मत अपमान करो ,
नारी भी मेरा स्वरूप है,
हरदम उनका सम्मान हो,
जिस घर में नारी का सम्मान होगा,
वह घर स्वर्ग बन जाएगा ,
किस्मत बदल जाएगी तुम्हारी ,
अपने अंदर के राक्षस का ,
स्वयं संहार करो ।

शोभा रानी तिवारी
इंदौर, मध्य प्रदेश ।
www.womenexpress.in

नवरात्र उपासना

शारदीय नवरात्र उपासना ।
शुद्ध सात्विक सतोगुण संग।
नित नौ दिवस पूजन अर्चन करूँ ।
प्रथम दिवस मां शैलपुत्री ।
आराधना करूं,अरू भोग ।
लगाऊँ गाय घी को ।
शक्ति पाऊँ सहन करने की ।
द्वितीय दिवस मां ब्रह्मचारिणी।
पूजन करूँ,अरू भोग ।
लगाऊँ मिश्री को ।
शक्ति पाऊँ संयम धारण की ।
तृतीय दिवस मां चंद्रघंटा ।
वंदना करूँ,अरूँ भोग ।
लगाऊँ दूध को ।
शक्ति पाऊँ अत्याचार, प्रतिकार की ।
चतुर्थ दिवस मां कुष्मांडा ।
उपासना करूँ,अरूँ भोग ।
लगाओ मालपुआ को ।
शक्ति पाऊँ निरोगी ।
काया रखने की ।
पंचम दिवस स्कंदमाता।
प्रणाम करूँ अरूँ भोग।
लगाऊँ केला को ।
शक्ति पाऊँ सकल ।
अभिलाषा पूर्ण करने की ।
षष्ठ दिवस मां कात्यायनी ।
आराधना करूँ,अरू भोग ।
लगाऊँ शहद को ।
शक्ति पाऊँ वाणी संयम ।
मधुर बोल की ।
सप्तम दिवस मां कालरात्रि ।
उपासना करूँ,अरूँ भोग ।
लगाऊँ गुड़ को ।
शक्ति पाऊँ विध्न ।
विनाश करने की ।
अष्टम दिवस मां महागौरी ।
पूजा करूँ,अरू भोग ।
लगाओ श्रीफल को ।
शक्ति पाऊँ पुण्य, कर्म करने की ।
नवम दिवस माँ सिद्धीदात्री ।
उपासना करूँ,अरु भोग ।
लगाऊँ तिल को ।
शक्ति पाऊँ सकल सिद्धियां ।
पाऊँ स्व जीवन सफल बनाऊँ ।

संगीता सूर्यप्रकाश
भोपाल, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

नवरात्रि (कुण्डलियाँ)

सजता सुंदर द्वार है , स्वागत
करते लोग।
माता रानी आत है , सभी
लगाते भोग।।
सभी लगाते भोग , भक्त जन
करते सेवा।
लेते आशीर्वाद, सभी पाते हैं मेवा।।
सभी जलाते दीप , द्वार सुंदर
है लगता ।
आती माता रोज , घरों में
दीपक सजता।।
आई सबके द्वार में, माता रानी आज।
शीश झुकाते लोग हैं , बनते
बिगड़े काज।।
बनते बिगड़े काज , कामना
पूरा करती।
खुश होते हैं लोग, खुशी
जीवन मेंभरती।।
दीप जलाते लोग , दिलों में
खुशियाँ छाई।
सभी भक्त के साथ , द्वार में
माता आई।।

प्रिया देवांगन, प्रियू
कबीरधाम, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

नवदुर्गा के नवम रुप सिद्धिदात्री

तेरी महिमा गाऊँ मैया,
तेरी कृपा मैं पाऊँ
तुझमें सृष्टि समाई है
तु जगदम्बा महामाई है।

तेरे रुप अनेक मैया,
युग युग में अवतार धरे।
जन जन के कष्ट मिटाने
पापियों का संहार करे।

हिमालयराज की पुत्री बनकर,
माँ शैलपुत्री कहलायी
माँ ब्रम्हचारिणी तप कर
शिव को प्रसन्न कर डाली।
चंद्रमा की तरह शीतल
क्रोध को शांत करने वाली चंद्रघंटा
ब्रम्हांड की निर्मात्री सूर्य सा तेज
यश आरोग्य दायिनी माँ कुष्मांडा।

माता कार्तिकेय की
स्कंदमाता है ममतामयी
कात्यायन ऋषि की पुत्री
माँ का रुप माँ कात्यायनी।

रक्तबीज का रक्त पान करने वाली
कालनाशनी माँ कालरात्रि
अमर सुहाग दायिनी माँ गौरी
वृषभ सवारी गौर वर्ण धात्री।

तेरे चरणों में शीश झुकायें मैया
जगराता गायें नवदिन नवरात्रि
रिद्धीसिद्धी माँगें मैया
नवदुर्गा के नवम रुप सिद्धिदात्री।

साक्षी साहू सुरभि
महासमुंद, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

तुझको लिखने लगा हूँ

तनहाइयों में मैं अब तड़पने लगा हूँ
हर पन्नों पर तुझको लिखने लगा हूँ
हर पल आस तेरे आने की रखने लगा हूँ
सच कहूं जिंदगी से अब थकने लगा हूँ
शिकवा शिकायत कर लूं मैं जितनी
खुद को ही खुद से छुपाने लगा हूँ
अकेले अंधेरे कोनों में मुस्कुराने लगा हूँ
हर रोज ख्वाबों में तुझको सजाने लगा हूँ
अब इनायत हो रही है हर पन्नों पर
गजल तेरे नाम की बस लिखने लगा हूँ
छोड़ दिया है जग सारा हमने बस तेरे लिए
चुपके से तेरे आने का इंतजार करने लगा हूँ

निक्की शर्मा
मुम्बई ।

महाकाली रूप धारो माँ

हे ! आदिशक्ति है नमन तुम्हें,
करें नव रूप में सृजन तुम्हें,
करो कल्याण तुम पधारो माँ,
दौऊ कर जोड़ है वंदन तुम्हें

चिंता हरो ओ चिंतपूर्णी,
कहलाती हो तुम जगत जननी,
तम पहर है छाया घना,
तुमको है सबकी लाज रखनी

अष्ट भुजाएँ तेरे पास हैं,
खप्पर भी तेरे हाथ है,
फिर काट मुंड लहुपान कर,
मुझे तुझसे ही बस आस है

व्याकुल मन पुकारे बस तुम्हें ,
शीष तेरे चरणों में हम धरें,
महाकाली रूप धारो माँ,
तेरा हृदय से स्वागत करें

भावना अरोड़ा, मिलन
अध्यापिका एवं शिक्षिका
कालकाजी, नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

मां मुस्काएं

मां हम तेरा वंदन करते
चरण पखारें चंदन से ,
तेरी शक्ति है अपरंपार,
कर दे सबका बेड़ा पार ।

धरती तेरे बिन नीरस है
जैसे बदली बिन पानी के ,
तेरे आने की आहट से,
हर रुत सावन हो जाती है ।
मां हम तेरा वंदन करते ...
अब के बरस तू हर घर आना,
मन बेकल है ना तरसाना ,
राह तेरी हम फूल बिछाएं,
मनभर कपूर बाती महकाएं ।

भाग हमारे सबके जागें
नित तेरे हम दर्शन पावें ,
जागे की तो बातें छोड़ो
सपनों में भी तुमको ध्यावें ।
मां हम तेरा वंदन करते...

कार्तिकेय त्रिपाठी
इन्दौर (मध्य प्रदेश) ।
www.womenexpress.in

किसान

सोचो अगर किसान ना होता तो
फिर इस दुनिया का क्या होता ?
आप कभी कुछ खा पाते क्या ?
खुशियों के गीत गा पाते क्या ?
इन्सानियत ये टिक पाती क्या ?
ये ज़िन्दगी फिर ज़िन्दगी
कहलाती क्या ?
फिर ना कोई भगवान होता ?
शायद ना ये जहान ना होता
शुक्र है किसान है ,
सब की जान में जान है
लहराते खलिहान है ,
हर दिल में भगवान है
शत शत नमन किसान को
धरती मां के प्राण को

कैलाश सिंह राठौड़
(बीकानेर) राजस्थान ।
www.womenexpress.in

नवदुर्गा माँ त्राहिमाम...!

पावन पर्व नवरात्रि माँ की,
नाम दुर्गा नवरूप पड़ी।
शैलपुत्री ब्रम्हचारणी,
शक्तिवाहिनी स्वरूप खड़ी।
चंद्रघंटा कूष्मांडा जिसकी,
कमलपुष्प सुशोभित करे।
कालरात्रि महागौरी,
रौद्र रूप देख निशाचर डरे।
स्कंदमाता कात्यायनी,
भक्तों पर माँ कृपा करें।
बरसे कृपा माँ दुर्गा की,
दुःख सन्तापनाश हरे।
सजी आरती फुल थाल में,
बजे मांदर मृदंग ढोल।
गूँज उठे गगन सदिशा,
भक्ति शक्ति की नही है मोल।
नवदिन नवरात्रि सब मिल,
भक्ति गंगा डुबकी में सागर।
हृदय आनंद समाहित,
आत्मज्ञान की महिमा गागर।
आज भी भक्ति माँ की बरसे,
विश्वास पर टिकता जाय।
जो न समझे माँ की महिमा,
माँ की ममता बरस नही पाय।
अंधेरा बहुत है माँ,
रोशनी दिखा दीजिये।
हे दुर्गा माँ अब आशा है,
शरणों में पनाह दीजिये।
दर पर तेरे आये है माँ,
भटकते तेरे संतान यहाँ।
तेरे नाम की डंका पिटे,
भक्तगण की भक्ति वहाँ।
एक बार अपनी फिर धरा पर,
माँ काली की रूप में आओ।
भ्रमण निशाचर करते जग में,
सँहार उनका करते जाओ।
धरती आज हो गयी लाली,
खूनी हिंसा अत्याचार से।
माँ की ममता रो रही है,
दुष्टों की व्यभिचार से।
त्राहिमाम त्राहिमाम,
नवदुर्गा माँ त्राहिमाम।

दिब्यानन्द पटेल
वद्युत नगर दर्री
कोरबा, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

शक्तिप्रवृति

अर्जन सर्जन भाव से, मेघ करें उद्घोष।
जगजननी भयहारिणी, शुभ मंगल जयघोष ।

आदिशक्ति वरदायिनी, महिमा अपरम्पार ।
भक्ति भाव अर्पण करें, नमन करो स्वीकार।

आदि शक्ति जगवंदिता, प्रथम आविभूर्त ।
शैलपुत्री आराधिता, नवोन्मेष नवरूप।

ब्रह्मचारिणी उद्धवा,हरती जग के क्लेश ।
आदिशक्ति वरदायिनी , नाशे विघ्न विशेष।।

महिसासुर संहारणी ,विध्वंसक श्रृंगार।
चंद्रघंट वरदा शुभा, दिवस तीन अवतार ।।
शशिघंटा भयहारिणी, सिंहवाहिनी रूप।
वरद हस्त रखना सदा, हर्षित हिय अनुरूप।।

आदिशक्ति यशदायिनी, रवि मुख सम अलोक।
देवी कुष्मांडा प्रिया,चतुर्दिवस संयोग।।

कमल हस्त सिंहासना, त्रिपुर सुंदरी गात।
स्कंदमाता सर्वप्रिया, पंचम पुण्य प्रभात।।

ताम्रम्भोज निवासिनी, आरूढा शार्दुल।
देवी कात्यायनी नमन ,कर शोभित त्रिशूल।।

सारिका, जागृति
सर्वाधिकार सुरक्षित
ग्वालियर (मध्य प्रदेश) ।
www.womenexpress.in

सोच का प्रभाव

अपनी सोच सकारात्मक, सृजनात्मक
रखना तो हर कोई चाहता है!
पर,क्या रख पाता है?
परिस्थितियां जब झकझोरती है अंतर्मन को,
साया जब संकटो का घेर लेती है जीवन को,
तब होती है,आत्म विश्वास की परीक्षा,
उम्मीदों की बूंदों से सींचना है उसे निरंतर,
पहल करनी है किरणों की,
तभी तो,जीवंत रह पायेगी वह,
और रह पाएंगे हम,
सकारात्मक,सृजनात्मक!

डॉ. मुक्ता कान्हा कौशिक,
(सहायक प्राध्यापक)
रायपुर (छत्तीसगढ़) ।

मोहब्बत का इज़हार

कांटों संग रहकर भी खुशबू देते,
हजार गमों से गिरकर भी बहार देते।

रोते चेहरे पर मुस्कान न ई
बिखेर देते,
हंसते मुस्कुराते हर पल को
खुशनुमा कर देते।

ज़ख्म गहरा खाकर प्रीत यह
निभा जाते,
फूल अपनी खुशबु बिखेर कर
फ़ना हो जाते।

दामन में समेटे हजारों दर्द,
बेपनाह प्यार लुटाते,
अपना वजूद मिटा कर ,गैरों पर
ढेरों स्नेह बांटते।

करके खुद का जीवन समर्पित,
सीख ये दे जाते।
देकर समर्पण भाव और कुछ
नहीं बदले मेंचाहते।
मोहब्बत का इज़हार कुसुम
करते साकार,
पाकर हर कोई इसको , प्यार में
हो जाता सरोबार।

दुःख पीड़ा और गमों को छू
मंतर कर देते
फूल होते नाजुक पर हर मर्ज
को आसान कर देते।

चढ़ते ईश्वर के चरणों में जब,
और पाक हो जाते,
शरीर जब रूखसत होता, फूल
जन्नत नसीब करवाते।

प्रियतम की बाहों का कभी हार
बन जाते,
तोड़कर दिल, फूल कभी बेदर्दी
का सबक दे जाते।

टूटकर बिखरना और बिखरकर
फिर खिलना,
फूलों की फितरत है नवसृजन करना।

रेखा पारंगी
बिसलपुर, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

नवदुर्गा...

माँ जगदम्बा दुर्गा के नौ रूप मनुष्य को शांति, सुख, वैभव, निरोगी काया एवं भौतिक आर्थिक इच्छाओं को पूर्ण करने वाले हैं। माँ अपने बच्चों को हर प्रकार का सुख प्रदान कर अपने आशीष की छाया में बैठाती है।नव दिनों में मां के नव स्वरुप की पूजा होती है

प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयं
ब्रह्माचारिणी ।
तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डेति
चतुर्थकम्।।
पंचमं स्कन्दमातेति षष्ठं
कात्यायनीति च।
सप्तमं कालरात्रीति महागौरीति
चाष्टमम्।।
नवमं सिद्धिदात्री च नवदुर्गा
प्रकीर्तिता।

नवरात्र का शुभारंभ मां शैलपुत्री की उपासना व ध्यान से किया जाता है। मां के प्रथम स्वरूप का ध्यान हमें दिव्यचेतना का बोध कराता है। उनका श्वेत स्वरूप हमें पतित कलुषित जीवन से मुक्ति प्रदान करते हुए पवित्र जीवन जीने की कला सिखाता है।

मां का दैदीप्यमान मुखमंडल हमें सृजनात्मक कार्यों में प्रवृत्त कर शारीरिक, मानसिक तथा आत्मिक आलोक की ओर अग्रसर करता है। मां के दाहिने हाथ में त्रिशूल हमारे त्रितापों [दैहिक, दैविक व भौतिक ताप] का नाश करके कठिन संघर्षो में भी आशा व विश्वास बनाए रखने की प्रेरणा प्रदान करता है। बाएं हाथ में कमल का पुष्प हमें काम, क्रोध, मद, लोभ जैसे पंक रूपी दुर्गुणों से उबारकर उत्कृष्टतम जीवनशैली अपनाने का संदेश प्रदान करता है। मां वृषभ पर आरूढ़ हैं। वृषभ अर्थात धर्म। कर्तव्यों को पूरा करना ही हमारा धर्म है, मां हमें यह बोध कराती हैं।

मधुलिका राय
गाजीपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

पंजाब की आखिरी गेंद पर छक्के से बेंगलुरु पर रोमांचक जीत

(विशेष संवाददाता)

शारजाह, 16 अक्टूबर । कप्तान लोकेश राहुल (नाबाद 61) और यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल रॉयल (53) के शानदार अर्धशतकों से आसान जीत की तरफ बढ़ रही किंग्स इलेवन पंजाब ने अंतिम ओवरों में लड़खड़ाहट दिखाई लेकिन आखिरी गेंद पर निकोलस पूरन के छक्के से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आठ विकेट से हराकर आईपीएल13 में गुरूवार को दूसरी जीत हासिल कर अपनी उम्मीदों को कायम रखा।

पंजाब का सात मैचों के बाद गेल को शारजाह के छोटे मैदान में उतारने का फैसला काम कर गया जबकि विराट अपने धाकड़ बल्लेबाज एबी डिविलियर्स को देर से उतारना भारी पड़ गया। मैच में यही सबसे बड़ा अंतर रहा। बेंगलुरु ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 171 रन बनाये। पंजाब ने राहुल और गेल के अर्धशतकों से 20ओवर में दो विकेट पर 177 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। पंजाब की आठ मैचों में यह दूसरी जीत है और उसके चार अंक हो गए हैं। बेंगलुरु को आठ मैचों में तीसरी हार का सामना करना पड़ा है

लेकिन उसके खाते में 10 अंक हैं।

गेल इस आईपीएल में पहली बार खेलने उतरे और उन्होंने अपने पहले ही मैच में आतिशी अर्धशतक जड़ डाला। गेल ने 45 गेंदों पर 53 रन में एक चैका और पांच छक्के लगाए। कप्तान राहुल ने कप्तानी की पूरी जिम्मेदारी के साथ खेलते हुए 49 गेंदों पर नाबाद 61 रन में एक चैका और पांच छक्के लगाए। ओपनर मयंक अग्रवाल 25 गेंदों पर 45 रन में चार चैके और तीन छक्के लगाए।

राहुल और मयंक ने पहले विकेट के लिए आठ ओवर में 78 रन जोड़कर टीम को ठोस शुरुआत दी जबकि राहुल ने गेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। पंजाब 17 ओवर की समाप्ति तक आसान जीत की दहलीज पर पहुंच गया था। गेल ने 17वें ओवर में वाशिंगटन सुंदर पर दो छक्के मारे। इस ओवर की समाप्ति पर पंजाब का स्कोर 161 रन पहुंच चुका था और उसे 18 गेंदों पर जीत के लिए मात्र 11 रन की जरूरत थी लेकिन दोनों बल्लेबाजों ने आश्चर्यजनक रूप से अगले तीन ओवरों में कोई बड़ा शॉट नहीं खेला।

क्रिस मौरिस के पारी के 18 वें ओवर में चार रन गए जबकि इसुरु उदाना के पारी के 19 वें ओवर में पांच रन गए। पंजाब को आखिरी ओवर में जीत के लिए मात्र दो रन चाहिए थे लेकिन राहुल और गेल ने मैच को आखिरी गेंद तक फंसा दिया। युजवेंद्र चहल की पहली दो गेंदों पर कोई रन नहीं गया जबकि गेल ने तीसरी गेंद पर सिंगल लेकर स्कोर बराबर कर दिया। चैथी गेंद पर राहुल कोई रन नहीं ले पाए जबकि पांचवीं गेंद पर गेल रन आउट हो गए।

मैच अब पंजाब के लिए फंस चुका था लेकिन पूरन ने चहल की आखिरी फुलटॉस गेंद को छक्के के लिए उठाकर पंजाब को राहत और जीत दिलाई।

केजीएफ चैप्टर 2 के लिए संजय दत्त ने कसी कमर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 16 अक्टूबर । बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त के फैंस के लिए राहत भरी खबर है। कैंसर का इलाज कराने के बाद अभिनेता जल्द ही काम पर लौटने वाले हैं। अभिनेता संजय दत्त ने स्वास्थ्य कारणों से काम से ब्रेक लेने के लगभग दो महीने बाद शुक्रवार को कहा कि वह काम पर लौटने के लिए तैयार हैं।

संजय दत्त जल्द ही 'केजीएफ चैप्टर 2' की शूटिंग शुरू करेंगे। संजय दत्त ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की है। 61 वर्षीय अभिनेता संजय दत्त ने ट्विटर पर तस्वीरें शेयर कर लिखा 'अधीरा के लिए कमर कस ली, केजीएफ चैप्टर 2।' तस्वीर में संजय दत्त काले रंग की टीशर्ट और कार्गो पैंट पहने नजर आ रहे हैं। हाल ही में संजय अपनी पत्नी मान्यता दत्त के साथ अपने बच्चों से मिलने के लिए दुबई गए थे। संजू ने पिछले दिनों मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अपना प्रारंभिक

इलाज कराया है। एक्शन ड्रामा फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' में संजय दत्त अधीरा की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में संजय दत्त के अलरावा यश, संजय दत्त, श्रीनिधी शेट्टी और रवीना टंडन मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 'केजीएफः चैप्टर 2' को प्रशांत नील निर्देशित कर रहे हैं और इस फिल्म के निर्माता विजय किलागंदुर हैं। संजय का किरदार 'एवेंजर्सः एंडगेम' के सुपर विलेन थैनोस की तर्ज पर होगा। इस फिल्म को इस साल कई भाषाओं में भी एक साथ रिलीज किया जाएगा। अभिनेता संजय दत्त को सांस लेने में दिक्कत की शिकायत के बाद 8 अगस्त को मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। दो दिन के बाद संजय दत्त डिस्चार्ज होकर अपने घर लौटे थे।

उन्होंने 11 अगस्त को सोशल मीडिया पर लिखा था'हाय दोस्तों कुछ मेडिकल कारणों से मैं काम से एक छोटा सा ब्रेक ले रहा हूं। मेरा परिवार और दोस्त मेरे साथ हैं और आपसे अनुरोध करता हूं कि मेरी सेहत को लेकर आप सभी शुभचिंतक मेरी चिंता ना करें।

आपके प्यार और प्रार्थना से मैं बहुत जल्द वापस लौट आऊंगा।' वर्कफ्रंट की बात करें तो संजय दत्त की फिल्म 'सड़क 2' डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर इसी साल 28 अगस्त को रिलीज हुई थी। संजय दत्त की आगामी फिल्मों में 'शमशेरा', 'तोरबाज', 'भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया' और 'पृथ्वीराज' हैं।

ऑनलाइन कोचिंग कोर्स चलाएगा हॉकी इंडिया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नयी दिल्ली, 16 अक्टूबर । हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह देश भर के प्रशिक्षकों के लिये ऑनलाइन बेसिक कोचिंग कोर्स संचालित करेगा।

यह पहला अवसर है जबकि हॉकी इंडिया ने इच्छुक प्रशिक्षकों को खुले मंच के जरिये आवेदन करने के लिये कहा है। इस ऑनलाइन कोर्स के लिये 60 स्थान ही उपलब्ध हैं।

हॉकी की विज्ञप्ति के अनुसार, ''उम्मीद्वारों का चयन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। इच्छुक उम्मीद्वारों के लिये न्यूनतम योग्यता उनका जिला, स्कूल या विश्वविद्यालय स्तर की हॉकी टीम के साथ कोचिंग का कम से कम तीन साल का अनुभव या फिर राष्ट्रीय या अखिल भारतीय विश्वविद्यालय स्तर पर खेलने का कम से कम तीन साल का अनुभव है।''

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस बेसिक कोचिंग कोर्स में उत्तीर्ण होने वाले उम्मीद्वार भविष्य में हॉकी इंडिया के लेवल एक कोचिंग कोर्स में हिस्सा लेने की अर्हता हासिल कर लेंगे। इस कोर्स का कोई शुल्क नहीं होगा लेकिन हॉकी इंडिया लेवल एक कोचिंग कोर्स करने वाले उम्मीद्वारों को ही आवश्यक प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

दिल बेकरार देखिये

झुकी नज़र उठा के एक
बार देखिये।
हम से नज़र मिला के
सरकार देखिये।
आँखों में सजा के कल
की जवानियाँ,
रंगीन मस्त फिजाओं की
बहार देखिये।
तेरी आँखों में बसी है
यह जन्नत मेरी,
उठा के नज़र मेरा यह
संसार देखिये।
नज़रों के दर पे खड़ा
हूँ आस में लिए,
करने को हूँ बेताब तेरा
दीदार देखिये।
तन्हा भरी रात हम तो मर
मर के जीये,
करते जो रहे सहर का
इंतजार देखिये।
यकीन नहीं तो चाँद, सितारों
से पूछिये,
मिलने को है यह दिल
बेकरार देखिये।
बैठे है तेरे कूचे में शिव
पहरा दिये हुए,
दीवानगी मेरी है, या मेरा
प्यार देखिये।

शिव सन्याल
ज्वाली कांगड़ा, हि.प्र ।
www.womenexpress.in

देश का भविष्य

ध्यान से देखो देश के भविष्य
के ऊपर इतना वज़न
यह भी ध्यान रखना विश्व गुरु
का दर्जा प्राप्त है वतन
धर्मों की लड़ाई तो सभी को
चाहिए पर रोजगार नहीं

आजादी के बाद जैसा भारत
चाहिए था वैसा नहीं
कड़वी बात है पर मुझे भी
बात लिखने का हक है
खा गए लूटकर देश अब
उनकी महानता पर शक है

नहीं करती अब सोने की
चिड़िया डाल डाल बसेरा
धुंधला नजर आता है देश
का भविष्य का सवेरा
शर्म करो कुछ तो इन
गरीबों लिए भी करो
कहीं सफेद कपड़े वाले
भ्रष्टाचारी ना हो मुझे शक है
कड़वी बात है पर मुझे
बात लिखने का हक है
खा गए लूट कर अब
उनकी महानता पर शक है

महेश राठौर सोनू
मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

किसी भी हाल में

राह अपनी खुद ही बनाना है
किसी भी हाल में
मंजिल से आंख मिलाना है
किसी भी हाल में

ख्वाब देखे थे जो कभी इस
मन की आंखों से
उन्हें हकीकत में भी लाना है
किसी भी हाल में

ऐ ग़म के थपेडों मार लो चाहे
जितना तुम आज
कल तुमको भी शर्माना है
किसी भी हाल में
जब बैठ खुशी के डाली पर
इठलाऊंगी एक दिन
सबको शुर में शुर मिलाना है
किसी भी हाल में

माना कि आज हैं रुठे कुछ
अपने भी मेरे हार में
ज़श्न जीत के मेरे कल गीत
उन्हें भी गाना है किसी भी हाल में

गिर गये आज तो क्या हुआ
ज़ख्मी भी हैं तो क्या
उम्मीद के मरहम से इन ज़ख्मों
पर फूल खिलाना किसी भी हाल में

इन सांसों का शुक्रिया जो पल
पल हैं साथ मेरे
इन्हें सुकून से महकाना है
किसी भी हाल में

झाड़ लिया है धूल सारा अपने
दामन से हमने
अब जीवन को चमकाना है
किसी भी हाल में

बीना राय
गाजीपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

आंगन...

बड़ा प्यारा है यह आंगन खेले
इसमें सपनों के राज
कुछ यादें जो धूमिल हो गई।
कुछ बातें जो बनती थी आंगन
रूपी घर में वह घुटनों के निशान
शायद बाकी है।
अनवरत चलती है यह प्रक्रिया
बस देह बदल जाती है।
आंगन द्वार चौबारे परिपूर्ण है
यादों की तरंग से,
निज जनों और वृद्धों के
आशीर्वाद की छाया झलकती है।
कैसी हो गई है चिंताओं से
युक्त यह जिंदगी,
आज भी बचपन के उस
आंगन में जाने के लिए तरसती है।
आंगन के सुनहरे पल महलों
की मस्ती पर भारी है।
वह आंगन का प्यार बड़ा निराला था
अब भौतिकता की बीमारी है।
मां की लकुटी के भय से
अविलंब दौड़ते वह आंगन के पल।
रूह को अब भी जलाते हैं।
वह आंगन के चूल्हे की पवित्र राख,
बीमारी की दवा बन जाती थी।
ईर्ष्या द्वेष छल कपट की
भावना से परे,
अंतर्मन में एक प्यार की छवि बन जाती थी।
आंगन में अपनों के प्यार की
बड़ी याद आती है।
यह जिंदगी है साहब लौट के
वापस कहां आती है।

संजय सिंह मीणा फकीरपुरा
करौली, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

प्रिय मानव

चेहरे के आईने में अपने चेहरे
को देखते हुए
हंसता हुआ आदमी .....
आप अपने पैसे पर कब हंसते हैं?
आपके मन में कब हंसी आती है
क्या आप हंसने वाले हैं?
वहां हंसी की आवाज के लिए
आप खुद जान जाएंगे
जब आप जानते हैं कि केवल
आपको अपने मन की भूमिका
का पता चल जाएगा
यदि आप अपने मन की
भूमिका को जानते हैं तो ही
पैसे के लिए जीना ...?
इंसान के रूप में रहने वाला
कोई आदमी नहीं ...
क्या वह पैसे के लिए है यदि
आप स्वार्थी
बन जाते हैं तो आदमी ..
श्रेष्ठ बन जाता है
आपका मन आपकी बात
सुनने के लिए
यह ... के लिए जगह बनाता है
तुम्हारा जीवन भय से भर गया है
गहराई से समझें और श्रेष्ठ बनें

ओट्टीरी सेल्वाकुमार

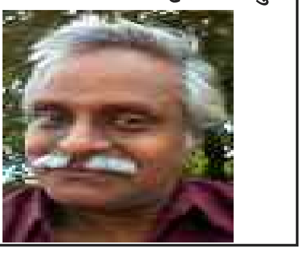

यही विनती करूँ दुर्गे, सदा सुख-छाँव में रखना

यही विनती करूँ दुर्गे, सदा
सुखछाँव में रखना
न हो कोई भी ग़मपीड़ा,मुझे
उस गाँव में रहना
न मुश्किलदर्दकठिनाई कोई इस
भक्त पर आए
यही है बंदगी अम्बे,दया कर
ठाँव में रखना।
हर इक नारी है माता रूप,पर
दुष्कर्म क्यों होता
यहां सज्जनदयालुसत्यवादी
नित्य क्यों रोता
सुनो दुर्गाभवानीकालमाता,तान
दो भृकुटि,
बताओ आज क्यों
कामी,नराधम चैन से सोता ।
बहा दो प्यार की गंगा,मेरा मन
नित्य हो चंगा
कोई इंसान धरती पर,करे ना
कोई भी दंगा
सभी का आचरण इंसानसा
हो,हों नहीं दानव,
रहें सब सभ्यतापूरित,कोई भी
हो नहीं नंगा।
करोना हँस रहा,इंसान रोता,
काल कैसा यह
फँसा इंसान पापों में,हटाओ
जाल कैसा यह
नारियाँ बन गईं काया,प्रदर्शन
बिक रहा है नित,
मॉडलिंगफिल्मटीवी में,नार का
हाल कैसा यह ।

प्रो शरद नारायण खरे
मंडला, मप्र ।
www.womenexpress.in

मैं सोच रही हूँ

मैं बैठी हूं घर की चौखट पर
बैठी ये सब सोच रही हूं
मुझे कुछ तो करना है बस
उसी के लिए मन में लोच रही हूं।

हमने जन्म लिया पृथ्वी पर
कुछ तो करना चाहिए काम
कुछ तो अच्छे काम करके
जग में होना चाहिए नाम।

बस ऐसा कुछ नहीं हो मुझसे
जो कभी मेरे खिलाफ जाए
बस दया करना मालिक कि
किसी भी काम से नाम मेरे
माँबाबू का ना खराब हो जाए।

बच्चे पालना ,घर सम्भालना
सब मेरी जिम्मेदारी है
सब कुछ करते करते भी पति
के काम में मेरी हिस्सेदारी है।

मेरा भी दिल है, मेरे भी जज्बात हैं
ये कोई समझे ना समझे कोई
फर्क नहीं
पर ऐसी बातें सोचकर मुझे ये
जिंदगी अपनी करनी नरक नहीं

बस आखिर में (कम्मो) आपसे
दोस्तो एक वादा चाहती हूँ कि
हर औरत की मेरी जैसी ही कहानी
होती है बस उसकी कदर करो क्योंकि
हर औरत अपने घर की रानी होती है।

करमजीत कौर
श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब ।
www.womenexpress.in

तुझसे मुलाकात के मुन्तज़िर हम नही

तुझसे मुलाकात के मुन्तज़िर
हम नही,
तेरे दीदार को बेकरार हम नहीं

मुहब्बत इतनी गहरी है कि,
तुझे पाने के तलबगार हम नहीं।

इत्तेफाकन तू मुकाबिल
आ भी जाए,
तो तेरी फुरकत से रखेंगे
सरोकार नहीं।

दिल के आईने में बसी तेरी
तस्वीर ही काफ़ी है,
ताउम्र कुछ और पाने के
तलबगार हम नहीं।

दिल तो तेरी यादों के खंडहर
से ही गुलज़ार है,
नए शीश महल बनाने को
बेगार हम नहीं।

तेरे ख्वाबों के मेले ही काफ़ी हैं
सुकून ए रूह को,
तेरी सोहबत के साए के बेजार
हम नहीं।

अनिता जैन वीकेंड शायर
जोधपुर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

ऐसे गुरु जी को प्रणाम

कुछ नही थे, अनभिज्ञ थे
अपनी शरण में लिए
ऐसे गुरु जी को प्रणाम।।
अंधकार को दूर भगाते
आनंदरोशनी वो भर देते
ऐसे गुरु जी को प्रणाम।।
कुसंगत से बाहर निकल
सच्चाई का मार्ग दिखाते
ऐसे गुरु जी को प्रणाम।।
हर गलती को माफ करते
हृदय में दया, करुणा का भाव रखते
ऐसे गुरु जी को प्रणाम।।
असत्य की राह से निकाल
सत्यपथ का मार्ग दिखाते
ऐसे गुरु जी को प्रणाम।।
गुणों की खान होते गुरु
तनिक न होता उन्हें ग़ुरूर
ऐसे गुरु जी को प्रणाम।।
अच्छे बुरे में जरा भी भेद न करते
सबको समान दृष्टि से देखते
ऐसे गुरुजी को प्रणाम।।
मन से वो सबके अपनाते
अनमोल समय अपने जीवन का देते
ऐसे गुरुजी को प्रणाम।।
माटी को गढ़ नया रूप वो देते
पारस सदृश वो बना देते सखि
ऐसे गुरु जी को प्रणाम।।

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।
www.womenexpress.in

तेरे नयन

नैनों से नयन लडा कर समझा गई ।
नाजुक से दिल को मेरे धड़का गई।
नयन थे उसके चंचल चितवन।
जैसे कोई कस्तुरी मृगवन।
नैनो की खुशबू दिल मेरे समा गई।।

नैनों से नयन लडा कर समझा गई।
नाजुक से दिल को मेरे धड़का गई।

उसके नयन थे, बड़े नशीले।
भरे हो जैसे मद के प्याले।
उन प्यालो में , हमको डुबो गई।।
नैनो से नयन लड़ा कर समझा गई।
नाजुक से दिल को मेरे धड़का गई।
नैनों में उसके बड़ी कशिश थी।
झील सी गहरी बात छुपी थी।
उन गहरी बातों में, हमें उलझा गई।।

नैनो से नयन लड़ा कर समझा गई।
नाजुक से दिल को मेरे धड़का गई।
कटारी जैसे नैन कटीले।
बार करने को निकले अंधेरे।
घायल करके दिल को मेरे तड़पा गई।।

नैनो से नयन लड़ा कर समझा गई।
नाजुक से दिल को मेरे धड़का गई।

रेखा वर्मा
जयपुर, राजस्थान।
www.womenexpress.in

क्या यही शांति प्रिय, धर्म प्रिय भारत है...

कभी साधुओं को पीट कर मार देते हैं।
कभी पुजारी को ज़िंदा जला देते हैं।
कभी लड़कियों का रेप करके मार देते हैं ।
कभी बलात्कार करके जिंदा जला देते हैं।।
क्या यही शांति प्रिय, धर्म प्रिय भारत है...

वोट बैंक के लिए एक को ही मोहरा बनाना।
शेष सैंकड़ों पीड़ितों की अनदेखी करना।
जाति धर्म देखकर राजनीति मुद्दा बनाना।
लाशों पर गंदी राजनीति का खेल खेलना।।
क्या यही शांति प्रिय , धर्म प्रिय भारत है...

सरकार देखकर न्याय की मांग करना।
अपने दल सरकार पर मुँह न खोलना।
कैमरे के सामने बड़ी बड़ी बातें करना।
पीट पीछे अपराधियों को सरक्षंण देना।।
क्या यही शांति प्रिय ,धर्म प्रिय भारत है...

बात राम राज्य, रावण राज्य बन रहा है।
गली गली में कंस, रावण घुम रहा है।
दिन दहाड़े बीच चौराहे कत्ल कर रहा है।
निर्लज्ज मिनख विडियो बना रहा है।।
क्या यही शांति प्रिय ,धर्म प्रिय भारत है...

सुखदेव लिखकर दर्द बयां करता है।
अमानवता देख मन में रोया करता है।
समय पर सम्भल जाओ देश प्रेमियों
हमारा मौन ही देश को खाया करता है।।

सुखदेव टैलर, निम्बी जोधाँ
नागौर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

बचपन का जमाना मिलने वाला कहां

बचपन का जमाना मिलने वाला कहां,
कतरन का खिलौना सिलने वाला कहां।
बारिश में दौड़ दौड़ कर नहाना कहां,
स्कूल से घर भागने का बहाना कहां।
कागज की नाव का नाविक चींटा कहां,
मेरे चोटियों का सफेद वाला फिता कहां।
लुकाछिपी वाला पुराना खंडहर कहां ,
खेलने वाला कंचा, कंकड़पत्थर कहां।
किताबों से ज्यादा खिलौने वाला बस्ता कहां,
पगडंडी, बाग, खेतखलिहान वाला रस्ता कहां।
नानी, दादी के राजारानी वाले किस्से कहां,
पड़ोसी के शादी के मिठाई वाले हिस्से कहां।
मिट्टी का घर, खिलौने, गुड्डेगुड़िया कहां,
पांच, दस, पैसे की चुरन की पुड़िया कहां।
दौड़ती भागती जिंदगी अब बचपन कहां,
हर तरफ गर्दगुबार शांत वाला उपवन कहां।

नूरफातिमा खातून नूरी
कुशीनगर, उत्तर प्रदेश ।

भ्रष्टाचारी युग में जीना हुआ है मुश्किल

भ्रष्टाचारी युग में जीना हुआ है मुश्किल
सत्ताधारी रोज गिरगिट की तरह
रंग बदलते हैं ,
लूट कसोट बुरे कर्मों के नक़्शे
क़दमों पर चलते हैं

दो टूक बात कह दो तो ,गीदड़
भभकी देते है ,
मेहनत से जो लोग खून पसीना
एक करते,
ये भ्रष्टाचारी उनको लूटने से भी
नहीं डरते हैं

जब देखो इनको निन्यानवे के
फेर में रहते हैं ,
मज़बूरी में हम खून का घूट पी
कर सब सहते हैं ,
समाज की बड़ी बुराई बचके
रहना हम कहते हैं
दुनिया के सामने करते बहुत
करते दिखावा हैं
इनको देखो रिश्वत लेने से
तनिक भी नहीं घबराते हैं ,
अपना व्यापार बढ़ाने की खातिर
अक्ल के घोड़े लगाते हैं

जिस थाली में खाते हैं उसी में
क्यों छेद करते हैं ,
देश में फैली इस बीमारी से
गरीब लोग ही मरते हैं ,
गरीबों के पेट पर लात मार ये
अपना पेट भरते हैं

इस रास्ते पर चार दिन की
चांदनी फिर अँधेरी रात है ,
कहते भेड़ की खाल में भेड़िया
रूप बनाना इनको आता है ,
इस रास्ते पर कोई भी सम्मान
का जीवन जी नहीं पाता है

सोनी गुप्ता
कालकाजी, नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

इस मोबाइल ने सब पर कब्जा जमा लिया

क्या सोचा था क्या कर बैठे
कैसा बना दिया ???
इस मोबाइल ने सब पर है
कब्जा जमा लिया ।।
सोचा था जो दूर है अपने
चंद बात हो जायेगी
नही पता फेसबुक वाट्सप्प
हमको इतना उलझायेगी ।।
बड़े फायदे है इसके सब कार्य
सरल हो जाता है
जो कुछ हमको समझ नआये
गूगल हमे बताता है।।
बैंको के भी काम काज हम
घर बैठे कर जाते हैं
कभी कभी धोखा हो जाता
तब हम चक्कर खाते है।।
स्कूल बंद है ना गम है
मोबाइल मे इतना दम है
सारे कोर्स पढाये जाते
चाहे हमको समझ न आते ।।
पर एक बात अच्छी इसकी
तनाव रहित कर देता है
भले भीड़ मे रहते हैं
फिर भी तनहा कर देता है।।
तन्हाई का यार मोबाइल
खुशियों का संसार मोबाइल
समाचारों का भंडार मोबाइल
सबको एक सूत्र मे बांधे
ऐसा है उपहार मोबाइल ।।

मिथिलेश राय
बलिया, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

एक नजर

जमीन से जुड़े राजनेता थे कपिलदेव कामतः नीतीश

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कद्दावर नेता एवं पंचायती राज मंत्री कपिलदेव कामत के असामयिक निधन पर गहरी शोकसंवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वह जमीन से जुड़े राजनेता थे। श्री कुमार ने शुक्रवार को यहां शोक संदेश में कहा, 'श्री कामत जमीन से जुड़े राजनेता थे। वह मंत्रिमंडल में मेरे सहयोगी थे।

वह एक कुशल प्रशासक एवं लोकप्रिय राजनेता थे। उनके असामयिक निधन से मुझे व्यक्तिगत रूप से दुख पहुंचा है। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।' कोविड काल के लिए वर्तमान में लागू दिशा निर्देश के तहत राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

कोरोनाकाल में धूमधाम से दुर्गोत्सव मनाने की तैयारी में जुटी काशी

बाजार में पूरे दिन रही चहल-पहल, दुकानों में खूब बिकी माता की पोषाक, श्रृंगार व चुनरी

(सुरेष गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। 23 मार्च से शुरु हुआ कोरोनाकाल अब तक जारी है। इस बीच कई त्योहार लॉकडाउन की भेट चढ़ गए तो कई अनलॉक में भी नियम कायदे के चलते नहीं मनाएं जा सके। लेकिन अब जब सरकार की तरफ से शर्तो के साथ छूट मिली है तो लोग इस सुनहरे पल को यूं ही नहीं जाने देना चाहते है, खासकर तब जब संक्रमण से लेकर हर तरह के शत्रुओं की सफाया करने वाली जगत जननी मां का पर्व हो। मतलब साफ है दुर्जा पूजा उत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बाजार और दुकानों में हो रही खरीदारी बता रही है कि लोगों में उत्सव के प्रति उत्साह में कोई कमी नहीं है। हालांकि प्रशासन ने एडवाइजरी जारी कर रखी है कि उत्सव के दौरान कोरोना से बचाव के सभी मानकों जैसे कि मास्क पहनना और सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने आदि का पालन हरहाल में करना होगा। बता दें, कोरोना संकट के कारण लोगों को पर्व और त्योहारों को अच्छे से सेलीब्रेट करने का मौका नहीं मिल पाया है। अब जबकि माता दुर्गा के आशीर्वाद से कोरोना का प्रभाव कम हो रहा है, तो हम सभी पूरे उत्साह से भरे हुए हैं कि इस बार की नवरात्रि और दशहरा धूमधाम से मनाने का मौका हमें मिलेगा। नवरात्रि का त्योहार यूं तो साल में दो बार आता है, लेकिन शारदीय नवरात्रि की तो बात की कुछ और है। इसके साथ दुर्गा पूजा, दशहरा और फिर दीवाली

का मिलन इस त्योहार के खूबसूरत एहसास को और भी यादगार बना देता है। यही वजह है दुर्गोत्सव की पूर्व संध्या पर बाजारों में खूब चहलपहल रही। माता की पोशाक, श्रृंगार और लाल चुनरी से लेकर पूजा सामाग्री की लोगों ने खूब खरीदारी की। बाजार में लोगों की भीड़ इस कदर उमड़ी थी पैर रखने को जगह नहीं थी।

देवी भक्त 17 अक्टूबर से उपवास धारण करेंगे। शुक्रवार को बाजार चटख नजर आई। जगहजगह पूजन सामग्रियों से दुकानें सजी रही। देवी की आराधना में प्रयुक्त होने वाली पूजन सामग्री दुकानों के बाहर रखी गई थी। ग्राहकों का आनाजाना लगा रहा। मां दुर्गा की पूजाअर्चना और व्रत करने वाले देवी के भक्त उत्साह से उनके स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। भक्त देवी दरबार के लिए साजोसामान से लेकर मां भगवती की मूर्ति, पूजन सामग्री और व्रत सामग्री की खरीदारी कर रहे हैं। उधर व्रतधारी फलाहार एवं पूजन सामग्री खरीदते नजर आए। श्रद्धालु नवरात्र को लेकर सामान की खरीदारी पूरे दिन किए। इससे बाजार में चहलपहल बढ़ी रही। देवी मंदिरों की भी हो रही सजावट। उधर, कम समय में ही सही आयोजन समितियां पूजा पंडाल सजाने के प्रयास कर दी हैं। हालांकि इस बार शहर में दुर्गापूजा पंडाल बेहद कम ही दिखेंगे। ऐसे में देवी मंदिरों की सजावट शुरू हो गई है। यहां दर्शन पूजन के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। मंदिरों को झालरों से रोशन किया जा रहा है। कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए श्रद्धालुओं को सुबह शाम देवी दर्शन कराया जाएगा। बाजार में इस बार जहां छोटी मूर्तियों की अधिक मांग है। नवरात्र में मां दुर्गा पर लाल रंग का चोला चढ़ाने का विशेष महत्व है। ऐसे में बाजार में देवी भगवती के लिए एक से बढ़कर एक पोशाक, चुनरी, मुकुट, हार, टीका, कंगन और पायल और श्रंगार सामग्री उपलब्ध है। पूजन के लिए मिट्टी के अलावा मारबल, पीतल, कापर और पत्थर की मूर्तियों को भी काफी मांग है, लेकिन लोग मिट्टी की मूर्ति ही अधिक पसंद कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में 5146 गो-आश्रय स्थल

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

लखनऊ, 16 अक्टूबर । उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आने के बाद राज्य में 5146 गो आश्रय स्थल बनाये गए हैं। आधिकारिक प्रवत ने आज यहां कहा कि इनमें 4452 अस्थायी गो वंश स्थल, 148 कान्हा गोशाला, 402 कांजी हाउस और 144 वृहद गो संरक्षण केन्द्र हैं । उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य में निराश्रित/बेसहारा गोवंश को संरक्षित करने के लिये पिछले साल 02 जनवरी से इस नीति को लागू किया गया था। गोवंश की सुरक्षा के लिये शेड का निर्माण कराया गया है। साथ ही, सुरक्षा , पीने का पानी, प्रकाश, पशु चिकित्सा, हरा चारा उत्पादन आदि कार्य भी कराए जा रहे हैं। गोआश्रय स्थल राज्य के ग्रामीण व शहरी इलाकों में स्थापित किए गए हैं। गोआश्रय स्थलों में 5,19,816 गोवंश संरक्षित हैं। गोवंश की पहचान के लिये उन्हें यूआईडी इयर टैग लगाया गया है। उनके भरण पोषण के लिये विभिन्न गोआश्रय स्थलों में 9.80 लाख कुन्तल भूसा एकत्र कर संरक्षित किया गया है। वित्तीय वर्ष 201819 से अभी तक गोवंश के भरणपोषण के लिये 380.61 करोड़ रुपए की धनराशि उपलब्ध करायी जा चुकी है। मुख्यमंत्री निराश्रित/बेसहारा गोवंश सहभागिता योजना के तहत अब तक 32,242 इच्छुक किसानों को 62,314 गोवंश देकर लाभान्वित किया गया है। साथ ही, राष्ट्रीय पोषण मिशन के तहत 519 कुपोषित परिवारों को गोवंश आश्रय स्थलों से गोवंश उपलब्ध कराया गया है। गो प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश में अस्थायी गोवंश आश्रय स्थलों से पृथक निराश्रित गोवंश को स्थायी रूप से सरंक्षित किए जाने एवं आश्रय केन्द्रों को स्वावलम्बी बनाए जाने के उद्देश्य से प्रदेश में 1.20 करोड़ रुपए प्रति केन्द्र की दर से कुल स्वीकृत 187 वृहद गो संरक्षण केन्द्रों में से 109 का निर्माण पूर्ण कराकर क्रियाशील बनाया गया है। शेष वृहद गोसंरक्षण केन्द्रों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

इसके साथ ही, बुन्देलखण्ड के 07 जिलों में 30 लाख रुपए प्रति पशु आश्रय की दर से 35 पशुआश्रय गृह का निर्माण कार्य पूर्ण कराकर क्रियाशील किया गया है। इन कुल 144 स्थायी गोआश्रय स्थलों में 46,215 गोवंश को संरक्षित भी किया जा चुका है।

राजद प्रत्याशी तिवारी ने नामांकन दाखिल किया, विकास ही मुद्दा

(आदित्य दुबे /वूमेन एक्सप्रेस)

बेतिया। लौरिया विधानसभा चुनाव को लेकर बुधवार को राजद प्रत्याशी शम्भू तिवारी ने अपर समाहर्ता ,विभागीय जाँच कार्यालय ,बेतिया में निर्वाची पदाधिकारी राम नारायण सिंह के समक्ष अपना नामांकन प्रपत्र दाखिल किया। राजद प्रत्याशी शम्भू तिवारी ने मोबाइल फोन पर बातचीत में विकास के ऐजेंडा पर कहाँ की लौरिया जोगापटटी क्षेत्र का मैंने भ्रमण किया है। गाँवों की स्थिति बहुत ख़राब है। पुल पुलिया टुटे पड़े है। सबसे ख़तरनाक स्थिति किसानों की हैं । इन्हें सुनने वाला कोई नहीं है। हम एक किसान भी है। हम किसानों का दर्द जानते हैं। युवा वर्ग बेरोजगारी से जुझ रहा है। हमारे नेता तेजस्वी जी ने ऐलान किया है। बिहार में सरकार बनते ही। एक लाख युवाओं को रोजगार देगे। लौरिया विधानसभा क्षेत्र के विकास और इन तमाम विकास मुद्दों पर हमारी सरकार कार्य करेगी।

नवरात्रि स्थापना के साथ होगा आज मातामह श्राद्ध, घर-घर होगी घट स्थापना

(संजय जोशी/वूमेन एक्सप्रेस)

जयपुर। शक्ति, भक्ति, आस्था और उपासना का प्रतीक नवरात्रि का त्योहार शनिवार यानी 17 अक्टूबर से आरंभ हो रहा है। नवरात्रि स्थापना के साथ अधिकांश घरों में मातामह श्राद्ध किया जायेगा। नवरात्रि का पर्व देवी शक्ति मां दुर्गा की उपासना का उत्सव है। नवरात्रि के नौ दिनों में देवी शक्ति के नौ अलगअलग रूप की पूजा आराधना की जाती है। माता के भक्त पूरे 9 दिनों तक माता की पूजा अर्चना कर मां को प्रसन्न करेगें। नवरात्रि में नौ देवियां अलगअलग नौ शक्तियों का प्रतीक मानी जाती है। पहले दिन मां शैलपुत्री, दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन मां चंद्रघंटा, चौथे दिन मां कूष्मांडा, पांचवे दिन मां स्कंदमाता, छठे दिन मां कात्यानी, सातवें दिन मां कालरात्रि, आठवें दिन मां गौरी और नवे दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने को बताया कि शारदीय नवरात्रि अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक मनायी जाती है। शरद ऋतु

में आगमन के कारण ही इसे शारदीय नवरात्रि कहा जाता है। सर्व पितृ और मातामह (नाना) मातामही (नानी) का श्राद्ध आश्विन शुक्ल प्रतिप्रदा (नवरात्री) के दिन करते है । इस बार बीच में अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) आने से मातामह श्राद्ध 17 अक्टूबर को हो सकेगा। विश्वविख्यात भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि संतान ना होने की स्थिति में मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है। अक्सर मातामह श्राद्ध पितृ पक्ष की समाप्ति के अगले दिन होता है लेकिन इस बार अधिमास के चलते एक महीने बाद 17 अक्टूबर को होगा। नवमी या अमावस्या के दिन सर्व पितृ श्राद्ध पर तिथि पता नहीं होने पर भी श्राद्ध कर्म हो सकता है। जिनके नाम और गोत्र का पता नहीं हो उनका देवताओं के नाम पर भी तर्पण कर सकते है।

जौनपुर में बंदी की मौत के मामले में होगी मजिस्ट्रेट से जांच

जौनपुर । उत्तर प्रदेश में जौनपुर के जिला कारागार में बंदी की मौत के मामले में अदालत ने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिये हैं। इस मामले में अपर सत्र न्यायाधीश (चतुर्थ) प्रकाश चन्द्र शुक्ला ने सीजेएम कोर्ट के आदेश को निरस्त करते हुए आदेश दिया कि बंदी की मृत्यु के कारण की जांच मजिस्ट्रेट द्वारा किए जाने का प्रावधान है । आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि मृतक के पिता राजाराम ने निचली अदालत में जेल अधीक्षक और वार्डन समेत छह आरोपियों के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया था कि जेल में उसके पुत्र संजय के साथ बंदियों से मारपीट हुई थी। इलाज के दौरान उसकी बीएचयू में मृत्यु हुई। उधर क्षेत्राधिकारी ने मामले में रिपोर्ट दिया कि संजय बीमार था और उसका इलाज बीएचयू में हो रहा था वही इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। रिपोर्ट के आधार पर सीजेएम ने प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया। जेल में और जेल के बाहर के अस्पतालों में संजय के इलाज के बाबत भी कोई प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया ।

रग्घू बाबा देवस्थान रनियापुर में रामलीला समिति की बैठक सम्पन्न

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । बिशेश्वरगंज जनपद बहराइच के थाना बिशेश्वरगंज क्षेत्र अंतर्गत ग्रामसभा रनियापुर गोबरही में परंपरागत तरीके से प्रतिवर्ष हो रहे रामलीला को लेकर रामलीला कमेटी की बैठक विगत वर्ष की भांति इस बार भी ग्रामसभा अंतर्गत राग्घूबाबा देवस्थान पर बने रामलीला मंच पर हुई। वहीं नवनिर्वाचित रामलीला कमेटी के आयोजक राजकुमार दुबे ने बताया कि विगत वर्ष की भांति इस बार भी दिनांक 19.10.2020 से 26.10.2020 तक रामलीला का मंचन किया जाएगा।रामलीला कमेटी के उपाध्यक्ष मनोज कुमार पाण्डेय ने बताया कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए मेले में सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष रूप से पालन किया जाएगा मेले में आने वाले लोगो से विशेष रूप से मॉस्क लगाकर आने के लिए कहा जायेगा।रामलीला के नव नियुक्ति पदाधिकारियों में अध्यक्ष अभिषेक दुबे कोषाध्यक्ष अवधेश शुक्ल महामंत्री रामकुमार राव प्रबंधक सुधीर कुमार तिवारी मंत्री जगदीश प्रसाद मिश्रा दद्दन तिवारी सोनू शुक्ला गुड्डू तिवारी बृजेश मिश्रा उर्फ दादा ठाकुर पृथ्वीनाथ तिवारी दीनानाथ मौर्या अजय कुमार गुप्ता सहित तमाम रामलीला कमेटी के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

अग्रसेन जयन्ती कार्यक्रम में महिलाओं व बच्चों ने लिया बढ़ चढ़कर हिस्सा

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । महिला अग्रवाल संघ द्वारा महराज अग्रसेन जयन्ती पर महिलाओं व बच्चों के लिये आनलाइन आयोजित किये गए। विभिन्न कार्यक्रमो में संघ की अध्यक्ष चेतना अग्रवाल व सचिव मोनिका अग्रवाल ने बताया कि संघ के संरक्षक द्रोपदी भानीरामका, स्नेह डालमिया, आशा दोचानिया, शकुन घीड़िया व कविता मातन हेलिया की देखरेख में सम्पन्न हुए कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

अग्रवाल महिला संघ की अध्यक्ष चेतना अग्रवाल व सचिव मोनिका अग्रवाल ने बताया कि मटकी डेकोरेशन कार्यक्रम में माधवी ड्रोलिया, नीलम मातन हेलिया, क्षमा तुलस्यान व कमल बरगनिया ने प्रतिभाग किया। रंगोली प्रतियोगिता में माधवी ड्रोलिया, पलक गोयल, निधी केडिया व रेनू गोयल शामिल रहीं। मास्क प्रतियोगिता में स्नेह डालमिया, नीलम मातन हेलिया, क्षमा तुलस्यान

व कमल बरगनिया, फैमिली डांस प्रतियोगिता में सुनीता ड्रोलिया व सुल्तानिया फैमिली शामिल हुई। फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता में नीरज तुलस्यान व आर्यन मोदी ने भाग लिया। लघुनाटिका प्रतियोगिता में विभोर अग्रवाल, शुभ अग्रवाल, मिष्ठी सुल्तानिया, आराध्या सुल्तानिया ने भाग लिया। क्लब की उपाध्यक्ष अनीता गोयल, उप सचिव कंचन छापड़िया, कोषाध्यक्ष शिखा गोयल का कार्यक्रम में सराहनीय सहयोग रहा।

बलिया गोली कांड का आरोपी फरार SDM और CO के बाद 10 पुलिसकर्मी सस्पेंड

बलिया । यूपी के बलिया में पुलिस के सामने हत्या वाले मामले में योगी सरकार सख्त है। एसडीएम और सीओ पर कार्रवाई के बाद अब 10 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। एडीजी के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक ने तीन सब इंस्पेक्टर, पांच कांस्टेबल और दो महिला कांस्टेबल सस्पेंड कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार घटना के समय मौके पर तैनात रेवती थाने के सब इंस्पेक्टर और हल्का इंचार्ज सूर्यकान्त पाण्डेय, एसआई सदानंद यादव, गोपालनगर के पुलिस चौकी के इंचार्ज कमला सिंह यादव, सिपाही रूपेश पाण्डेय, रिंकू सरोज, आनन्द चौहान, राम प्रसाद, महिला सिपाही प्रीति यादव और सोनल सिंह को निलम्बित कर दिया गया है। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक ने सीओ के हमराह सिपाही को भी सस्पेंड कर दिया है। इस मामले में मुख्यमंत्री के निर्देश पर एसडीएम बैरिया और सीओ बैरिया को पहले ही सस्पेंड किया जा चुका है। रेवती के दुर्जनपुर हत्याकांड में शुक्रवार को दो आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जबकि मुख्य आरोपी समेत छह आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कई स्थानों पर छापेमारी की। वहीं पीड़ितों से मिलने के लिए शुक्रवार सुबह एडीजी बृजभूषण व डीआईजी सुभाष चंद्र दूबे भी दुर्जनपुर गांव पहुंचे। उधर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी मृतक के परिजनों से फोन पर बात की। गुरुवार को हुई दुर्जनपुर हत्याकांड को लेकर शुक्रवार को भी गांव में तनाव रहा। शुक्रवार सुबह एडीजी बृजभूषण के साथ डीआईजी सुभाष चंद्र दुबे , एसपी देवेन्द्र नाथ व डीएम श्रीहरि प्रताप शाही दुर्जनपुर पहुंचे। अधिकारियों ने मृतक जयप्रकाश गामा के परिजनों से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि मृतक जयप्रकाश पाल के भाई चंद्रमा पाल ने अधिकारियों से 50 लाख रुपये मुआवजा तथा परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी की मांग की।

कोरोना वैक्सीन आने तक सभी लोग पूरी सावधानी बरतें

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 16 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज देवीपाटन मण्डल के आकांक्षात्मक जनपद बलरामपुर में किंग जॉर्ज विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश लखनऊ के सेटेलाइट सेण्टर 'अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सा परिसर' के अन्तर्गत 300 बेडेड चिकित्सालय के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बलरामपुर की आम जनता की भावनाओं के अनुरूप किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय से इस चिकित्सालय के जुड़ जाने से चिकित्सा सुविधा के साथ ही साथ चिकित्सा शिक्षा भी मिल सकेगी। किंग जॉर्ज विश्वविद्यालय देशदुनिया का सबसे प्रसिद्ध चिकित्सा विश्वविद्यालय है, जहां पर 4,000 बेड की क्षमता है तथा यह चिकित्सा विश्वविद्यालय लगभग 115 वर्ष पुराना है। इस चिकित्सालय के सेटेलाइट सेण्टर से जुड़ जाने से यहां पर कभी भी फैकल्टी की कमी नहीं होगी तथा यहां की आम जनता को चिकित्सा सुविधा अनवरत मिलती रहेगी। इस चिकित्सालय के निर्माण से बलरामपुर जनपद के लोगों की आवश्यकता पूरी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद इस क्षेत्र का जितना विकास होना चाहिए था, वह नहीं हुआ। यहां पर 03 वर्ष पूर्व सड़कें ठीक नहीं थीं, विकास गतिविधियां ठप थीं तथा अपराध चरम पर था, लेकिन इस समय यहां की आम जनता को सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ में भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम से चिकित्सा विश्वविद्यालय बनेगा, जिससे प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज सम्बद्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि विगत 03 वर्षों में चिकित्सा के क्षेत्र में सरकार द्वारा उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं।

प्रदेश में जहां पहले 12 मेडिकल कॉलेज थे, 03 वर्षों में 29 नए मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 02 एम्स भी बनाए जा रहे हैं, जिसमें एक गोरखपुर में तथा एक रायबरेली में बन रहा है। मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश की 24 करोड़ की जनता का अभिनन्दन किया कि कोविड19 जैसी महामारी के संक्रमण व मृत्यु दर रोकने में उनका अपूर्व योगदान प्राप्त हुआ है।

नदियों को नवजीवन देने के लिए आधुनिक भगीरथ बने योगी

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 16 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीन दर्जन से अधिक जिलों और 2100 ग्राम पंचायतों से गुजरने और 3900 किलोमीटर का फासला तय करने वाली लुप्तप्राय नदियों के पुनरोद्धार का भगीरथ प्रयास कर रहे हैं। उनके प्रयास के नाते भगवान से जुड़ी मंदाकिनी (चित्रकूट) और तमसा (अयोध्या) को पुर्नजीवन मिल चुका है।

बाकी नदियों के पुनरोद्धार का काम जारी है। करीब 1041 किमी की लंबाई में इन नदियों को स्वाभाविक अपवाह तंत्र में लाया जा चुका है। इनमें से कई तो पौराणिक महत्व की हैं। प्राकृतिक जलस्रोतों के पुनरोद्धार के इस मिशन में सिर्फ नदियां ही नहीं तालाब और नाले भी शामिल हैं। पुनरोद्धार के साथ उनके किनारे पर वृहद पौधारोपण का भी काम चल रहा है। इस क्रम में अब तक 907 तालाबों, 595 नालों का नया जीवन देने के साथ इनके किनारों पर संबंधित जिलों के कृषि जलवायु क्षेत्र के अनुकूल करीब 22 लाख पौधे भी लगाए जा चुके हैं। यही नहीं इस काम में कोरोना के असाधारण संकट के दौरान करीब 25 लाख मानव दिवस सृजित होने से लाखों परिवारों को स्थानीय स्तर पर काम भी मिला। इनमें से कई तो ऐसे थे जो दूसरे प्रदेशों के महानगरों से लॉकडाउन के कारण लौटे थे। प्राकृतिक स्वरूप लौटाने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। नदी का उद्धार होता देख, आसपास के किसान और लोग भी उत्साहित हैं। जलसंरक्षण पहले से ही योगी आदित्यनाथ का प्रिय विषय रहा है।

इनका समायोजन खुद में सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती थी, पर मुख्यमंत्री ने इस चुनौती को एक बड़े अवसर में बदल दिया।

नदियों के पुनरोद्धार के इस प्रयास की सराहना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मन की बात में भी कर चुके हैं। जून में आयोजित अपने मन की बात में प्रधानमंत्री ने कहा था कि यूपी के बाराबंकी में गांव लौटकर आए श्रमिकों ने कल्याणी नदी का लोग जलसंरक्षण की महत्ता से वाकिफ हों इसके लिए उन्होंने करीब पांच साल पहले गोरखपुर का सांसद रहने के दौरान गोरखनाथ मंदिर में चार वाटर हारवेस्टिंग टैंक बनवाये थे।

उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी करते हैं पानी की खेती शीर्षक से खबर अखबारों की सुर्खियां बनी थी। गोरखपुर स्थित बुद्ध और कबीर से जुड़ी आमी नदी के संरक्षण के लिए बनी संस्था आम नदी बचाओ मंच के वे संरक्षक भी रहे हैं। गोरखपुर के जिस रामगढ़ ताल को वह वैश्विक पर्यटन का केंद्र बनाने की बात करते हैं उसका मौजूदा स्वरूप उनके करीब दो दशक के संघर्षों की देन है। ऐसा उन्होंने विपक्ष में रहने के दौरान किया।

गोरखपुर के दक्षिणी हिस्से में स्थित महेसरा ताल का सुंदरीकरण भी उनकी प्राथमिकताओं में है। सरकार के अब प्रदेश के मुखिया के रूप में उनका फलक व्यापक है तो रुचि के अनुसार काम का दायरा भी बढ़ा है। नदियों और तालाबों समेत सभी प्राकृतिक जलस्रोतों का पुनरोद्धार उनकी प्राथमिकता है। सरकार भविष्य में तालाबों को अतिक्रमण से मुक्त करते हुए उनके पुनरोद्धार के लिए तालाब विकास प्राधिकरण बनाने की भी सोच रही है। नदियों के प्रति लोग जागरूक हों इसके लिए इसी साल फरवरी में सरकार ने बिजनौर से बलिया तक की गंगा यात्रा आयोजित की थी। गंगा और बड़ी नदियों के किनारे बहुउद्देशीय तालाब बनाने की योजना भी पर्यावरण संरक्षण की ही एक कड़ी है।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारीः
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

बड़गाम में एक आतंकी ढेर, एक को पकड़ा जिंदा

बड़गाम । बड़गाम जिले के चदौरा इलाके में शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक आतंकी को मार गिराया है जबकि एक आतंकी को एके47 रायफल के साथ गिरफ्तार किया है। फिलहाल मुठभेड़ अभी समाप्त हो गई है। सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में अन्य आतंकियों की आशंका के चलते तलाशी अभियान जारी रखा हुआ है। बड़गाम जिले के चदौरा इलाके में सुरक्षाबलों को आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली। सूचना मिलने के आधार पर सेना की 53 आर.आर, पुलिस और सीआरपीएफ के एक संयुक्त दल ने तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों को पास आते देख गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया है जबकि एक जिंदा आतंकी को एके47 रायफल के साथ गिरफ्तार किया है। फिलहाल मुठभेड़ अभी समाप्त हो गई है। सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में अन्य आतंकियों की आशंका के चलते तलाशी अभियान जारी रखा हुआ है।

किसानों की मदद के लिए बीएचयू ने फार्ड के साथ किया समझौता

वाराणसी । बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) ने कृषि विकास के लिए एक रोडमैप तैयार करने के लिए फाउंडेशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (फार्ड) नामक एक एनजीओ के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। समझौते के तहत बीएचयू प्रोजेक्टट्रेनिंग प्रोग्राम, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और ग्रामीण विकास के अन्य आउटरीच प्रोग्राम की शुरुआत करेगा। बीएचयू के प्रवक्ता राजेश सिंह ने कहा कि समझौते के बाद बीएचयू अपनी प्रयोगशाला और इंस्टीट्यूशन ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज के अन्य बुनियादी ढांचे के साथ फार्ड के साथ मिलकर खेती क्षेत्र के लिए भविष्य के लिए रोडमैप विकसित करेगा। बीएचयू के कृषि पाठ्यक्रमों में छात्र, फार्ड समर्थित प्रगतिशील किसानों के स्थानों का दौरा करेंगे। इससे किसानों का आधारभूत सर्वेक्षण तैयार करने में मदद मिलेगी। फार्ड साल 2005 से किसानों के लिए विभिन्न तकनीकी और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। किसान समूहों को भी सेवाएं प्रदान कर रहा है। वर्तमान में फार्ड भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजीटेबल रिसर्च के सहयोग से बायोटेक्नोलोजी विभाग के बायोटेक किसान परियोजना के तहत किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराने में, कृषिनिर्यात को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और तकनीकी प्रदर्शन का आयोजन करने में जुटा है।

यूपी: निलंबित आईपीएस अधिकारी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

महोबा । यहां की एक स्थानीय अदालत ने महोबा के पूर्व पुलिस अधीक्षक (एसपी) व आईपीएस मणिलाल पाटीदार के खिलाफ इंद्रकांत त्रिपाठी हत्याकांड के मामले में गैरजमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया है। स्पेशल जज (भ्रष्टाचाररोधी) कोर्ट हरेंद्र बहादुर सिंह ने निलंबित और फरार चल रहे आईपीएस अधिकारी पाटीदार और साथ ही दो बर्खास्त पुलिसकर्मी इंस्पेक्टर देवेंद्र शुक्ला और कांस्टेबल अरुण कुमार यादव के खिलाफ वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया है। कोर्ट ने गुरुवार को जांच अधिकारी कालू सिंह द्वारा दिए गए एक आवेदन पर यह आदेश पारित किया। तीनों पर क्रशर व्यापारी इंद्रकांत त्रिपाठी की आत्महत्या के आरोप लगे हैं और वे फरार हैं। पिछले सप्ताह सरकार ने इंस्पेक्टर देवेंद्र शुक्ला और कांस्टेबल अरुण कुमार यादव को सेवा से बर्खास्त कर दिया था। महोबा में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच के लिए पाटीदार, शुक्ला और यादव तीनों स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) के गठन के बाद से गायब हैं। गौरतलब है कि त्रिपाठी ने 8 सितंबर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा था कि अगर उनके साथ कुछ भी अनहोनी हुई, तो उसका जिम्मेदार पाटीदार होगा। वीडियो जारी करने के कुछ ही घंटों बाद घर लौटते समय उन्हें गर्दन पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और उनका वीडियो वायरल हो गया था।

दुनिया भर के कृषि व्यवसाय समुदायों को एक मंच पर जुटाया

इंडिया इंटरनेशनल फूड एंड एग्री वीक शुरू, केंद्रीय मंत्री तोमर ने किया शुभारंभ

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर । भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की ओर से आयोजित इंडिया इंटरनेशनल फूड एंड एग्री वीक आज यहां शुरू हो गया। इसका शुभारंभ केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया। यह एग्रो एंड फूड टेक के 14वां संस्करण है। इस मौके पर तोमर ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में लाए गए क्रांतिकारी कृषि कानूनों का देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और मौजूदा मंडी प्रणाली पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बल्कि किसानों को स्वंतत्रता मिलने व वैकल्पिक बाजार उपलब्ध होने से अब किसान अपनी उपज मंडी परिसर के बाहर भी, किसी को कहीं भी कभी भी उचित दाम पर बेच सकते हैं और अधिक मुनाफा कमा सकेंगे। तोमर ने कहा कि भारत सरकार कृषि एवं खाद्य क्षेत्र के निरंतर विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इसीलिए अनेक सुधार और पहल की गई हैं। नए रिफार्म्स के अंतर्गत एक देशएक बाजार तथा फार्मगेट अधोसंरचना के माध्यम से आमूलचूल बदलाव आएगा और किसानों की आय बढ़ेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय खाद्यान व किराना बाजार विश्व का छठां सबसे बड़ा है। भारतीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, देश के खाद्य बाजार का 32 फीसदी होने के साथ ही देश का

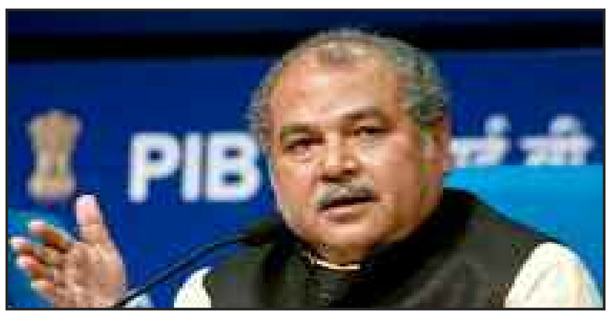

सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है। युवाओं द्वारा ज्यादा उपभोग की आदतें इसे और भी बड़ा बना रही हैं । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 20 लाख करोड़ रूपए के पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज के तहत एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। सीआईआई एग्रो एंड फूड टेक 2020 के अध्यक्ष अजय एस श्रीराम ने कहा, 1994 में अपनी स्थापना के बाद से, सीआईआई एग्रो टेक ने दुनिया भर के कृषि व्यवसाय समुदायों को एक साथ लाया है। वर्तमान मौजूदा स्थिति को देखते हुए, एग्रो टेक इंडिया के 14वें संस्करण को अब एग्रो एंड फूड टेक इंडिया इंटरनेशनल फूड एंड एग्री वीक के रूप में नामित किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारी कृषि बिरादरी और कृषि उद्योग के हितधारकों को कृषि और संबंधित प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति की महत्वपूर्ण जानकारी और ज्ञान से वंचित नहीं किया जा सके।

भारत में उत्पादन में काफी सुधार हुआ: सीआईआई

सीआईआई के अध्यक्ष उदय कोटक ने कहा कि कृषि, भूमि उपयोग और पानी पर ध्यान केंद्रित करने के साथ भारत में उत्पादन में काफी सुधार हुआ है। बढ़ी हुई मूल्यवर्धन और कम बर्बादी के लिए, बाजारों को सही लिंकेज प्रदान करना महत्वपूर्ण है। इसी दिशा में भारत सरकार ने निर्यात पर ध्यान केंद्रित करते हुए चैंपियन क्षेत्रों की पहचान की है और सीआईआई खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित 3 चैंपियन क्षेत्रों पर काम चला रहा है।

सीआईआई उत्तरी क्षेत्र के अध्यक्ष निखिल साहनी ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव है और इससे हमारी आधी से अधिक आबादी को आजीविका उपलब्ध है।इस वर्ष महामारी की स्थिति के कारण हम वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर इस मेगा इवेंट का आयोजन कर रहे हैं ।

सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, चूंकि भारत सरकार ने 2022 तक कृषि आय दोगुनी करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, इसलिए तदनुसार सीआईआई ने इस विजन को साकार करने की दिशा में कृषि में अपनी गतिविधियों को संरेखित किया है।

आईएमएफ के आंकड़ों को लेकर झूठ फैलाने में लगी है सरकार: राहुल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रति व्यक्ति जीडीपी में भारत के बांग्लादेश से पिछड़ने संबंधी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुमान को लेकर शुक्रवार को सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इस आंकड़े के सामने आने के बाद केंद्र सरकार झूठ फैलाने में लगी है।

पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह भी कहा कि सरकार को अब भी यह समझ नहीं आ रहा है कि अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए उपभोग को बढ़ाना पड़ेगा। सुप्रिया ने संवाददाताओं से कहा, पिछले कुछ दिनों में बड़े ही परेशान करने वाले आर्थिक आंकड़े सामने आए हैं। आईएमएफ ने कहा है कि भारत में इस वित्तीय वर्ष में आर्थिक वृद्धि की अनुमानित दर में लगभग 10.3 प्रतिशत संकुचन होगा, जो कि आईएमएफ के पहले के 4.5 प्रतिशत के अनुमानित संकुचन से बहुत अधिक है। उसके आंकड़ों की माने तो भारत विश्व की सबसे तेज़ी से गिरने वाली अर्थव्यवस्था होगी। सुप्रिया ने दावा किया, बांग्लादेश ने आज हमें ही आर्थिक मामलों में पछाड़ दिया है। यह सच है कि बांग्लादेश का प्रति व्यक्ति जीडीपी भारत से आगे है। इसका मोटा मोटा मतलब यह है कि एक आम बांग्लादेशी आज एक आम भारतवासी से ज्यादा संपन्न है। उनके मुताबिक बांग्लादेश का प्रति व्यक्ति जीडीपी 1,888 डॉलर है जबकि भारत का 1,876 डॉलर है। मात्र 5 साल पहले भारत का यही आंकड़ा बांग्लादेश से लगभग 25 प्रतिशत अधिक होता था। उन्होंने कहा, अर्थव्यवस्था को संभालने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय मोदी सरकार झूठ फैलाने पर तुल गई है और मुद्दे पर पर्दा डालने की विफल कोशिश में उलझी हुई है। सरकार के तमाम प्रवक्ता, पार्टी के शीर्ष नेता और पूरी की पूरी सोशल मीडिया आर्मी यह कह रहे हैं कि प्रति व्यक्ति भले बांग्लादेश का हम से अधिक हो लेकिन पीपीपी (क्रय शक्ति समता) में भारत बांग्लादेश से आगे है। सुप्रिया ने कहा, इससे बड़ी विडंबना दूसरी क्या होगी किस तरह का दुष्प्रचार करके ध्यान बांटा जा रहा है क्योंकि पीपीपी किसी भी देश की मुद्रा की असली कीमत होती है और वह भी विकसित देश की मुद्रा जैसे कि यूरो या डॉलर के मुकाबले। जबकि प्रति व्यक्ति जीडीपी ही वाकई में किसी भी देश के लोगों की समृद्धि उनकी संपन्नता का वास्तविक मानक होता है।

विदेश में नौकरी के नाम पर युवक से 2.10 लाख की ठगी

बागपत । जनपद में नौकरी के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह सक्रिय है। ऐसे ही एक गिरोह के सदस्यों मलेशिया में नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से दो लाख, दस हजार रुपय की ठग लिए। पीड़ित ने शुक्रवार को इस मामले में जालसाजों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इससे पहले जनपद में दर्जनों युवकों से नौकरी के नाम पर ठगी हो चुकी है। मवीकलां गांव का रहने वाला युवक रोहताश ने पुलिस अफसरों को बताया कि गांव के ही एक युवक ने मलेशिया में नौकरी लगवाने का झांसा देकर उससे 2.10 लाख रुपये ले लिए। इनमें 1.60 लाख रुपये खाते में ट्रांसफर कराए, दस हजार रुपये पेटीएम व 40 हजार रुपये नगद लिए थे। आरोप है कि युवक ने न नौकरी लगवाई और न ही रुपये लौटाए। रुपये का तगादा करने पर उसको जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद आज उसने आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कोतवाली एसएसआई प्रदीप कुमार शर्मा का कहना है कि इस मामले में आरोपित युवक सागर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

त्योहारों के चलते उत्तर रेलवे चलाएगा 16 और ट्रेनें

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । रेलवे ने बठिंडा वाराणसी सुपर फास्ट स्पेशल ट्रेन सहित सोलह अन्य ट्रेनों के संचालन को 20 अक्तूबर से मंजूरी दे दी है। रेलवे सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि बठिंडा वाराणसी साप्ताहिक सुपर फास्ट स्पेशल रेलगाड़ी 25 अक्तूबर से 22 नवंबर तक हर रविवार को बठिंडा से रात्रि 08.50 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सांय 04.30 बजे वाराणसी पहुंचेगी । वापसी पर यही सुपरफास्ट ट्रेन 26 अक्तूबर से 30 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार को वाराणसी से रात्रि 09.20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सांय 04.50 बजे बठिंडा पहुंचेगी।

वातानुकूलित3 टीयर, द्वितीय श्रेणी शयनयान तथा सामान्य श्रेणी के डिब्बों वाली वाराणसीबठिंडा साप्ताहिक सुपर फास्ट स्पेशल रेलगाड़ी का ठहराव रामपुरा फूल, बरनाला, बामला, धूरी, पटियाला, राजपुरा, अम्बाला छावनी, यमुनागर, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ तथा सुलतानपुर स्टेशनों पर होगा । इसके अलावा रेल मंत्रालय ने सोलह अन्य ट्रेनों को चलाने को भी मंजूरी दे दी है। सूत्रों के अनुसार माता वैष्णों देवी कटड़ावाराणसी साप्ताहिक सुपर फास्ट एक्सप्रेस स्पेशल 25 अक्तूबर से 29 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को वैष्णों देवी कटड़ा से रात्रि 11.30 बजे प्रस्थान करके अगले दिन रात्रि 11.35 बजे वाराणसी पहुँचेगी । वापसी पर यह ट्रेन 27 अक्तूबर से 1 दिसम्बर तक प्रत्येक मंगलवार को वाराणसी से सुबह 06.35 बजे प्रस्थान करके अगले दिन सुबह 06.50 बजे वैष्णों देवी कटड़ा पहुंचेगी। वैष्णों देवी कटड़ा साप्ताहिक सुपर फास्ट स्पेशल रेलगाड़ी ऊधमपुर, जम्मूतवी, पठानकोट छावनी, जलंधर छावनी, लुधियाना, अम्बाला छावनी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ और सुलतानपुर स्टेशनों पर रूकेगी । आनंद विहार टर्मिनललखनऊ ए.सी. सुपर फास्ट एक्सप्रेस स्पेशल रेलगाड़ी सप्ताह में तीन दिन 21 अक्तूबर से 29 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार और रविवार को आनंद विहार टर्मिनल से रात्रि 08.20 बजे प्रस्थान करके अगले दिन सुबह 04.20 बजे लखनऊ पहुंचेगी । वापसी पर यह ट्रेने 22 अक्तूबर से 30 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार, शनिवार और सोमवार को लखनऊ से रात्रि 09.20 बजे प्रस्थान करके अगले दिन सुबह 05.45 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी।

सरकार गठन के बाद बिहार में विकास की नई इबारत लिखी जाएगी: नड्डा

नवादा, 16 अक्टूबर (वेबवार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि इस बार सरकार गठन के बाद बिहार में विकास की नई इबारत लिखी जाएगी। वे शुक्रवार को नवादा जिले के हिसुआ इंटर स्कूल के मैदान में आयोजित चुनावी सभा को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार के विकास कार्यों की फेहरिस्त गिनाते हुए कहा कि पहले बिहार का बजट 24 हजार करोड़ का होता था, जो आज 2 लाख 20 हजार करोड़ का हो गया है। यह एनडीए सरकार की विकास का पैमाना है। आत्मनिर्भर बिहार के लिए 30 लाख करोड़ का पैकेज केन्द्र सरकार ने दिया है जिससे बिहार विकास की नयी कहानी लिखेगा। उन्होंने कहा कि बिहार में उजाला लाने के लिए पहले के अंधेरे को याद रखना होगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि लालू राज में सीवान में आतंक राज कायम करने वाले शहाबुद्दीन को नीतीश सरकार ने जेल में डालकर आतंक राज खत्म किया, अन्यथा दिन के उजाले में डीएम की हत्या इसी बिहार में होती थी। नड्डा ने कहा कि कोरोना काल में गरीबों को मुफ्त अनाज, महिलाओं के खाते में पैसे और मुफ्त गैस देने का कार्य मोदी सरकार ने किया है। यह कोई छोटी बात नहीं है। पहले तो जनधन खाता खोलवाने को लेकर खिल्ली उड़ायी जाती थी।

उन्होंने कहा कि गरीबों की बात करना आसान है लेकिन उनके लिए कार्य किसी 56 इंच के सीने वाला ही कर सकता है। नड्डा ने कहा कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर मोदी सरकार ने आतंक का राज समाप्त किया तो तीन तलाक हटाकर मुस्लिम महिलाओं को नारकीय जिंदगी के अभिशाप से मुक्त कराया। न्यायालय के आदेश के बाद प्रधानमंत्री ने राम मंदिर का शिलान्यास किया जो करोड़ों हिन्दुओं की आस्था से जुड़ा है। इस अवसर पर हिसुआ के भाजपा प्रत्याशी अनिल सिंह, वारिसलीगंज विधानसभा क्षेत्र की भाजपा प्रत्याशी अरुण देवी, भाजपा जिला अध्यक्ष संजय कुमार मुन्ना, अनिल मेहता ने भी सभा को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन की घटना को बताया दुर्भाग्यपूर्ण, कहा- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

(विशेष संवाददाता)

भोपाल, 16 अक्टूबर । भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में बीते दो दिन में जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया गया है।

उन्होंने कहा कि इसके पीछे जिम्मेदार लोगों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। नशे के सौदागरों को मध्यप्रदेश की धरती पर नहीं रहने दिया जाएगा। मैंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं, जल्द ही दोषी सलाखों के पीछे होंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने शुक्रवार सुबह अपने निवास पर वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर उज्जैन में जहरीले नशीले पदार्थ के सेवन से हुई मौतों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी ली और निर्देश दिये कि लोगों में नशे की आदत और अवैध रूप से ऐसे पदार्थों की आपूर्ति व बिक्री पर नजर रखी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन की तरह अन्य स्थानों पर यदि ऐसी वस्तुएं बेची जा रही हों तो दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए। प्रदेश में नशे के सौदागरों को नेस्तनाबूत किया जाए।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को भी ऐसे पदार्थों की बिक्री और आपूर्ति करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव बैंस ने बताया कि वे आज ही इस संबंध में एक अभियान की रूपरेखा को अंतिम रूप दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिलावटखोरों के विरुद्ध सख्त एक्शन लिया जाए।

किसी भी तरह की मिलावट का मामला हो, दोषी व्यक्ति बचना नहीं चाहिए। आम जनता को बचाने के लिए सभी संबंधित विभाग सतर्क, सजग और सक्रिय रहें।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में किसानों से किए जा रहे उपार्जन कार्य के संबंध में भी विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने खाद्य, सहकारिता और कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद से संबंधित कार्य व्यवस्थित रूप से संपन्न हो। आवश्यक अमले को दायित्व देकर इन कार्यों को बखूबी पूर्ण करने के निर्देश दिए जाएं। किसानों को कोई असुविधा नहीं होना चाहिए। पंजीयन कार्य और खरीदी केंद्र संख्या इस तरह से निर्धारित हो कि सोशल डिस्टेंसिंग का भी पालन हो।

हाथरस कांड में दूसरी महिला का फोटो दिखाने पर हाईकोर्ट सख्त

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (वेबवार्ता)। दिल्ली हाईकोर्ट ने हाथरस की गैंगरेप पीड़ित लड़की की फोटो की जगह एक दूसरी महिला का फोटो सोशल मीडिया पर दिखाने के खिलाफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वो इस शिकायत पर जल्द कार्रवाई करें। जस्टिस नवीन चावला की बेंच ने मंत्रालय को निर्देश दिया कि वे फेसबुक, ट्विटर और गूगल को इस संबंध में आदेश जारी करें। हाथरस कांड में जिस महिला का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है उसके पति ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता की पत्नी की मौत हो चुकी है। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता की पत्नी का फोटो हाथरस गैंगरेप पीड़िता के रुप में सोशल मीडिया पर दिखाया जा रहा है। याचिका में कहा गया है कि कानून के मुताबिक गैंगरेप पीड़िता की पहचान उजागर करना भी भारतीय दंड संहिता के तहत अपराध है जबकि सोशल मीडिया पर तो गलत फोटो ही दिखाया जा रहा है। सुनवाई के दौरान ट्विटर की ओर से पेश वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता चाहें तो वे नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो को .बलइमतबतपउम.हवअ.पद पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। एक बार ट्विटर के पास उचित तरीके

से शिकायत पहुंच जाएगी तो वे उसे अपने प्लेटफार्म से हटा देंगे या ब्लॉक कर देंगे। गूगल की ओर से पेश वकील ने कहा कि वह महज एक सर्च इंजन है। अगर उसे इस बात की औपचारिक शिकायत मिलती है तो वह ऐसे फोटोग्राफ्स को ब्लॉक कर देगा। उसके बाद कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय को निर्देश दिया कि वे तुरंत इस शिकायत पर गौर करें और फेसबुक, ट्विटर और गूगल को इस फोटो को हटाने का दिशानिर्देश जारी करें।

यूपी सरकार ने 6,675 शिक्षामित्रों को दी नौकरी, 31,277 सहायक अध्यापक नियुक्त

मुख्यमंत्री ने प्राथमिक विद्यालयों में चयनित सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 16 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा विगत साढ़े तीन वर्षों में प्रदेश की बेसिक शिक्षा को सुदृढ़ करने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि छात्र देश का भविष्य होते हैं। अतः बेसिक स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए, ताकि उनकी नीव मजबूत बन सके। उन्होंने कहा कि इसके लिए परिषदीय विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को अपने दायित्वों का निर्वहन भलीभांति करना होगा। उन्हें बच्चों को पूरी मेहनत से पढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षकों के हाथ में देश का भविष्य है। अतः उन्हें पूरी गम्भीरता से कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री ने यह विचार आज यहां अपने सरकारी आवास पर आयोजित सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में चयनित 31,277 सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को नौकरी देने के प्रति अत्यन्त गम्भीर है। राज्य सरकार द्वारा अब तक लगभग 03 लाख युवाओं को नौकरियां दी गई हैं। भविष्य में 03 लाख युवाओं को नौकरियां देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि आज के इस नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम से इसकी शुरुआत हो गई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के बेसिक शिक्षा विद्यालयों में पढ़ने वाले 1.80 करोड़ बच्चों को अच्छी शिक्षा की आवश्यकता है। इसके लिए पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की भी आवश्यकता थी। राज्य सरकार द्वारा 69,000 शिक्षकों की नियुक्ति की

प्रक्रिया प्रारम्भ की गई थी। प्रयास यह था कि इसके तहत वर्ष 2019 में ही अभ्यर्थियों का चयन कर उन्हें नियुक्ति दी जाए, परन्तु कुछ अड़चनों के कारण इसमें विलम्ब हुआ। उन्होंने कहा कि सभी सफल अभ्यर्थियों का चयन निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से किया गया है। इस भर्ती के माध्यम से आज 31,277 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण का शुभारम्भ किया गया है। उन्होंने अपेक्षा की कि सफल अभ्यर्थी परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में राज्य सरकार द्वारा शिक्षामित्रों को वेटेज दिया गया और उन्हें शिक्षक बनने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि 31,277 सफल अभ्यर्थियों में से 6,675 शिक्षामित्र हैं। भर्ती में आरक्षण का पूरा ध्यान रखा गया है। चयनित सफल अध्यापकों में 15,933 अनारक्षित श्रेणी, 8,513 ओ0बी0सी0, 6,615 अनुसूचित जाति तथा 216 अनुसूचित जन जाति के अभ्यर्थी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों एवं कक्षाकक्षों का रूपांतरण किया गया है। इसके अलावा छात्र लर्निंग आउटकम में सुधार को मॉनिटर किया जा रहा है। शिक्षकों द्वारा नवाचारी कक्षा प्रशिक्षण पर फोकस किया जा रहा है। साथ ही, शिक्षकों के अकादमिक कार्यों में समय को बढ़ाया गया है। न्यायसंगत कक्षाकक्ष स्थापित किए गए हैं। दीक्षा पोर्टल के माध्यम से शिक्षकों द्वारा अतिरिक्त डिजिटल शिक्षण सामग्री का उपयोग करते हुए शिक्षण को रुचिकर एवं प्रभावी बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने जनपद बांदा से चयनित लखन स्वरूप चन्देल, जनपद गोरखपुर से चयनित बबिता मौर्य तथा आभा चतुर्वेदी, जनपद सिद्धार्थनगर से राजकुमार यादव तथा प्रज्ञा, जनपद वाराणसी की सोनल चतुर्वेदी तथा रीशा कुमारी, जनपद शाहजहांपुर के आदिल हुसैन तथा अर्चना गंगवार तथा जनपद बरेली की निशात बेगम तथा रोहितेश गौतम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वार्तालाप कर उनका चयन होने पर बधाई दी।

उन्होंने सभी चयनित अध्यापकों से अपेक्षा की वे शासन की मंशा के अनुरूप पूरी मेहनत से बच्चों को पढ़ाएंगे, ताकि देश और प्रदेश का भविष्य उज्ज्वल बन सके।

प्राइवेट अस्पताल में महिला की मौत पर परिजनों ने किया हंगामा

फिरोजाबाद। थाना रसूलपुर क्षेत्र अंतर्गत एक प्राइवेट अस्पताल में शुक्रवार को प्रसूता की इलाज के दौरान मौत पर गुस्साये परिजनों ने हंगामा किया। परिजनों ने चिकित्सक पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगा शव को हाईवे पर रखकर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस जाम खुलवाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल लायी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकोहाबाद के मोहल्ला कांस निवासी रजनी (23)पत्नी गिरेन्द्र गर्भवती थी। परिजनों ने रजनी को प्रसव के लिये थाना रसूलपुर क्षेत्र स्थित लक्ष्मी फाउंडेशन अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां उसका उपचार हो रहा था। शुक्रवार सुबह महिला ने दम तोड़ दिया। महिला की मौत के गुस्साये परिजनों ने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप था कि अस्पताल में पूर्व में भी कई मरीजों की मौत हो चुकी है। चिकित्सक इलाज में लापरवाही दिखाते हैं। परिजन शव लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग2 पर आ गए और शव सड़क पर रख कर जाम लगा दिया।